THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 146 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.12, 2079 मंगलवार, 9 अगस्त 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू में कई जगहों पर एनआईए की छापेमारी

जम्मू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को जम्मू और डोडा पर अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि टेरर फंडिंग मामले में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के सदस्यों के खिलाफ कई जगहों पर रेड की गई है। एनआईए की अलग-अलग टीमें कार्रवाई में लगी हुई हैं। मौके पर भारी सुरक्षाबल मौजूद है। सूत्रों के अनुसार, दोनों जिलों के विभिन्न इलाकों में आज सुबह से जेईआई पदाधिकारियों और सदस्यों के आवास पर एक साथ छापेमारी जारी है। करीब एक दर्जन स्थानों पर दबिश दी गई है। जम्मू के बठिंडी में सेवानिवृत्त डीएफओ के आवास पर एनआईए की टीम जांच कर रही है।

पीवी सिंधु ने जीता स्वर्ण पदक

राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार गोल्ड पर किया कब्जा

बर्मिंघम, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीत लिया है। उन्होंने सोमवार (आठ अगस्त) को महिला एकल के फाइनल में कनाडा की मिशेल ली को हरा दिया। सिंधु ने यह मुकाबला 21-15, 21-13 से अपने नाम किया। वह पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। इससे पहले 2018 गोल्ड कोस्ट में उन्हें मिक्स्ड टीम स्पर्धा में स्वर्ण मिला था। तब एकल में वह साइना नेहवाल के खिलाफ फाइनल हार गई थीं।

राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल में भारत का यह दूसरा स्वर्ण पदक है। सिंधु से पहले 2010 और 2018 में साइना नेहवाल स्वर्ण जीती थीं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का बैडमिंटन में यह पहला स्वर्ण पदक हैं। देश को अब तक 19 स्वर्ण, 15 रजत और 22 कांस्य मिल चुके हैं। भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। बैडमिंटन में सिंधु के बाद अब लक्ष्य सेन से पुरुष एकल में स्वर्ण की उम्मीद है।

पहले गेम का रोमांच :

पीवी सिंधु ने पहले गेम में शानदार शुरूआत की। उन्होंने 4-2 से बढ़त बना ली थी, लेकिन मिशेल ली ने तुरंत वापसी की और स्कोर को बराबरी पर ला दिया। उसके बाद दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पहले गेम में ब्रेक तक सिंधु 11-10 से आगे थीं। ब्रेक के बाद सिंधु ने तुरंत ही पांच अंकों की बढ़त हासिल कर ली। स्कोर 17-12 हो गया। मिशेल ली ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सिंधु लगातार आक्रामक शॉट लगा रही थीं। उन्होंने पहले गेम को 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में दिखा सिंधु का पावर :

दूसरे गेम में मिशेल ली ने पहला अंक हासिल किया। उसके बाद सिंधु ने वापसी की। उन्होंने अपनी ताकत का इस्तेमाल करके दो-तीन जबरदस्त स्मैश लगाए। ली के पास इसका कोई जवाब नहीं था। वह ब्रेक तक 11-6 से आगे हो गईं। इसके बाद सिंधु और ज्यादा आक्रामक हो गईं। उन्होंने ली को कोई मौका नहीं दिया और दूसरे गेम को 21-13 से अपने नाम कर लिया।

पीवी सिंधु की उपलब्धियां

पीवी सिंधु ने 2016 ओलंपिक में रजत और 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वहीं, विश्व चैंपियनशिप में वो छह पदक जीत चुकी हैं।

उन्होंने 2019 में स्वर्ण, 2018 और 2017 में रजत और 2013-2014 में कांस्य पदक हासिल किया था। एशियाई खेलों में सिंधु ने 2018 में रजत और 2014 में महिला टीम के साथ कांस्य पदक जीता है। राष्ट्रमंडल खेलों में भी सिंधु के नाम एक रजत, एक कांस्य और मिक्स्ड टीम इवेंट में एक स्वर्ण पदक है। अब इसमें एकल स्पर्धा का स्वर्ण भी जुड़ चुका है। एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने 2014 में कांस्य पदक जीता था। सिंधु एक बार बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर जीत चुकी हैं और एक बार उपविजेता रही हैं। इंडिया ओपन सुपर सीरीज में वो 2017 में चैंपिनय बनी थीं और 2018 में उपविजेता रहीं। 2016 में उन्होंने चीन ओपन भी जीता। सिंधु 2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज भी जीत चुकी हैं।

तानाशाही सरकार के खिलाफ 'करो या मरो' जैसे एक और आंदोलन की जरूरत : राहुल

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस बीजेपी सरकार पर हमलावर है। हाल ही में कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन भी किया था। वहीं, सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट करके एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मौजूदा तानाशाही सरकार के खिलाफ 1942 में शुरू किए गए 'करो या मरो' आंदोलन की तरह एक और 'करो या मरो' आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी को भारत छोड़ना होगा।

दरअसल, आज देश भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत की वर्षगांठ मना रहा है। इस मौके पर हिंदी में एक फेसबुक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि 8 अगस्त, 1942 को बॉम्बे से शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजों की रातों की नींद हराम कर दी थी। >12

शिंदे सरकार का कैबिनेट विस्तार आज

फडणवीस को मिल सकता है गृह मंत्रालय

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कैबिनेट के विस्तार को लेकर बड़ी खबर आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, शिंदे सरकार का कैबिनेट विस्तार आज मंगलवार को होगा। महाराष्ट्र सरकार में 15 मंत्री हो सकते हैं। सभी आज सुबह 11 बजे राजभवन में शपथ ग्रहण करेंगे। बताया यह भी जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गृह मंत्रालय का अहम जिम्मा सौंपा जा सकता है।

इससे पहले उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ 30 जून को ली थी। तब से सरकार दो सदस्यीय मंत्रिमंडल के रूप में काम कर रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो शिंदे सरकार में भाजपा से सुधीर मुनगंटीवार, चंद्रिकांत पाटिल, गिरीश महाजन को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। इसमें शिंदे खेमे से गुलाब राव पाटिल, सदा सावरकर, दीपक केसरकर को भी शामिल किया जा सकता है।

इससे पहले कैबिनेट विस्तार को लेकर शिंदे-फडणवीस सरकार विपक्ष के निशाने पर रही है। अजित पवार ने हाल ही में कहा था कि महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार में इसलिए देर की जा रही है, क्योंकि शिंदे-फडणवीस की जोड़ी को दिल्ली से ग्रीन सिग्नल नहीं मिला है।

हम लगातार सीएम से कैबिनेट विस्तार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंत्री नियुक्त करने की मांग कर रहे हैं। राज्य में भारी बारिश और किसानों के मुद्दे भी सिर उठा रहे हैं, लेकिन जब तक दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिल जाएगी, तब तक सरकार में कैबिनेट विस्तार नहीं होगा। उन्होंने कहा था कि कैबिनेट विस्तार राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव पूरे होने के बाद ही होगा। इस पर फडणवीस ने अजित पवार के इन तंजों का जवाब देते हुए कहा कि वे विपक्ष के नेता हैं। उन्हें यह सब कहना ही पड़ेगा। अजित दादा अपनी मर्जी से भूल जाते हैं कि जब वे सरकार में थे, तब पहले 32 दिन सिर्फ पांच मंत्री ही थे। बता दें कि उद्धव सरकार के पहले एक महीने में अजित पवार ही डिप्टी सीएम नियुक्त किए गए थे।

संविधान सभा की कमी दूर करना था बहुत जरूरी : शाह

कटक, 8 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज से ओडिशा दौरे पर हैं। रविवार रात दोनों नेता भुवनेश्वर पहुंचे। इसके बाद आज सुबह शाह ने भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर में पूजा अर्चना की।

भुवनेश्वर और कटक की दीवारें शाह के पोस्टर, बैनर और तख्तियों से पटी हुई हैं। अमित शाह ने 'श्रावण मास' के अंतिम सोमवार को भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर से अपना दौरा शुरू किया। इसके बाद दोनों नेता नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म स्थल का दौरा करने के लिए कटक पहुंचे हैं। कटक में दोनों नेताओं ने तिरंगा यात्रा में भी भाग लिया। इसके बाद अमित शाह ने यहां समाचार पत्र 'प्रजातंत्र' की 75वीं वर्षगांठ पर अपना संबोधन दिया। अपने संबोधन की शुरूआत में शाह ने कहा कि उत्कल के सभी लोगों को अपनी हार्दिक बधाई देना चाहता हूं क्योंकि यहां एक गरीब परिवार में पैदा हुई द्रौपदी मुर्मू आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं। अमित शाह ने कहा कि संविधान सभा हर प्रदेश और हर वर्ग का प्रतिनिधित्व करती थी लेकिन संविधान सभा में एक कमी थी कि उसमें एक भी आदिवासी महिला का स्थान नहीं था। आज द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में महामहिम बनकर विराजी हैं। शाह ने कहा कि ओडिशा में अच्छे दिन आ गए हैं। कई ओडिया हस्तियां अब भारत में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। भविष्य आशाजनक दिख रहा है। विकास गतिविधियों की बहुत बड़ी गुंजाइश है। मैं ओडिशा के लिए एक उज्वल भविष्य की परिकल्पना कर सकता हूं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समी मोहंती ने बताया कि राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच काफी उत्साह है।

कथावाचक देवकीनंदन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

राज्य स्तर पर ही मिलेगा अल्पसंख्यक दर्जा : 9 राज्यों में हिंदुओं के लिए माइनॉरिटी स्टेटस मांगा था

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा केवल राज्य स्तर पर ही दिया जा सकता है। यह काम जिला स्तर पर नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने यह बात सोमवार को कथावाचक देवकीनंदन महाराज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। याचिका में देश के 9 राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक का दर्जा देने की मांग की गई थी। देवकीनंदन महाराज ने दलील दी थी कि राज्यों में हिंदुओं की संख्या कम हो गई है, इसलिए उन्हें अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाए। साथ ही हिंदुओं की गणना राज्य की बजाय जिला स्तर पर कराने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका में अल्पसंख्यकों का दर्जा जिला स्तर पर तय करने की मांग की गई है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह कानून के विपरीत होगा। कोर्ट ने कहा कि 11 जजों की बेंच पहले ही यह साफ कर चुकी है कि इस मामले को राज्य स्तर पर ही देखा जाना चाहिए।

इस मामले की पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कई जिलों में हिंदुओं की कम संख्या के मामले में ठोस सबूत पेश किए जाएं, इसके बाद ही हिंदुओं को अल्पसंख्यक दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर विचार हो सकता है। कथावाचक देवकीनंदन ने याचिका में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 की धारा-2सी की वैधता को चुनौती दी है। याचिका में अल्पसंख्यक समुदाय को विशेष अधिकार देने और कई राज्यों-जिलों में हिंदुओं की कम आबादी के बावजूद उन्हें ऐसे अधिकारों से वंचित रखने को संविधान से उल्टा बताया गया है। याचिका में अल्पसंख्यक अधिनियम कानून को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 29 और 30 के विपरीत बताया गया है। >12

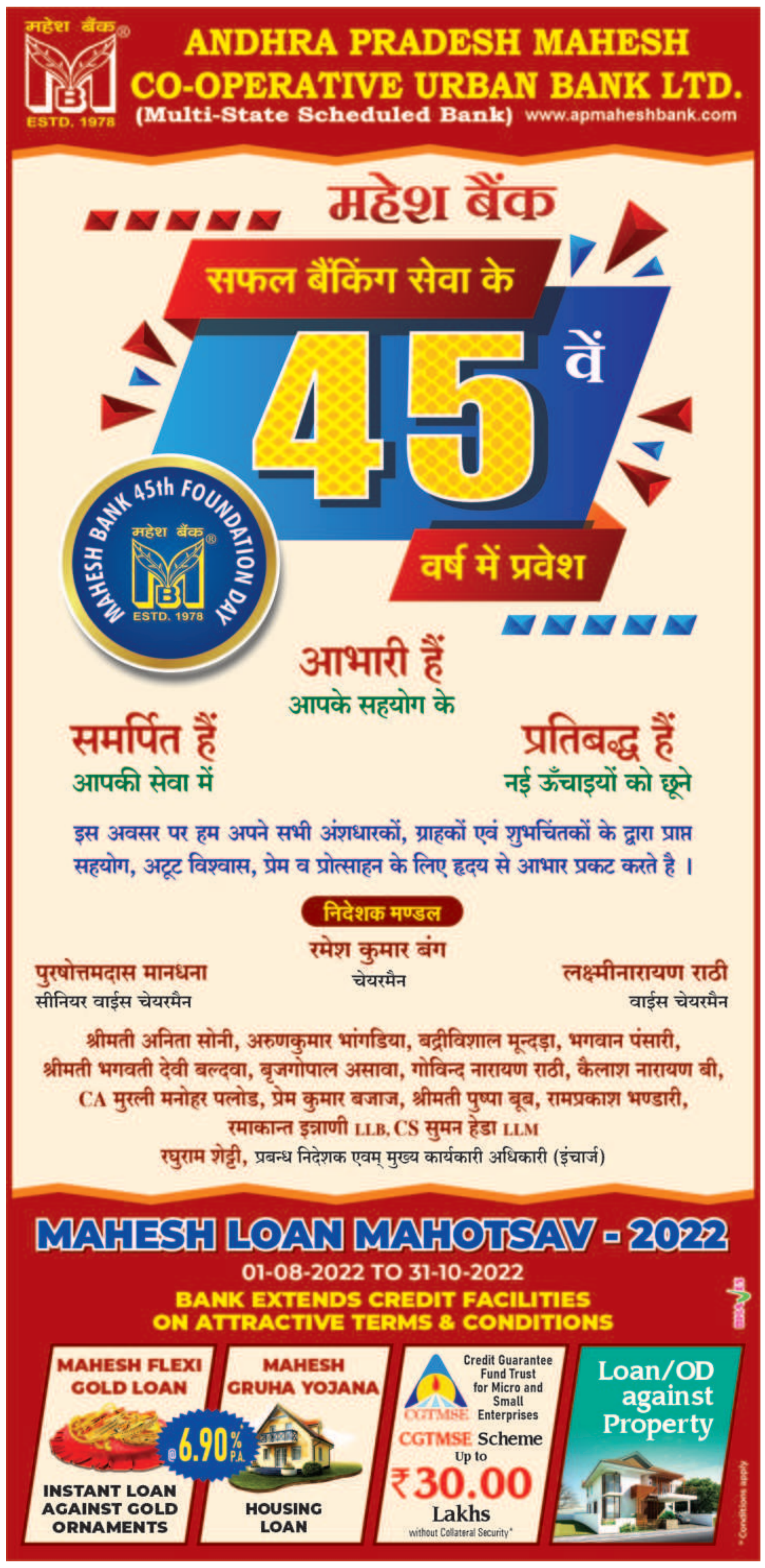

आत्मसमर्पण के लिए त्यागी के वकील ने कोर्ट में किया आवेदन

कोर्ट ने कहा 10 अगस्त को करिए आत्मसमर्पण

नोएडा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस से बचकर भागा फिर रहा 25 हजार का इनामी आरोपी श्रीकांत त्यागी ने अपने वकील के जरिए सूरजपुर कोर्ट में आत्मसमर्पण के लिए आवेदन किया है। जिसके बाद नोएडा पुलिस ने कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। हर आने-जाने वाले की चेकिंग करके ही उसे कोर्ट के अंदर जाने दिया जा रहा है।

सूरजपुर कोर्ट ने श्रीकांत के आवेदन पर तगड़ा झटका देते हुए श्रीकांत के वकील से कहा कि आत्मसमर्पण करने के लिए 10 तारीख दी जा रही है। कुल मिलाकर श्रीकांत त्यागी के लिए अदालत का दरवाजा एक तरह से बंद हो गया है। दूसरी ओर गौतम बुद्ध नगर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बीते 2 दिनों से श्रीकांत त्यागी फरार चल रहा है। शनिवार और रविवार छुट्टी होने के कारण कोर्ट 2 दिन लगातार बंद था। श्रीकांत किसी भी हाल में गौतमबुद्ध नगर पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ना चाहता है। उसके वकीलों ने पहले एंटीसिपेटरी बेल लेने की योजना बनाई थी, लेकिन उसके खिलाफ लगातार मुकदमे दर्ज होते चले गए और पीड़ित महिला की एफआईआर में भी पुलिस ने और धाराएं बढ़ा दी हैं तो अब आत्मसमर्पण ही एकमात्र विकल्प बचा है। मिली जानकारी के मुताबिक श्रीकांत त्यागी ने गौतमबुद्ध नगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में सरेंडर एप्लीकेशन दाखिल किया है। जैसे ही उसके सरेंडर एप्लीकेशन के बारे में जानकारी मिली पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है।

भारतीय डॉर्नियर ने पाकिस्तानी जंगी जहाज को खदेड़ा

गांधीनगर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जंगी जहाज ने पिछले महीने भारतीय समुद्री सीमा में घुसपैठ की थी। इसे इंडियन कोस्ट गार्ड के डोर्नियर सर्विलांस प्लेन ने खदेड़कर वापस भेजा। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी नौसेना का जहाज पीएनएस आलमगीर गुजरात के करीब भारतीय समुद्री सीमा में पहुंचा था। इसे देखते ही समुद्री सीमा की निगरानी कर रहे डोर्नियर एयरक्राफ्ट ने भारतीय सीमा से बाहर जाने की चेतावनी दी।

जब चेतावनी के बावजूद पाकिस्तानी जहाज ने कोई जवाब नहीं दिया, तो डॉर्नियर ने उसे खदेड़ दिया। हालांकि इस मामले में कोस्ट गार्ड की तरफ से इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, कड़ा एक्शन होने के डर से ही पाकिस्तानी जहाज भारतीय समुद्री सीमा से बाहर निकला।

पाकिस्तानी वॉरशिप आलमगीर के भारतीय सीमा में घुसते ही भारतीय डोर्नियर प्लेन ने उसका पता लगा लिया था। डोर्नियर ने आलमगीर को लौटने की चेतावनी दी, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। सूत्रों के मुताबिक, डोर्नियर ने पाकिस्तान के जहाज की मंशा जानने के लिए रेडियो संचार सेट पर कॉल भी किया, लेकिन पाकिस्तानी जहाज का कप्तान जवाब देने की बजाय खामोश रहा। जब पाकिस्तानी जहाज के इरादे संदिग्ध दिखे, तो डोर्नियर ने उसके सामने दो से तीन बार एग्रेसिव फॉर्मेशन में उड़ान भरी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर भड़के सिब्बल

संवेदनशील मामले केवल चुनिंदा जजों को ही सौंपे जाते हैं

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हाल ही में पारित हुए सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों पर बयान दिया है।

सिब्बल ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें कोर्ट से अब कोई उम्मीद नहीं बची है। अगर आपको लगता है कि आपको सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलेगी, तो आप बहुत गलत हैं। उन्होंने कहा मैं यह बात सुप्रीम कोर्ट में 50 साल का अनुभव पूरा करने के बाद कह रहा हूं। सिब्बल ने यह बयान दिल्ली में आयोजित पीपुल्स ट्रिब्यूनल में दिया। उन्होंने कहा भले ही कोर्ट ने कोई भी ऐतिहासिक फैसला सुना दे, लेकिन इससे जमीनी हकीकत शायद ही कभी बदलती हो। इस साल मुझे सुप्रीम कोर्ट के अभ्यास के 50 साल पूरे हो जाएंगे लेकिन इसके बावजूद भी मुझे कोई उम्मीद नहीं है। हम सुप्रीम कोर्ट के दिए गए प्रगतिशील निर्णयों के बारे में बात करते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर जो होता है, उसमें बहुत बड़ा अंतर है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने निजता पर फैसला दिया और दूसरी तरफ ईडी के अधिकारी आपके घर आए। इसमें आपकी निजता कहां है। सिब्बल ने कहा कि 2002 के गुजरात दंगों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य लोगों को एसआईटी ने क्लीन चिट दे दी थी।

इसे लेकर कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जकिया जाफरी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया। धन शोधन निवारण अधिनियम (मनी लांड्रिंग) के प्रावधानों को कायम रखना जो ईडी को एक बड़ा अधिकार देता हैं। उन्होंने कहा 2009 में छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने 17 आदिवासियों को मार दिया था।

बोले-गांव में बैल ने महिला को सींग मारा, उनकी मौत हो गई

डेरेक ने सुनाई वेंकैया की कहानी

गोद में सालभर के वेंकैया बच गए थे

मां की कहानी सुन भावुक हुए वेंकैया

नायडू जब एक साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया। TMC सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ये बात कही तो वेंकैया भावुक हो गए।

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को सोमवार को राज्यसभा में विदाई दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और तमाम नेताओं ने विदाई भाषण दिया। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने जब स्पीच दी तो वेंकैया भावुक हो गए और अपने आंसू पोंछने लगे।

डेरेक ओ ब्रायन ने वेंकैया नायडू के बचपन की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि जब नायडू महज एक साल के थे, तब उनकी मां की मौत हो गई थी। डेरेक ने कहा, गांव में एक परिवार था, जिसके पास 8 बैल थे। एक दिन इनमें से एक भड़क गया और महिला के पेट में सींग से हमला कर दिया। उसकी गोद में एक साल का बच्चा था। उसे वहीं छोड़कर महिला को अस्पताल ले जाया गया, पर उसकी मौत हो गई। वो बच्चा वेंकैया नायडू थे।

प्रधनमंत्री बोले-आपके वन लाइनर्स, विन लाइनर्स होते हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज सदन में स्पीकर, राष्ट्रपति वही लोग हैं जो आजाद भारत में पैदा हुए। सभी साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। इसका सांकेतिक महत्व है। ये देश में नए युग का प्रतीक है। नायडू देश के ऐसे उप-राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने अपनी हर भूमिका में युवाओं के लिए काम किया। सदन में भी युवा सांसदों को आगे बढ़ाया। युवाओं के संवाद के लिए यूनिवर्सिटीज और इंस्टिट्यूशंस लगातार जाते रहे। इनका नई पीढ़ी के साथ निरंतर कनेक्ट बना रहा है।'

उप-राष्ट्रपति के रूप में आपने जो भाषण दिए, उनमें 25% युवाओं पर थेः मोदी ने कहा, 'मुझे बताया गया कि उप-राष्ट्रपति के रूप में आपने जो भाषण दिए, उनमें 25 फीसदी युवाओं पर थे। व्यक्तिगत रूप से मेरा ये सौभाग्य रहा है कि मैंने निकट से आपको अलग-अलग भूमिकाओं में देखा है। बहुत सारे मौकों पर कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का मौका मिला। कार्यकर्ता, विधायक, सांसद, भाजपा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री के रूप में आपका काम देश के लिए हितकारी रहा है। उप-राष्ट्रपति और सभापति के रूप में मैंने आपको अलग-अलग जिम्मेदारियां में लगन से काम करते देखा है। आपने कभी भी किसी भी काम को बोझ नहीं माना। हर काम में नए प्राण फूंकने का प्रयास किया है। आपका जज्बा, आपकी लगन हमने निरंतर देखी।'

आपके वन लाइनर्स विन लाइनर्स होते हैंः 'मैं हर सांसद और युवा से कहना चाहूंगा कि वो समाज, देश और लोकतंत्र के बारे में आपसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। आपके अनुभव हमारे युवाओं को गाइड करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत करेंगे। आपकी किताबों का जिक्र मैंने इसलिए किया, क्योंकि आपकी वो शब्द प्रतिभा झलकती है, जिसके लिए आप जाने जाते हैं।

आपके वन लाइनर्स विन लाइनर्स होते हैं। उसके बाद कुछ और कहने की जरूरत नहीं रह जाती।' सामान्य छात्र से पार्टी के टॉप पद पर पहुंचेः 'आपने दक्षिण में छात्र राजनीति से सफर शुरू किया था। तब लोग कहते थे कि जिस विचारधारा से आप जुड़े हैं, उसका दक्षिण में निकट भविष्य में कुछ अच्छा नजर नहीं आता है।

घर में काम करने वाला मजदूर निकला हत्यारा

60 साल की बुजुर्ग महिला को उतारा मौत के घाट

तिरुवनंतपुरम, 8 अगस्त (एजेंसिया)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में पूर्वी राज्य के रहने वाले एक प्रवासी श्रमिक द्वारा कथित तौर पर 60 वर्षीय गृहिणी की हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल के पांच मूल निवासियों को हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव को केशवदासपुरम इलाके में उनके घर के एक कुएं में फेंक दिया गया था। घटनास्थल का दौरा करने वाले तिरुवनंतपुरम शहर के पुलिस आयुक्त स्पर्जन कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि पश्चिम बंगाल के पांच लोगों को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि रविवार तक उनके साथ रहने वाला छठा व्यक्ति लापता है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने कहा कि बंगाल के मूल निवासी पीड़ित के घर से सटे एक घर के निर्माण के लिए आए मजदूरों की टीम के हिस्सा थे। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार की है जब महिला अपने घर पर अकेली थी।

खबरें जरा हटके

एक-दो नहीं, घर में पूरे 85 जानवर पाल रही है महिला

सुबह से रात के 2 बजे तक करती है सुसु-पॉटी की सफाई

बेजुबान जानवर इंसानों के अच्छे दोस्त बन जाते हैं. कई रिसर्च में ये बात साफ़ हो चुकी है कि पालतू जानवरों के साथ रहने वाला इंसान डिप्रेशन से बच जाता है. साथ ही उसका मूड भी अच्छा रहता है. आमतौर पर लोग एक या दो जानवर पालते हैं. कुछ लोग कुत्तों को कई संख्या में पाल लेते हैं. लेकिन आज हम जिसकी बात करने जा रहे हैं, उसे जानवर पालने का ऐसा शौक है, कि उसने अपने घर को ही मिनी जू बना डाला है. जोए विल्लिंघम नाम की इस महिला ने अपने घर में एक दो नहीं, बल्कि पूरे 85 जानवर पाल रखे हैं.

अपने इस शौक के बारे में जोए ने बताया कि एक समय उसके पास सौ से ज्यादा जानवर थे. लेकिन अब उनकी संख्या 85 रह गई है. जानवरों से प्यार का उसे ऐसा पागलपन है कि सुबह से उठने के बाद रात को दो बजे तक वो इन्हीं जानवरों की सेवा में बिता देती है. उसके जानवरों की लिस्ट में बिल्ली, कुत्ते, सूअर, खरगोश से लेकर कछुआ और तोता भी शामिल है. वो अपने सारे पेट एनिमल्स से काफी प्यार करती है.

हमेशा से थी एनिमल पर्सन

यूके के सफॉल्क की रहने वाली जोए में अपने इस प्यार के बारे में बताया कि वो हमेशा से एनिमल पर्सन रही है. उसे जानवर की मां और फिर उसके बच्चों की दादी बनने में काफी ख़ुशी महसूस हटी है. उसके पास जितने जानवर है, उसमें से ज्यादातर रेस्क्यू एनिमल है. जानवरों की डिलीवरी भी जोए करवाती है फिर उन्हें भी पालती है. एक समय में उसके पास सौ से ज्यादा जानवर हो गए थे. इसके बाद अब उसके घर में करीब 85 जानवर बचे हुए हैं.

सफाई में हो जाती है रात

जोए सारे जानवरों का काफी ध्यान रखती हैं. उनके खाने-पीने से लेकर उनके सुसु-पॉटी की भी जिम्मेदारी जोए की है. लेकिन साफ़-सफाई में उसकी हालत खराब हो जाती है. अपने रूटीन के बारे में जोए ने बताया कि कुत्तों की सारी जरुरत की चीजों को समेटने में उसे रात के दो बज जाते हैं. उसके पति भी इस बारे में काफी सपोर्टिव हैं. वो भी ऑफिस से आकर साफ़-सफाई में जुट जाते हैं. जोए कभी वेट नर्स के तौर पर काम कर चुकी है. अब वो अपने इन पेट एनिमल्स के बीच समय बिता रही है. जोए खुद ही इन एनिमल्स को ट्रेन भी करती है.

पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता समेत तीन को जेल

नागपुर की कंपनी को खदान आवंटन में धांधली के दोषी

कोयला घोटाले के 11 मामलों में अब तक सजा

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज कोयला घोटाले के एक मामले में दो वरिष्ठ पूर्व अधिकारियों समेत तीन को सजा सुनाई है। पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता को तीन साल की व कंपनी के निदेशक को चार साल की सजा सुनाई है। यह मामला नागपुर की एक निजी कंपनी को कोयला खदान आवंटन में धांधली से जुड़ा है।

यह केस महाराष्ट्र की एक कोयला खदान को निजी कंपनी को आवंटित करने में हुई अनियमितता का है। विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज ने गुप्ता के अलावा इस मामले में कोयला मंत्रालय के पूर्व संयुक्त सचिव केएस क्रोफा को भी दो साल की कैद की सजा सुनाई है। दोनों को पिछले हफ्ते अदालत ने दोषी ठहराया था। कोर्ट ने इस मामले में निजी कंपनी के निदेशक मुकेश गुप्ता को भी चार साल जेल की सजा सुनाई। क्रोफा पर 50 हजार रुपये का तो गुप्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह मुकेश गुप्ता व कंपनी पर भी दो-दो लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है।

विशेष सीबीआई कोर्ट ने पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता और कोयला मंत्रालय के ही पूर्व संयुक्त सचिव केएस क्रोफा तथा अन्य को महाराष्ट्र में लोहारा ईस्ट कोल ब्लॉक आवंटन में अनियमितता के लिए दोषी करार दिया है। नागपुर की कंपनी ग्रेस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और इसके निदेशक मुकेश गुप्ता को भी दोषी ठहराया गया। इन सभी को आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाया गया। कोयला घोटाले में दोषसिद्धि का यह 11वां मामला है।

पूर्व कोयला सचिव गुप्ता इससे पहले तीन अन्य कोयला घोटाला मामले में भी दोषी करार दिए जा चुके हैं। इन मामलों में उनकी अपील दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित हैं। अभी वे जमानत पर हैं। सीबीआई के अनुसार, 2005 और 2011 के बीच आरोपियों ने आपराधिक साजिश रची और कोयला मंत्रालय को धोखा दिया।

आरोपियों ने कंपनी की संपत्ति, क्षमता, उपकरण और खरीद की स्थिति तथा संयंत्र की स्थापना के बारे में गलत जानकारी देकर ग्रेस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पक्ष में कोल ब्लॉक आवंटित करने के लिए केंद्र और कोयला मंत्रालय को गुमराह किया। जांच एजेंसी ने कहा कि कंपनी ने अपने आवेदन में दावा किया था कि उसका कुल नेटवर्थ 120 करोड़ रुपये है जबकि हकीकत में उसकी कुल कीमत 3.3 करोड़ रुपये थी। साथ ही कंपनी ने 30,000 टीपीए (थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर) के बदले अपनी मौजूदा क्षमता 1,20,000 टीपीए दिखाई थी।

तोते के खिलाफ शिकायत लेकर थाने पहुंचे बुजुर्ग

बोले-'मुझको देखकर मारता है सीटी'

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसिया)। महाराष्ट्र के पुणे से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां एक 72 वर्षीय बुजुर्ग ने एक तोते के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बुजुर्ग का कहना है कि वह जब भी घर से बाहर निकलते हैं, तोता उनको देखकर सीटी बजाता है। इसके बाद पुलिस ने तोते के मालिक को थाने बुलाकर चेतावनी दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पुणे के शिवाजी नगर की महात्मा गांधी कॉलोनी में रहने वाले 72 साल के बुजुर्ग के घर के सामने एक व्यक्ति ने तोता पाल रखा है। बुजुर्ग का कहना है कि तोता हर वक्त सीटियां बजाता रहता है, वह जब भी बाहर निकलते हैं, उन्हें देखकर भी वह सीटी मारता है। इससे उन्हें तकलीफ होती है। बुजुर्ग ने बताया कि जब उन्होंने इसकी शिकायत तोते के मालिक से की तो, वह उन्हीं के साथ बहस करने लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया।

भाजपा सांसद बोले- झारखंड में बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ बड़ी समस्या

एनपीआर लागू करे सरकार

रांची, 8 अगस्त (एजेंसिया)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को लोकसभा में झारखंड में बांग्लादेशी मुसलमानों की 'घुसपैठ' का मुद्दा उठाया और मांग की कि सरकार वहां राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) का अभ्यास करे और हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को 'इस्लामीकरण' की गतिविधियों का समर्थन करने के लिए बर्खास्त करे।

'घुसपैठिए छीन रहे हिंदुओं और मुसलमानों का रोजगार'

सदन के नियम 377 के तहत मुद्दा उठाते हुए दुबे ने कहा कि वह पिछले 13-14 वर्षों से बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दे को झंडी दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस मुद्दे का हिंदू-मुसलमान से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि घुसपैठ करने वाले हिंदू और मुसलमान दोनों का रोजगार छीन रहे हैं। गोड्डा से भाजपा सांसद ने कहा कि बांग्लादेशी मुसलमान भोली आदिवासी लड़कियों से शादी करके क्षेत्र की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) को

बदलना चाहते हैं। उन्होंने साहिबगंज में आदिवासी कोटे से चुनी गई एक जिला परिषद की मुखिया का उदाहरण दिया जिसने एक मुस्लिम से शादी की और कहा कि ऐसे हजारों उदाहरण हैं। दुबे ने साइबर क्राइम के साथ-साथ झारखंड से अवैध रूप से बांग्लादेश भेजी जा रही रही गायों और रेत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्रों को उर्दू में पढ़ाया जा रहा है और अब साप्ताहिक अवकाश शुक्रवार को स्थानांतरित कर दिया गया है। इन चार-पांच मुद्दों के कारण क्षेत्र में अशांति है और वह इस्लामीकरण की ओर बढ़ रहा है। दुबे ने कहा, मैं सरकार से वहां एनपीआर को लागू करने का अनुरोध करता हूं, वहां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का एक कार्यालय होना चाहिए।

कैमरे में कैद हो गई मसाज करती बिल्ली, कैट के क्यूट अंदाज पर फिदा हो गए लाखों लोग

कैट की क्यूटनेस का कोई जवाब नहीं. उसकी शरारतें और नखरे लोगों को खूब पसंद आते हैं. तभी तो मालिक उनकी हर नखरे उठाने को तैयार रहते हैं और उन्हें सिर-आँखों पर बिठा कर रखते हैं. यही वजह है कि बिल्लियां मनमर्जी के लिए जानी जाती है. नकचढी होना उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति है. जिद्दी और शरारती तो होती ही हैं. अब इतनी खूबियों के बाद भी कोई बिल्ली गंभीरता से काम करती नजर आईं तो भलाई से क्या कहेंगे आप?

मसाज करने वाली बिल्ली जितनी गंभीरता से अपने काम को अंजाम दे रही थी, मसाज करवाने वाली बिल्ली आंखें बंद कर मसाज का मज़ा ले रही थी. हालांकि उसे बिल्कुल हिलता डुलता ना देख, कुछ यूज़र्स ने कहा- मसाज नहीं सीपीआर ले रही है कैट. वीडियो को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिले. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक बिल्ली दूसरी बिल्ली की मसाज करती नजर आईं. एक बिल्ली का गंभीरता से किसी काम को करना लोगों के लिए आश्चर्य से कम नहीं था. तभी तो लोगों को ये वीडियो बेहद मज़ेदार लगा. हालांकि वीडियो को गौर से देखने पर ऐसा ही मालूम होता है जैसे सीनियर बिल्ली जूनियर बिल्ली से रैंगिंग के नाम पर अपनी सेवा करवा रही हो. और न चाहते हुए भी बेचारी जूनियर को डर से मसाज करना पड़ रहा हो. और उधर सीनियर बिल्ली मज़े तो खूब ले रही है लेकिन चेहरे पर भाव ऐसा ही रखेगी मानो ठीकठाक ही हो रहा है मसाज.

संजय राउत ने 'सामना' में सलाखों से लिखा 'रोकटोक' कॉलम? ईडी करेगा जांच

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसिया)। मुंबई के चर्चित पात्रा चॉल घोटाले को लेकर ईडी द्वारा गिरफ्तार शिवसेना नेता संजय राउत को लेकर नया विवाद पैदा हो गया है। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में उनका साप्ताहिक कॉलम 'रोकटोक' छपा है, जबकि वे इस वक्त ईडी की हिरासत में हैं। हिरासत के दौरान उन्होंने यह आलेख कैसे लिखा? ईडी अब इसकी भी जांच करेगा। हिरासत में वे कोर्ट की बगैर अनुमति आलेख नहीं लिख सकते हैं। संजय राउत आठ दिनों से ईडी की हिरासत में हैं। उनसे पात्रा चॉल घोटाले व अन्य आरोपों को लेकर लगातार पूछताछ की जा रही है। शनिवार को उनकी पत्नी वर्षा राउत से भी ईडी ने नौ घंटे तक पूछताछ की थी। संजय राउत को आज हिरासत अवधि खत्म होने पर कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

हिरासत में रहने के दौरान आलेख नहीं लिख सकते

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया कि राउत हिरासत में रहने के दौरान कोई आलेख नहीं लिख सकते हैं जब तक कि इसके लिए कोर्ट से अनुमति नहीं ली हो। उन्हें ऐसी कोई इजाजत नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि इस आलेख में ईडी, राज्यपाल, महाराष्ट्र बनाम गुजरात मारवाड़ी विवाद जैसे मुद्दों पर राउत की चिरपरिचित शैली में छींटाकशी की गई है। 'रोकटोक' कॉलम में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यिारी की गुजराती व मारवाड़ियों को लेकर कही गई बातों, जिस पर कोश्यिारी माफी मांग चुके हैं, को लेकर भी टिप्पणी की गई है। कथित तौर पर राउत द्वारा लिखे गए कॉलम में लिखा 'महाराष्ट्र के स्वाभिमान से किसी ने खेल किया तो मराठी माणुस भड़क उठता है।

यह इतिहास है। कोश्यारी ने अपने एक भाषण में क्या कहा? गुजराती और मारवाड़ी लोग मुंबई में हैं, इसलिए मुंबई को आर्थिक राजधानी का दर्जा प्राप्त है। गुजराती-मारवाड़ी लोगों को बाहर निकाला गया तो मुंबई में पैसा नहीं रहेगा।

जम्मू-कश्मीर में पुलिसकर्मी ने किया सुसाइड

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में सोमवार को एक पुलिसकर्मी ने कोर्ट कॉम्प्लेक्स में खुद की सर्विस राइफल से गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान गुरमेश सिंह के रूप में हुई है, वे जम्मू-कश्मीर पुलिस में स्पेशल पुलिस ऑफिसर थे। गुरमेश डोडा सत्र अदालत में सुरक्षाकर्मी के रूप में तैनात थे।

आत्महत्या की वजह पता नहीं

अदालत में तैनात अन्य सुरक्षाकर्मियों का कहना है कि उन्होंने गोली की आवाज सुनी थी। इस पर वे दौड़कर मौके पर पहुंचे तो गुरमेश खून से लथपथ पडे. थे। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा कि गुरमेश ने आत्महत्या क्यों की, इसका पता नहीं चल सका है। परिवार को उनकी मौत की जानकारी दे दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि गुरमेश के सीने में गोली लगी है, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरूआती जांच में आत्महत्या की बात सामने आ रही है। मौत की असल वजह जांच में सामने आ जाएगी।

इससे पहले 5 अगस्त 2022 को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सीमा सुरक्षा बल के कॉन्स्टेबल ने कैंप में गोली मारकर सुसाइड कर लिया था। सेना के अधिकारियों के मुताबिक सीमा सुरक्षा बल जवान एन हजारिका (43) ने सुबह करीब साढ़े 11 बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। साथियों ने उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया, यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

102 साल से कब्र में लेटी है दो साल की बच्ची, लोगों को देखकर मटकाती है आंखें!

किसी का जाना परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति होती है. इसकी भरपाई नहीं की जा सकती. पुराने समय में, खासकर इजिप्ट में काफी समय पहले से ममी का कांसेप्ट रहा है. इसमें मरने के बाद डेड बॉडी के ऊपर ख़ास तरह का लेप लगा दिया जाता था. इससे बॉडी सड़ती नहीं थी. माना जाता था कि मौत के बाद वो फिर से जिन्दा हो सकते हैं. इस वजह से बॉडी को प्रिजर्व किया जाता था. खुदाई के दौरान करीब आठ हजार ममीज मिले थे. इसी में शामिल थी दो साल की रोसालिया की बॉडी. इन सभी को इटली के नॉदर्न सिसीली में प्रिजर्व करके रखा गया है.

रोसालिया की ममी को टूरिस्ट्स के डिस्प्ले के लिए लगा दिया गया है. कहते हैं कि ये ममी देखने वालों की तरफ आंखें खोलकर पलकें झपकाती है. इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. इसकी क्या वजह है, इसका पता अभी तक नहीं लगाया जा सका है. लेकिन लोग ममी की खूबसूरती देखने के लिए जरूर आते हैं. बच्ची की ममी को देखकर ऐसा लगता है जैसे सोइ हुई है. एक्सपर्ट्स ने उसके पलक झपकाने की थियोरी को भी साफ़ किया. रोसालिया की मौत को लेकर कहा जाता है कि उसकी जान न्यूमोनिया से गई थी. अपने जन्मदिन से मात्र एक हफ्ते पहले ही रोसालिया की मौत हुई थी. उसके घरवालों ने ममी को सुरक्षित कर दिया था. अब इसे ही इटली में डिस्प्ले पर लगाया गया है. सौ साल के बाद भी ये इतनी सुरक्षित है कि देखने से लगता है कि बच्ची कब्र में लेटी हुई है. उसकी बॉडी को शीशे के कॉफिन में रखा गया है. हर साल उसे देखने के लिए हज़ारों पर्यटक आते हैं।

सामना के संपादक बनते ही उद्धव ठाकरे ने शरद पवार और ममता बनर्जी पर साधा निशाना

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसिया)। संजय राउत के जेल जाने के बाद सामना के संपादक बने उद्धव ठाकरे के निशाने पर बीजेपी के साथ अब विपक्षी दलों के नेता भी हैं। हैरत की बात है कि उन्होंने राकांपा प्रमुख शरद पवार को भी निशाने पर लिया है। उन्होंने ममता बनर्जी को भी नहीं बख्शा। तीखे तेवरों में दोनों नेताओं की जमकर आलोचना की।

ओपी-ईडी में उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका की मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर जिस तरह से दोनों ने सड़क पर उतरकर हल्ला बोला, वो काबिले तारीफ है। दोनों ने सरकारी तंत्र की परवाह किए बगैर सरकार पर जमकर निशाना साधा। दोनों की जितनी तारीफ की जाए वो कम है। वो किसी से डरे नहीं बल्कि अपनी सारी ताकत को लगाकर विरोध जताया। उद्धव ने शरद पवार के इस प्रदर्शन से दूर रहने के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि ये गलत था।

पवार और उनकी पार्टी को कांग्रेस के साथ खड़े होना चाहिए था। आज सारा देश महंगाई और बेरोजगारी से कराह रहा है। पवार जैसे जिम्मेदार विपक्षी नेताओं को छोटी-छोटी बातों को दरकिनार कर इस देश व्यापी प्रदर्शन में कांग्रेस के साथ खड़ा होना था। इससे विपक्ष को धार मिलती। उन्होंने ममता बनर्जी पर निशाना साध कहा कि वो उप राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग से ही दूर रहीं। इसके लिए उन्होंने जो कारण गिनाए वो हास्यास्पद हैं। उनके सूबे में ईडी और सीबीआई कहर बरपा रहे हैं। ऐसे में उन्हें विपक्षी एकता की कोशिश करनी चाहिए थी। सामना में लिखा गया कि आज बीजेपी ने ईडी और सीबीआई को विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने का हथियार बना दिया है। उद्धव का कहना था कि जो अपनी पूंछ को टांगों के बीच दबाए बैठे हैं वो समझ लें कि बचने वाले वो भी नहीं हैं।

महाराष्ट्र में सभी ने देखा कि किस तरह से सरकार को गिराया गया। लेकिन वो इससे डरे नहीं। राउत अरेस्ट हुए तो शिवसेना ने विरोध जताया। उनका कहना था कि आज बीजेपी के दमन को बेअसर करने के लिए सारे विपक्ष को एकजुट होने की जरूरत है।

राज्यों को कठपुतली न समझे केन्द्र : मान

चंडीगढ़, 8 अगस्त (एजेंसिया)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार के बिजली संशोधन बिल पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मान ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों को कठपुतली न समझे। हम अपने अधिकार के लिए सडक़ से संसद तक लड़ाई लड़ेंगे। केंद्र सरकार इस बिल को संसद में लेकर आ रही है। मान ने इसे राज्यों के अधिकारों पर एक और हमला करार दिया। मान ने कहा कि हम इस बिल को संसद में पेश करने का सख्त विरोध करते हैं। सीएम भगवंत मान ने सोशल मीडिया के जरिए भी विरोध दर्ज कराया।

वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि 2020 में यह बिल लाया गया तो किसानों ने इसका विरोध किया। तब केंद्र ने इसे वापस ले लिया। उस वक्त केंद्र ने कमिटमेंट की थी कि राज्यों के साथ सलाह कर इसे दोबारा लाएंगे। इसके बावजूद किसी राज्य से चर्चा नहीं की और बिल ले आए। चीमा ने इसे संघीय ढांचे पर बहुत बड़ा हमला करार दिया। हरपाल चीमा ने कहा कि जिस वक्त यह बिल आया था तो अकाली सांसद हरसिमरत कौर बादल ने भी साइन किए थे। अब वह किस मुंह से इसका विरोध कर रहे हैं। अंदर से वह भाजपा के साथ हैं।

सुविचार

चिड़िया कहती है, काश मैं बादल होती। बादल कहता सहै काश, मैं चिड़िया होती।।

बिजली कर्मचारियों ने केंद्र से की संशोधित विधेयक वापस लेने की मांग, विद्युत सौध में प्रदर्शन

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य बिजली कर्मचारियों ने आज यहां विद्युत सौधा में महा धरना दिया और केंद्र से बिजली संशोधन विधेयक को तुरंत वापस लेने की मांग की। राज्य भर के कर्मचारियों ने धरने में हिस्सा लिया और कार्यक्रम के तहत कर्तव्यों का बहिष्कार भी किया। इस अवसर पर बोलते हुए कर्मचारियों ने लोगों से अपना समर्थन देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रस्ताव से उपभोक्ताओं को काफी परेशानी होगी और चेतावनी दी कि अगर केंद्र ने संसद में संशोधन विधेयक पेश किया तो वे अपने कर्तव्यों का पूरी तरह से बहिष्कार करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र बिल के जरिए पूरे बिजली क्षेत्र का निजीकरण करने की योजना बना रहा है। कर्मचारियों ने काला बिल्ला पहनकर विरोध प्रदर्शन के तहत टकसाल परिसर से विद्युत सौध तक रैली निकाली।

कांग्रेस विधायक कोमटीरेड्डी ने विस अध्यक्ष को सौंपा इस्तीफा

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कई संकटों से जूझ रही कांग्रेस को तेलंगाना में भी झटका लगा है। पार्टी के विधायक कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने आज विधायकी व पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वे जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। रेड्डी ने अपना इस्तीफा तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी को सौंपा। स्पीकर ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। रेड्डी ने तीन अगस्त को कांग्रेस पार्टी और विधायक के रूप में भी इस्तीफे की घोषणा की थी।

इससे पहले राजगोपाल रेड्डी ने गन पार्क शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। बाद में अपने समर्थकों के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने मीडियाकर्मियों को अपना त्याग पत्र दिखाया। इस अवसर पर बोलते हुए, राजगोपाल रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य में निरंकुश शासन देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना समाज भूख को बर्दाश्त करेगा, लेकिन स्वाभिमान को नहीं। उन्होंने कहा कि वह तेलंगाना समाज और अपने मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए अपने विधायक पद का त्याग कर रहे हैं और कहा कि उन्होंने केसीआर परिवार के शासन के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया। केसीआर को सही सबक सिखाने का समय आ गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र उनके इस्तीफे के बाद विकास हासिल करेगा। राजगोपाल रेड्डी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने उनके इस्तीफे की खबर के मद्देनजर गट्टुप्पल मंडल का गठन किया था। वह इस महीने की 21 तारीख को केंद्रीय गृह मंत्री की उपस्थिति में औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। पार्टी उसी दिन मुनुगोड़े से राजगोपाल रेड्डी की उम्मीदवारी की घोषणा कर सकती है।

तेलंगाना की राजनीति में आएगा बदलाव

रेड्डी ने इस्तीफा देने के बाद कहा, 'मुनुगोड़े के उपचुनाव का परिणाम ऐतिहासिक होगा। इस सीट के नतीजे राज्य की राजनीति में बदलाव लाएंगे। उनके इस्तीफे से रिक्त हुई मुनुगोड़े सीट पर उपचुनाव होंगे, क्योंकि तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 के अंत में होंगे।

उपराष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में संस्कृति और पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आज आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में संस्कृति और पर्यटन से संबंधित परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। मंत्री जी किशन रेड्डी के नेतृत्व में पर्यटन मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों ने राज्यों में परियोजनाओं की प्रगति के बारे में उपराष्ट्रपति को एक विस्तृत प्रस्तुति दी। नायडू ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की राज्य सरकारों के साथ निकट समन्वय में काम करके परियोजनाओं को जल्द पूरा करने का सुझाव दिया।

उल्लेखनीय है कि नायडू ने पिछले महीने भी 28 जुलाई को मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की थी और उन्हें इन राज्यों में लंबित कार्यों के बारे में जानकारी दी गई थी। नायडू आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के तहत स्थापित की जा रही परियोजनाओं और संस्थानों के शीघ्र पूरा होने और पूर्ण रूप से संचालन के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों का नियमित रूप से मार्गदर्शन करते रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय की प्रस्तुति के दौरान, अधिकारियों ने नायडू को स्वदेश दर्शन योजना (आंध्र प्रदेश में तटीय सर्किट और बौद्ध सर्किट, तेलंगाना में इको सर्किट, जनजातीय सर्किट और विरासत सर्किट) और प्रसाद योजना के तहत पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी।

आंध्र प्रदेश में अमरावती और श्रीशैलम मंदिर का विकास)। उन्होंने राज्यों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में पर्यटन से संबंधित अन्य परियोजनाओं का विवरण भी समझाया। संस्कृति मंत्रालय की प्रस्तुति के दौरान, अधिकारियों ने नायडू को हजारों स्तंभ मंदिर, हनमकोंडा, वीरभद्रेश्वर स्वामी मंदिर, लेपाक्षी, चारमीनार, हैदराबाद जैसे चल रहे प्रमुख संरक्षण कार्यों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने संग्रहालयों, प्रदर्शन कलाओं, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों, पुस्तकालयों और अन्य संस्थानों के लिए निधि आवंटन और परियोजनाओं का भी विवरण दिया।

वनस्थलीपुरम स्थित जाट समाज ट्रस्ट मंदिर पर आयोजित सम्मान समारोह में राजस्थान से पधारे आरएलपी सुप्रीमों व सांसद हनुमान बेनीवाल, प्रदेश महासचिव आरएलपी उम्मेदाराम बेनीवाल, भोपालगढ विधायक पुखराज गर्ग, आरएलपी पाली जिलाध्यक्ष मादुराम कुड़िया, सरपंच पीपलिया खुर्द किशोर चौधरी, उपप्रधान बिलाड़ा सम्पत अडिंग का राजस्थानी पगड़ी, पुष्प-माला व शॉल से सम्मानकर उपस्थित अध्यक्ष दूदाराम बाबल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

आंप्र राज्यपाल को 'योग फॉर सुपर इम्युनिटी' पुस्तक भेंट की गई

पुस्तक में लेखक बिजोयलक्ष्मी होता ने स्वस्थ रहने के बताए हैं कई उपाय

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन को आज भुवनेश्वर में बिजोयलक्ष्मी होता द्वारा लिखित और रूपा पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक शीर्षक 'योग फॉर सुपर इम्युनिटी' भेंट की गई। पुस्तक में सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करने, दिमाग को तनाव मुक्त करने और शरीर के सभी संबंधित अंगों के कार्यों में सुधार करने की तकनीक शामिल है।

पुस्तक में सही आहार और आवश्यक जीवनशैली में बदलाव की सलाह भी दी गई है और बताया गया है कि एक सही दिनचर्या का पूरी लगन से पालन करने से न केवल संक्रमण से बल्कि बीमारियों से भी विशेष रूप से कोरोना के प्रभाव से व्यक्ति की रक्षा की जा सकती है। गौरतलब है कि बिजोयलक्ष्मी होता चार दशकों से अधिक के अनुभव के साथ एक प्रतिष्ठित योग चिकित्सक हैं।

उन्होंने अस्थमा, गठिया और पीठ दर्द से लेकर ट्यूमर और कैंसर तक की विभिन्न बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज करने का दावा किया है। वह भारत के भीतर और बाहर योग कार्यशालाएं आयोजित करती हैं और उन्होंने इस विषय पर किताबें और लेख लिखे हैं और टेलीविजन कार्यक्रमों का निर्माण किया है। उन्होंने योग और कुंडलिनी तंत्र पर नृत्य पाठ भी लिखे हैं। श्रीमती होता ने योग पर 10 पुस्तकें और उड़िया व्यंजन पर एक पुस्तक लिखी है। उनका सबसे लोकप्रिय पुस्तक 'व्यस्त लोगों के लिए योग' को व्यापक रूप से सराहा गया है। राज्यपाल ने योग पर अपनी अंतर्दृष्टि के माध्यम से सदियों पुरानी भारतीय परंपरा को प्रचारित करने में श्रीमती होता के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि पाठक इस पुस्तक से अत्यधिक लाभान्वित होंगे। राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन को स्वर्गीय पूर्ण चंद्र होता द्वारा लिखित 'नगेट्स ऑफ विजडम' नामक एक और पुस्तक भेंट की गई। बिजोयलक्ष्मी होता की पूर्ण चंद्र होता की पत्नी है। वे एक पूर्व नौकरशाह (आईएएस) और पूर्व अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) थे। इस पुस्तक में मौलिक अधिकारों और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण संवैधानिक मुद्दों पर ऐतिहासिक निर्णयों पर अवलोकन और विस्तृत विश्लेषण शामिल हैं। लेखक द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों के सारांश निश्चित रूप से ऐसे निर्णयों के पीछे के तर्क को सामने लाएंगे और आम पाठकों के साथ-साथ कानून के छात्रों दोनों द्वारा पढ़ने में आसान होंगे। उत्कल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लिमिटेड के अध्यक्ष अशोक कुमार शारदा, मेसर्स ग्रो ग्रीन कंसोर्टियम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक संजुक्ता शारदा भी मौजूद थीं।

केसीआर व जगन ने पीवी सिंधु को बधाई दी

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। सीएम केसीआर ने सिंधु को शुभकामनाएं दीं और बधाई दी। उसी प्रकार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में मिशेल ली (कनाडा) को सीधे सेटों में महिलाओं के फाइनल में और किदांबी श्रीकांत को कांस्य पदक जीतने पर स्वर्ण पदक जीतने पर पीवी सिंधु को बधाई दी है। उनके प्रदर्शन को युवाओं के लिए प्रेरणा बताते हुए मुख्यमंत्री ने पदक तालिका में भारत को गौरवान्वित करने के लिए भारतीय दल को बधाई दी।

दर्द रहित सामान्य प्रसव पर जोर देंगे सरकारी अस्पताल

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा सामान्य प्रसव को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास शुरू करने के साथ, सरकारी और निजी प्रसूति अस्पतालों में बिना सीजेरियन सेक्शन के दर्द रहित सामान्य प्रसव करना बहुत संभव है, वरिष्ठ प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञों ने यहां कहा।

पेटलाबुर्ज प्रसूति अस्पताल में, पिछले तीन वर्षों से, प्रसूति और एनेस्थेटिस्ट हृदय रोग से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को बिना सी-सेक्शन के प्रसव कराने में सक्षम बना रहे हैं। वास्तव में, हृदय रोगों से पीड़ित लगभग 90 गर्भवती महिलाओं ने बिना सी-सेक्शन की आवश्यकता के सामान्य रूप से बच्चों को जन्म दिया है। गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा से पीड़ित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। असहनीय प्रसव पीड़ा को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आसानी से कम किया जा सकता है। सबसे अच्छा और सबसे लोकप्रिय विकल्प एपिड्यूरल है। प्रसव के दौरान, एपिड्यूरल पर महिलाओं को दर्द बिल्कुल भी महसूस नहीं होगा, डॉ कौशल्या चक्रवर्ती, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रसूति और संज्ञाहरण विशेषज्ञ, सरकारी मातृत्व अस्पताल, पेटलाबुर्ज कहते हैं।

राजस्थानी राजपूत संघ की सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर मंडल स्थित श्रीनिधि रिसोर्ट में राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में सावन की सैर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रामसिंह चौहान ने बताया कि प्रात: वेला मे माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन व आरतीकर विभिन्न कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में पधारे बत्तौर मुख्यअतिथि भामाशाह नारायणसिंह राठौड़, भगवानसिंह भाटी बैंगलोर, कुलदीपसिंह (आई.टी.ऑफिसर), रतनसिंह शेखावत, मदनसिंह भाटी, नारायणसिंह सिशोदीया, राजुसिंह राठौड़, महेन्द्रसिंह (वकीलसा), वनेसिंह राठौड़, रघुवीरसिंह गौड़ व समाज के सम्मानितों, पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रितकर समाज द्वारा विशेष सम्मान किया गया। सावन की सैर के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें वॉटर गेम्स, वॉलीबॉल, स्वीमिंग, तम्बोला, राजस्थानी वेष-भूषा मे पधारी क्षत्राणियां के लिए विशेषकर महेन्दी मेला, घूमर नृत्य के कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम के विजेताओं को जूठसिंह देवल, महेन्द्रसिंह, नीलमसिंह महेचा, लक्ष्मणसिंह देवड़ा, शैतानसिंह राणावत द्वारा विशेष गिफ्त व चाँदी के सिक्के वितरित किये गये। भामाशाह नारायणसिंह राठौड़ ने सम्बोधन भाषण मे बताया कि आगामी सावन की सैर समाज के मंदिर व भवन में होनी चाहिए। इसके लिए उन्होने 500 गज जमीन समाज को भेंट की। जिसके लिए समाज बन्धुओं ने तहदिल से आभार प्रकट करते हुए फूलों की वर्षा, ढोल-थाली की धुन पर नाचते-गाते हुए नारायणसिंह किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे समाज के कार्यकर्ता गोपालसिंह चौहान, छैलसिंह उदावत, पेपसिंह भाटी, भगवतसिंह बालावत, मदनसिंह राठौड़, नीलमसिंह राठौड़, गोविन्दसिंह बालावत, देवीसिंह चम्पावत, शैतानसिंह राणावत, गुलाबसिंह देवड़ा, महेन्द्रसिंह महेचा, सुमेरसिंह भाटी व राजपूत समाज के सिरमौर बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन रामसिंह चौहान ने किया। भामाशाह नारायणसिंह राठौड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

हाईस्कूल और इंटर के छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग देगी योगी सरकार

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। इस वर्ष 21 हजार विद्यार्थियों को कौशल मिशन के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मिशन के बीच करार किया गया है। प्रवीण योजना के तहत कौशल विकास मिशन के सर्टिफिकेट कार्स को माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई के समय में ही संचालित किया जाएगा, जिससे यदि कोई छात्र कक्षा 10 या कक्षा 12 के बाद पढ़ाई नहीं करता है तो भी उसके पास रोजगार के लिए एक सर्टिफाइड कौशल उपलब्ध होगा। किन्हीं कारणों से हाईस्कूल और इंटर की पढ़ाई बीच में ही छोड़ने वाले स्टूडेंट्स को इससे बहुत सुविधा मिलेगी।

प्रवीण योजना के तहत सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों में वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से उन कौशलों के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में मदद मिले। इसमें हर कार्यदिवस में स्कूल टाइम के दौरान में निःशुल्क सर्टिफिकेशन कोर्स संचालित किया जायेगा। कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों का कौशल विकास करवाया जाएगा। प्रथम चरण में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 150 स्कूलों को चुना है। हर जिले में 2 स्कूलों का चयन होगा, जिसमें एक राजकीय इंटर कॉलेज और एक राजकीय बालिका इंटर कॉलेज होगा। वर्ष 2022-23 में प्रदेश सरकार का लक्ष्य कक्षा 9 से 12 तक के 21 हजार छात्र-छात्राओं को स्किल्ड बनाने का है।

आजम खान की सेहत में पहले से काफी सुधार, अभी रहेंगे आईसीयू में ही

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रामपुर के विधायक आज़म खान की तबीयत सोमवार को पहले से काफी सुधार है। सीनियर डॉक्टरों ने सुबह आईसीयू वार्ड का निरीक्षण कर सेहत जानी। फेफड़ों में संक्रमण के चलते अभी उन्हें आईसीयू में ही रखा जाएगा। शनिवार को उनके फेफड़ों में संक्रमण मिला था। क्रिटिकल केयर के डॉक्टरों की टीम ने उपचार चल रहा है। अभी उन्हें आईसीयू में रखा गया है।

शनिवार को आयी जांच रिपोर्ट फेफड़ों में संक्रमण निकला था। मेदांता हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेटर डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि आजम की स्तिथि स्थिर एवं नियंत्रण में है। क्रिटिकल केयर टीम के प्रमुख डॉ. दिलीप दुबे और सीनियर कंसलटेंट डॉ. पुष्पेंद्र सांगवान के निर्देशन में आजम खान का इलाज चल रहा है। सोमवार को सपा के कई नेता समेत रिश्तेदार और शुभचिंतक अस्पताल आकर आजम का हालचाल लेने पहुंचे हैं।

मलेरिया-डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव का कवच बनाएंगे स्पेशल डॉक्टर

बरेली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। मलेरिया-डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए मंडल में आठ स्पेशल डॉक्टर रणनीति बनाएंगे। मरीजों की जांच के साथ ही प्रसार रोकने के लिए यह टीम सुरक्षा कवच तैयार करेगी। इस मौसम में प्रदेश के कई जिलों में संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा है। बरेली, बदायूं में मलेरिया का प्रकोप कई वर्षों से रहा है। बीते साल यहां डेंगू ने भी हमला किया था। मरीजों की संख्या बीते 50 वर्षों में सबसे अधिक थी। संक्रामक रोगों की रोकथाम, मरीजों के लिए इलाज के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सभी जिलों से दो-दो डॉक्टरों को लखनऊ में प्रशिक्षण दिया गया है।

कोर्ट में उपस्थित होंगे कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद

गोरखपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद 10 अगस्त को सीजेएम कोर्ट में उपस्थित होंगे। उनका कहना है कि न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। न्याय जरूर मिलेगा।

सीजेएम जगन्नाथ ने कसरवल में हुए बवाल के मामले में मत्स्य पालन मंत्री के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। डॉ. संजय को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश करने की जिम्मेदारी शाहपुर पुलिस को दी गई है। इसे लेकर कैबिनेट मंत्री ने रविवार को प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है कि वह आंध्र प्रदेश के आधिकारिक दौरे पर हैं। मीडिया के माध्यम से पता चला कि गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। निर्धारित तिथि पर कोर्ट में उपस्थित रहकर अधिवक्ताओं के माध्यम से अपना पक्ष रखेंगे। कहा कि 2015

बोले- न्यायपालिका पर पूरा विश्वास, सपा ने फंसाया

में निषादों पर अत्याचार किया गया था। सपा सरकार ने गोली चलवाई थी, फिर मुकदमे में फंसा दिया। समाज के हित की लड़ाई जारी रहेगी। इसके लिए जेल जाने से गुरेज नहीं है। सड़क से सदन तक आवाज उठाते रहेंगे।

निषाद आर्मी ने कसरवल मामले में गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद डॉ. संजय निषाद पर निशाना साधा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र निषाद और महासचिव मनोज निषाद ने कहा कि डॉ. संजय ने हमेशा स्वार्थ की राजनीति की है।

नीतीश कुमार की नाराजगी में अमित शाह भी हैं फैक्टर

सुशासन बाबू को क्या है होम मिनिस्टर से दिक्कत

पटना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में आरसीपी सिंह की जेडीयू से विदाई के बाद से ही कयासों का दौर तेज है। चर्चाएं यहां तक पहुंच गई हैं कि सीएम नीतीश कुमार भाजपा को छोड़कर अब एक बार फिर से आरजेडी के साथ जा सकते हैं। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार को अमित शाह के बिहार की राजनीति में बढ़ते दखल से परेशानी है और वह असहज महसूस कर रहे हैं। खुद भाजपा के मुखिया जेपी नड्डा और होम मिनिस्टर अमित शाह भी कह चुके हैं कि आम चुनाव में बिहार से नीतीश कुमार ही चेहरा होंगे और उसके बाद विधानसभा चुनाव में भी उनकी यह भूमिका कायम रहेगी। लेकिन नीतीश कुमार गठबंधन में असहज हैं और कहा जा रहा है कि भाजपा की रणनीति उन्हें चुभ रही है।

दरअसल बिहार की मौजूदा सरकार में भाजपा के कोटे से जो

मंत्री बने हैं, वे अमित शाह की पसंद के माने जाते हैं और नीतीश कुमार इसे अपने लिए खतरे के तौर पर देखते रहे हैं। आरसीपी सिंह ने भी जेडीयू छोड़ते हुए आरोप लगाया था कि नीतीश कुमार को जलन है। उन्होंने कहा था, 'मैं तो यही कह सकता हूं कि जलन का कोई इलाज नहीं है। नीतीश कुमार अपने 7 जन्मों में भी पीएम नहीं बन सकते।' नीतीश कुमार ने पिछले महीने ही आरसीपी सिंह को राज्यसभा भेजने से मना कर दिया था। नीतीश कुमार इस बात से नाराज थे कि उनकी सलाह के बिना ही आरसीपी सिंह को मोदी कैबिनेट में जगह दी गई थी। यही नहीं नीतीश कुमार अपनी ही पार्टी के नेता रहे विधानसभा स्पीकर विजय कुमार सिन्हा से नाराज हैं। वह चाहते हैं कि उन्हें विधानसभा के स्पीकर के पद से हटा दिया जाए। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान ही नीतीश कुमार ने आपा खो दिया था और जमकर हमला बोला था। पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी वाले 4 कार्यक्रमों से नीतीश कुमार लगातार दूर रहे हैं। इसके अलावा अमित शाह की ओर से बुलाई बैठकों में भी उन्होंने हिस्सा नहीं लिया है। इसे भी नीतीश कुमार की ओर से नाराजगी के संकेतों के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि वह लगातार आरजेडी के टच में कुछ वक्त से बने हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार इस बात से नाराज हैं कि बिहार भाजपा के नेता अकसर उन पर अटैक कर रहे हैं। वहीं भाजपा की केंद्रीय लीडरशिप इसमें कोई दखल नहीं दे रही है। यही नहीं सुशील मोदी जैसे नेताओं को भाजपा ने बिहार की राजनीति से अगल कर दिया है, जिनसे उनके अच्छे संबंध रहे हैं।

जेडीयू में हलचल तेज

सीएम नीतीश के आवास पहुंचे लल्लन सिंह, आरसीपी को जवाब के साथ बीजेपी पर भी किया वार

पटना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह के इस्तीफे और उसके बाद सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ खुलकर बगावती तेवर अपना लेने के चलते पटना की राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं। इस बीच जेडीयू की अंदरूनी राजनीति में तूफान आया हुआ है। हर कोई कह रहा है कि कुछ बड़ा होने वाला है। आरसीपी के बाद जेडीयू की कमान सम्भाल रहे लल्लन सिंह पटना स्थिति सीएम नीतीश कुमार के आवास पहुंचे हैं। बात करते हुए आरसीपी सिंह को जवाब देने के बहाने बीजेपी पर भी वार कर दिया है। लल्लन सिंह ने कहा कि बीजेपी कौन होती है यह तय करने वाली कि केंद्र में जेडीयू के कोर्ट से मंत्री कौन होगा? जेडीयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने दावा किया कि अभी तक सब ठीक है।

खेलों को बढ़ावा देने के लिए अब यूपी में होगी विधायक खेलकूद प्रतियोगिता

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलकूद प्रतियोगिता कराने जा रही है। राज्य में सांसद खेल कूद प्रतियोगिता की तर्ज पर 'विधायक खेल-कूद प्रतियोगिता' होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में मंत्रिपरिषद की बैठक की। राज्य के सभी जिलों में तीन दिनों तक खेल 'महाकुम्भ' चलेगा। इस दौरान संबंधित विधानसभा क्षेत्र के विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मौजूद रहेंगे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार जानकारी दी गई जिसके मुताबिक विधानसभा स्तर पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी।

'मामा कंस की तरह मां देवकी के हर पुत्र को मार देना चाहते हैं नीतीश' चिराग पासवान का बड़ा हमला

पटना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की सियासत इन दिनों एक बार फिर से गरमा गई है। अगले 48 घंटों में भाजपा और जेडीयू गठबंधन टूटने के भी आसार जताए जा रहे हैं। दरअसल, इन सब उलटफेर के पीछे जदयू के पूर्व नेता आरसीपी सिंह का हाथ बताया जा रहा है। जेडीयू ने आरोप लगाया है कि आरसीपी सिंह नीतीश कुमार के खिलाफ षडयंत्र रच रहे थे। जेडीयू के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने आरसीपी सिंह को भाजपा का चिराग मॉडल तक बता दिया है। वहीं अब ललन सिंह के इस बयान के बाद लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान बुरी तरह भड़क गए। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए सीएम नीतीश और ललन सिंह पर जमकर हमला बोला।

दूसरे का घर तोड़ने वाले के घर में ही आज फूट हो गई: चिराग पासवान

चिराग पासवान ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सकारात्मक राजनीति करता हूं। किसी का कोई मॉडल नहीं हूं। दूसरे का घर तोड़ने

वाले के घर में ही आज फूट हो गई है। बेहतर होगा कि वे कारणों को बाहर चौराहे पर ना तलाशे। आज नीतीश कुमार यही कहना चाह रहे हैं कि मेरे नाक के नीचे आरसीपी सिंह भ्रष्टाचार करते रहे और फिर भी आप सुशासन बाबू कहलाते हैं। बिहार की जनता के साथ ये सरासार धोखा है और इसका जवाब बिहार की जनता ही देगी।

मामा कंस की तरह मां देवकी के हर पुत्र को मार देना चाहते हैं नीतीश: चिराग

चिराग ने आगे कहा कि नीतीश जी साल 2020 में भी कंफ्यूजन में थे और आज भी कंफ्यूज्ड हैं। उन्हें चिराग पासवान ने नहीं-बिहार की 13 करोड़ जनता ने हराया था। मैं तो जनभावनाओं का प्रतिनिधि तब भी था और आज भी हूं। 2024 में हार का डर ऐसा घुस गया है कि मामा कंस की तरह मां देवकी के हर पुत्र को मार देना चाहते हैं। पहले मुझ पर हमला और अब आरसीपी सिंह पर। नहीं जानते कि सियासी वध के लिए कृष्ण ने अवतार ले लिया है। इसबार पाला बदलना भी काम नहीं आएगा। ये तीन योद्धा जो बैठे थे। इनका ट्रैक रिकॉर्ड देखने के लिए ज्यादा पीछे जाने की जरूरत नहीं है। आसानी से पता चल जाएगा कि सीएम नीतीश को दरअसल डरना किससे चाहिए।

नोएडा के बाद बरेली में बीजेपी नेता की दबंगई

अतिक्रमण को लेकर विवाद में महिला और उसकी बेटी को पीटा

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। नोएडा की एक सोसायटी में महिला के साथ बीजेपी नेता अभद्रता अभी थमा भी नहीं था कि एक और कथित बीजेपी नेता ने एक महिला और उसकी बेटी की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आ गया। ये मामला बरेली जिले के सदर कोतवाली के थाना ख्वाजा कुतुब क्षेत्र का है, जहां पर सत्ता के नशे में चूर जितेंद्र रस्तोगी पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी पड़ोस में रहने वाली एक महिला और उसकी बेटी की बेरहमी से पिटाई की है। बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले में गड्ढा खोदने और अतिक्रमण को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहा-सुनी बढ़ गई और बात इतनी ज्यादा आगे बढ़ गई कि नौबत मार पीट तक आ गई। बात बढ़ने पर जितेंद्र रस्तोगी ने महिला और उसकी बेटी की अपने साथियों के साथ पिटाई की। ये आरोप महिला ने लगाए हैं। वहीं इस पूरी घटना का वीडियो वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वहीं जब इस मामले में पीड़िता अनुराधा रस्तोगी से मीडिया ने पूछा तो उन्होंने बताया, 'मामला नाली साफ करने को लेकर था, जब मैं अपनी नाली साफ करने जा रही थी तो उन्होंने मुझे इसके लिए रोका और अपनी दबंगई दिखाने के लिए आस-पास के पड़ोसियों को भी इकट्ठा कर लिया। जब मैंने इस बात का विरोध किया तो उन्होंने मुझे यहीं पर गिरा कर इस हद तक मारा कि मैं मरणासन्न स्थिति में आ गई थी।' महिला ने आगे बताया कि जितेंद्र रस्तोगी के बेटे ने मेरी बेटी को बालों से पकड़कर यहीं जमीन पर पटक दिया था और उसकी ऐसी पिटाई कर रहा था कि मानो रेप कर रहा हो ये वीडियो में देखा जा सकता है। अनुराधा रस्तोगी की तहरीर पर शहर कोतवाली में एफआईआर के आधार पर यूपी पुलिस ने शनिवार को बरेली के कोतवाली थाना क्षेत्र में अज्ञात व्यक्तियों पर धारा 147 (दंगा करने की सजा), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा), और 504 (जानबूझकर अपमान करने के लिए) के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाया: जितेंद्र रस्तोगी

वहीं जब इस पूरे मामले में कथित बीजेपी नेता जितेंद्र रस्तोगी से बात की गई तो उन्होंने कहा, 'मैंने अनुराधा रस्तोगी के साथ मारपीट नहीं की है। उसने मेरे खिलाफ गलत और झूठा मुकदमा दर्ज करवाया है।

मुझे गलत आरापों में फंसाने की कोशिश की जा रही है। मैं प्रशासन से कहना चाहूंगा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए।'

पूर्व सांसद उमाकांत यादव को उम्रैकद

जीआरपी सिपाही की हत्या में 27 साल बाद फैसला

जौनपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सांसद उमाकांत यादव को सोमवार को जौनपुर की अदालत से बड़ा झटका लगा है। उमाकांत को जीआरपी सिपाही की हत्या में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। खचाखच भीड़ के बीच अपर सत्र न्यायाधीश (तृतीय)/ विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) शरद कुमार त्रिपाठी ने उमाकांत के साथ ही सात दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मुख्य आरोपी उमाकांत को 5 लाख और अन्य को 20-20 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। मामला 27 साल पुराना है। 1995 में चालक को शाहगंज जंक्शन पर रेलवे चौकी से छुड़ाने के लिए उमांकात और उनके साथियों ने फायरिंग की थी। इसमें जीआरपी सिपाही अजय सिंह की मौत हो गई थी। सिपाही लल्लन समेत तीन लोग घायल हुए थे।

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान कानपुर कोर्ट में पेश

एक साल की सजा जमानत भी मिली

कानपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। शस्त्र अधिनियम के 31 साल पुराने मामले में सोमवार को एमएसएमई मंत्री राकेश सचान कोर्ट में भारी भरकम वकीलों की फौज के साथ हाजिर हुए। लॉयर्स एसोसिएशन के महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक एसीएमएम तृतीय कोर्ट ने मंत्री राकेश सचान को एक साल की सजा सुनाई। साथ ही 1500 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राकेश सचान के वकीलों ने जमानत अर्जी दाखिल की। 20-20 हजार रुपये के बेल बांड मांगे गए हैं। बेल बांड जमा करने से माना जा रहा है कि कुछ देर में उन्हें जमानत दे दी जाएगी।

इससे पूर्व मंत्री राकेश सचान

सोमवार को कोर्ट परिसर पहुंचे और हाजिरी से पहले उन्होंने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के चैंबर में जमाया डेरा। इस दौरान मीडिया से रूबरू मंत्री ने कहा, न मैं वांछित हूं, न कोर्ट ने तलब किया है। मुकदमे में तारीख लेने आया हूं। वहीं उनके वकील ने कहा-अफवाहें फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई करेंगे। वकीलों का एक दल एसीएमएम तृतीय की कोर्ट में पहुंचा, अंदर जज से बात कर रहे हैं वकील। कोर्ट परिसर में भारी भीड़, पुलिस तैनात, हूटर बजाते हुए पहुंचा था मंत्री का काफिला।

एसीएमएम तृतीय कोर्ट से फैसला उठा ले जाने के आरोपों में घिरे मंत्री राकेश सचान के एडवोकेट कपिलदीप सचान ने बताया कि शनिवार को सुनवायी के दौरान स्वास्थ्य खराब होने के कारण राकेश हाजिरी माफी का प्रार्थनापत्र देकर चले गए थे।

मिल्क वैन से 18 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद, ड्राइवर और धंधेबाज गिरफ्तार

पटना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पटना-गया एसएच-01 मार्ग स्थित धनरुआ थाने के मुसनापर गांव के पास से पुलिस ने गुप्त सूचना पर रविवार की शाम छापेमारी कर मिल्क वैन पर लदी 18 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस ने इस मामले में मिल्क वैन के दो चालक व एक धंधेबाज को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चालक शशिभूषण महतो उर्फ छोटू, लालटुन कुमार व धंधेबाज दीपक कुमार समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाना के लालपुरा गांव का रहने वाला है। बताया जाता है कि शराब की यह बड़ी खेप झारखंड के रामगढ़ से बेगूसराय ले जाया जा रही थी। बताया जाता है कि मिल्क वैन से इससे पहले तीन खेप में अंग्रेजी शराब बेगूसराय पहुंचाई जा चुकी है।

भाजपा नेता पूर्व विधायक गोरख पासवान को तीन महीने की सजा

वाराणसी, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेता और पूर्व विधायक गोरख पासवान को सोमवार को झटका लगा है। वाराणसी की एसीजेएम/एमपी एमएलए कोर्ट ने दस साल पुराने मामले में गोरख पासवान को तीन महीने की सजा सुनाई है। गोरख पासवान पर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को रोकने के मामले में केस दर्ज कराया गया था। अदालत ने गोरख पासवान को तीन माह की सजा के साथ ही साढ़े चार हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। गोरख पासवान बलिया की बेल्थरा रोड सीट से सपा के विधायक थे। इसी साल विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था। अदालत में अभियोजन की ओर से लोक अभियोजन अधिकारी केके मिश्रा ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार आरपीएफ मऊ के एसआई डीके शर्मा ने अप्रैल 2012 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि चार अप्रैल 2012 को वाराणसी-गोरखपुर रेल प्रखण्ड पर बनकरा गांव के पास रेल फाटक बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सपा विधायक गोरख पासवान के नेतृत्व में इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को बिल्थरा रोड और किड़िहरापुर रेलवे स्टेशनों के बीच करीब 18 मिनट तक रोके रखा था।

गुप्ताधाम में कांवड़ियां फंसे

सुगवा नदी में अचानक पानी बढ़ा, रस्सी और पिलर पकड़ लोगों ने बचाई जान

सासाराम, 8 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतास के गुप्ताधाम के सुगवा नदी में अचानक पानी बढ़ने पर सैकड़ों कांवड़ियों के फंसने का वीडियो सामने आया है। वीडियो पिछले सप्ताह का बताया जा रहा है। नदी के पनीयारी घाट से आगे गुप्ताधाम से कुछ किलोमीटर पहले कांवड़िया फंसे नजर आ रहे हैं। नदी की धारा उफान पर है और किनारे सैकड़ों कांवड़िया नजर आ रहे हैं। कुछ नदी के दूसरे किनारे पर फंसे नजर आ रहे हैं। वे एक रस्सी को पकड़ नदी की धार से जूझ रहे हैं। जबकि दो कांवड़िया नदी के बीच में स्थित एक पेड़ पर बैठे नजर आ रहे हैं। सुगवा नदी पर बने चचरी पुल पर भी लोग बैठे हैं। चचरी पुल कहीं तेज धार से टूट ना जाए, इससे बचने के लिए कई लोग लकड़ी के बने पिलरों को थामे नजर आ रहे हैं।

श्रृंगार गौरी के लिए निकले विश्व हिंदू सेना के अध्यक्ष हिरासत में

वाराणसी, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सावन के चौथे और अंतिम सोमवार पर एक बार फिर ज्ञानवापी मस्जिद-श्रृंगार गौरी विवाद सामने आ गया। सोमवार को अस्सी घाट से विश्व हिंदू सेना के अध्यक्ष अरुण पाठक कार्यकर्ताओं के साथ निकले थे। वाराणसी पुलिस ने उन्हें 4 कार्यकर्ताओं के साथ हिरासत में ले लिया। इस कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रपौत्री राजश्री चौधरी को भी आमंत्रित किया गया था जिन्हें दिल्ली से वाराणसी आते समय बीच रास्ते प्रयागराज में उतार लिया गया। उन्हें प्रयागराज पुलिस गेस्ट हाउस में रखा गया है। बता दें कि अरुण पाठक की ओर से पहले से ही घोषणा की गई थी। इसके तहत पहले से ही फोर्स तैनात थी। अरुण पाठक के अस्सी पहुंचकर गंगा में आचमन के दौरान ही पुलिस ने हिरासत में

नेताजी की प्रपौत्री को प्रयागराज में रोका गया

ले लिया। विश्व हिंदू सेना के अध्यक्ष अरुण पाठक ने घोषणा की थी कि वे सावन के आखिरी सोमवार को श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए अस्सी से कार्यकर्ताओं के साथ निकलेंगे।

अरुण पाठक विश्वास करने योग्य नहीं : महामंडलेश्वर हेमांगी सखी

किन्नरों की महामंडलेश्वर हेमांगी सखी ने विश्व हिंदू सेना पर जमकर निशाना साधा है। उनके अनुसार अरुण पाठक की ओर से सावन के पहले सोमवार को अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया। अध्यक्षता करने और सहयोग करने की बात कही गई। हालांकि यह नहीं बताया गया कि उसने इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी है। वाराणसी आने के बाद उनको यह जानकारी मिली। बताया कि अरुण पाठक ने उनके किसी परिचित से संपर्क कर आमंत्रित किया था। महामंडलेश्वर हेमांगी सखी ने वाराणसी के एक होटल से अपना बयान जारी किया है। कहा है कि अरुण पाठक विश्वास करने योग्य नहीं है।

रिटायर्ड हेड कांस्टेबल की पत्नी और नातिन का मर्डर

मकान के अंदर मिले शव, शरीर पर गहरे घाव, सामान बिखरा हुआ था

मेरठ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ के शास्त्री नगर में रविवार देर रात डबल मर्डर हुआ। कुटी चौराहा के पेट्रोल पंप के पास रिटायर्ड हेड कांस्टेबल की 65 वर्षीय बीवी कौशल सिरोही और उनकी 12 साल की नातिन तमन्ना की लाश घर से बरामद की गई। उनके गले पर धारदार हथियार के गहरे घाव थे। कमरों में सामान बिखरा हुआ था। ये हत्या लूट के इरादे से की गई या प्रॉपर्टी विवाद था। दोनों ही लाइनों पर पुलिस जांच कर रही है। एरिया के सीसीटीवी की फुटेज देखे जा रहे हैं। पड़ोसियों से पूछताछ में सामने आया कि रविवार रात 12 बजे कौशल सिरोही घर के गेट पर देखी गईं। हत्यारे घर में कैसे दाखिल हुए, इसके सबूत फॉरेंसिक टीम ने जुटाए हैं। बुलंदशहर के बीबीनगर इलाके में रहने वाले रतन सिंह सिरोही पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल पद से रिटायर हुए थे। वो अपनी 65 वर्षीय बीवी कौशल सिरोही के साथ रहते थे। एक

महीने पहले रतन सिंह सिरोही की मौत हो गई। इस मकान में कौशल सिरोही अपनी 12 साल की नातिन तमन्ना के साथ रह रही थीं। जबकि बेटी और दामाद मेरठ में दूसरे मकान में रहते हैं। वृद्धा और बच्ची के शव कमरे में मिले। यहां सामान भी बिखरा हुआ था। क्या कातिलों ने लूट की? इस सवाल का जवाब पुलिस के पास नहीं है। पुलिस ये भी मान रही है कि किसी विवाद में कौशल की हत्या हुई हो। चश्मदीद गवाह यानी उनकी नातिन तमन्ना को भी हत्यारों ने मार दिया हो। फिर लूट दिखाने के लिए सेफ और अलमारी का सामान बिखेर दिया हो।

पुलिस को मौके से एक गुल्लक भी टूटी हुई मिली। उसके अंदर रखे रुपए भी गायब माने जा रहे हैं। परिवार अभी पुलिस को ये नहीं बता सका है कि घर से क्या-क्या गायब है। पड़ोस के लोगों ने पुलिस को बताया कि कौशल रात में देर से सोती थीं।

रविवार रात भी वो घर के गेट पर देखी गईं थी। कमरे का दरवाजा अमूमन अंदर से बंद रहता था। मगर आज कमरे का दरवाजा खुला हुआ मिला है। ऐसे में पुलिस ये जांच कर रही है कि हत्यारे मुख्य गेट से पहुंचे या छत के रास्ते से मकान के अंदर पहुंचे। आईजी रेंज प्रवीण कुमार और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण भी मौके पर पहुंचे। घटना के खुलासे के लिए अलग अलग टीमें लगाई गईं हैं।

टॉयलेट में बैठा था 6 फीट लंबा कोबरा

बगहा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। वाल्मीकिनगर पंचायत के नेवारपानी गांव निवासी बच्चन राम के घर के शौचलय में कोबरा सांप ने घंटो अड्डा जमाय रखा। जिसे वनकर्मियों की टीम ने काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू किया। बच्चन राम ने बताया कि जब सुबह शौच के लिए गए तो टॉयलेट का दरवाजा खोलते ही जोर की फुंफकार करते हुए विशाल कोबरा लहराते हुए बाईट के लिए हमला कर दिया। लेकिन तेज आवाज को जैसे ही सुना बच्चन राम अपने आप को बचाते हुए वहां से पीछे हट गया। फिर शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इस बात की जानकारी वन विभाग और डब्ल्यूटीआई को दी गई। सूचना देने के करीब 15 मिनट के बाद रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच गई।

नोएडा के भाजपा नेता का निर्माण अवैध है, क्या इतने सालों से पता नहीं था? : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। नोएडा ग्रैंड ओमैक्स सोसायटी में मचे बवाल के बीच श्रीकांत त्यागी के अवैध निर्माण पर योगी सरकार का बुलडोजर अब चल गया है। इस मसले पर प्रियंका गांधी ने कहा, क्या इतने सालों से भाजपा सरकार को नहीं पता था कि नोएडा के भाजपा नेता का निर्माण अवैध है? अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलने से पहले रविवार रात खूब हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। श्रीकांत पर आरोप लगा कि रविवार रात कुछ गुंडों द्वारा सोसाइटी के लोगों को धमकाया गया, जिसके बाद खूब ड्रामा हुआ और मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा तक को पहुंचना पड़ा।

प्रियंका गांधी ने आगे कहा, क्या इतने सालों से भाजपा सरकार को नहीं पता था कि नोएडा के भाजपा नेता का निर्माण अवैध है? बुलडोजर कार्रवाई दिखावटी है। इन सवालों के जवाब से सरकार बच रही है, एक महिला के साथ खुलेआम अभद्रता व 10-15 गुंडे भेजकर महिलाओं को धमकाने की हिम्मत उसे कौन दे रहा है? कौन है जो उसको बचाता रहा? किसके संरक्षण में उसका गुंडाराज और अवैध कारोबार फला-फूला?

महिला के साथ गाली-गलौज और अभद्रता करने वाले श्रीकांत त्यागी के अवैध निर्माण पर भले ही बुलडोजर चल गया हो, लेकिन वह अभी भी फरार है। वहीं पुलिस ने शनिवार को फरार नेता की पत्नी और उनके ड्राइवर, मैनेजर को हिरासत में लेकर करीब 6 घंटे तक पूछताछ की, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली है।

बीजेपी बोली-श्रीकांत त्यागी से हमारा कोई संबंध नहीं, प्रियंका गांधी ने शेयर की नड्डा के साथ फ़ोटो

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। श्रीकांत त्यागी का वीडियो सामने आया, जिसमें वह महिला को अभद्र गालियां दे रहा था। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और लोगों ने इसे भाजपा का नेता बताते हुए कार्रवाई की बात की।

मामला तूल पकड़ते ही भाजपा ने साफ कह दिया है कि यह हमारी पार्टी का नेता ही नहीं है, पुलिस कार्रवाई करें लेकिन इसके बाद त्यागी के कई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे जिसमें वह भाजपा के कई बड़े नेताओं के साथ नजर आ रहा है। इस पर अब प्रियंका गांधी ने प्रतिक्रिया है! प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि 'क्या इतने सालों से भाजपा सरकार को नहीं पता था कि नोएडा के भाजपा नेता का निर्माण अवैध है? बुलडोजर कार्रवाई दिखावटी है। इन सवालों के जवाब से सरकार बच रही है। एक महिला के साथ खुलेआम अभद्रता व 10-15 गुंडे भेजकर महिलाओं को धमकाने की हिम्मत उसे कौन दे रहा है? कौन है जो उसको बचाता रहा? किसके संरक्षण में उसका गुंडाराज और अवैध कारोबार फला-फूला?' यूपी कांग्रेस ने लिखा कि 'श्रीकांत त्यागी पकड़ा क्यों नहीं गया?

इसका जवाब भाजपा सरकार क्यों नहीं दे रही?' कांग्रेस सत्याग्रह नाम के हैंडल से लिखा गया कि 'सनद रहे कि बुलडोजर केवल अवैध निर्माण पर ही चल पाए, उसके खिलाफ दर्ज दर्जनों केस पर नहीं!'

केजरीवाल ने बिजली संशोधन बिल को बताया खतरनाक

कहा-कुछ कंपनियों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बिजली अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इससे केवल बिजली वितरण कंपनियों को ही फायदा होगा। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि इसे जल्दबादी में ना लाया जाए।

आज लोक सभा में बिजली संशोधन बिल लाया जा रहा है। ये क़ानून बेहद ख़तरनाक है। इस से देश में बिजली की समस्या सुधरने की बजाय और गंभीर होगी। लोगों की तकलीफ़ें बढ़ेंगी।

केवल चंद कंपनियों को फ़ायदा होगा। मेरी केंद्र से अपील है कि इसे जल्दबाज़ी में ना लाया जाए। अरविंद केजरीवाल ने ट्विट करते हुए कहा कि आज लोक सभा में बिजली संशोधन बिल लाया जा रहा है। ये कानून बेहद खतरनाक है। इस से देश में बिजली की समस्या सुधरने की बजाय और गंभीर होगी। लोगों की तकलीफें बढ़ेंगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	कर्क...	04-22 बजे
चंद्र-	धनु	में	सिंह...	06-34 बजे
मंगल	मेष	में	कन्या	08-42 बजे
बुध-	सिंह	में	तुला -	10-46 बजे
गुरु-	मीन	में	वृश्चिक	12-56 बजे
शुक्र-	कर्क	में	धनु---	15-10 बजे
शनि-	मकर	में	मकर-	17-16 बजे
राहु-	मेष	में	कुंभ -	19-07 बजे
केतु-	तुला	में	मीन...	20-46 बजे
			मेष--	22-21 बजे
			वृष--	00-06 बजे
			मिथुन..	02-06 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी • **17-46** • तक उपरान्त, त्रयोदशी
मास • श्रावण शुक्ल पक्ष , मंगलवार, **09 August**
नक्षत्र •मूल • **12 -17** • तक उपरान्त, पूर्वाषाढा
योग • विष्कुंभ **-23- 35** • तक उप- प्रीति
करण- बव • **07 -26** • तक,उप- बालव
विशेष:- भौम प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार • विष्णु पवित्रार्पण

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:33 से 17:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:01 - 07:34	अशुभ	काल..	18:44 - 20:09	अशुभ
उत्पात	07:34 - 09:10	अशुभ	लाभ.	20:09 - 21:33	शुभ
चंचल	09:10 - 10:46	शुभ	उत्पात	21:33 - 22:57	अशुभ
लाभ	10:46 - 12:22	शुभ	शुभ	22:57 - 24:22	शुभ
अमृत	12:22 - 13:57	शुभ	अमृत	00:22 - 25:46	शुभ
काल.	13:57 - 15:33	अशुभ	चंचल	01:46 - 27:10	शुभ
शुभ.	15:33 - 17:09	शुभ	रोग	03:10 - 28:35	अशुभ
रोग	17:09 - 18:41	अशुभ	काल	04:35 - 06:01	अशुभ

टॉयलेट बनवाने पर 65 साल के दिव्यांग के हाथ-पैर तोड़े

छतरपुर में चचेरे भाइयों ने डंडे से पीटा, टॉयलेट को भी तहस-नहस कर दिया

छतरपुर, 8 अगस्त (एजेंसिया)। फिल्म 'टॉयलेट- एक प्रेम कथा' में अक्षय कुमार टॉयलेट बनवाने के लिए सभी से दुश्मनी मोल ले लेते हैं। छतरपुर में भी रविवार को कुछ ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां टॉयलेट बनवा रहा 65 साल का एक दिव्यांग अपने ही परिवार का दुश्मन बन गया। टॉयलेट न बनवाने की बात नहीं मानने पर परिवार ने उसके हाथ-पैर तोड़ दिए । उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मामला मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के खोंप गांव के बड़े पुरवा का है। तिजवा कुशवाहा को टॉयलेट बनवाने की सजा मिली है। परिवारवालों ने पहले तो उसे खूब पीटा, फिर उसके बनवाए टॉयलेट को भी तोड़ दिया। पीड़ित का कहना है कि अब तक वह और उसका पूरा परिवार शौच के लिए खुले में जाता रहा है। दिव्यांग होने के कारण उसे टॉयलेट की जरूरत महसूस हो रही थी। बहू-बेटियों को भी परेशानी होती है। खासकर बारिश के सीजन में ज्यादा परेशानी आती है। खुले में जाने के कारण जंगली जानवरों का भी खतरा बना रहता है। गांव के एक-दो लोग हादसों का शिकार भी हो गए हैं। इसीलिए उसने टॉयलेट बनवाया था।

टॉयलेट बनाने पर लाठी-डंडों से मारा

तिजवा ने बताया, मकान बनवाने के समय ही उसने सेप्टिक टैंक बनवा लिया था। बाद में कुछ और रुपए जुड़ने पर उसने 25-30 हजार रुपए खर्च कर सामान मंगवाया और आगे का काम शुरू करवाया। घर में टॉयलेट बन रहा है, यह बात मेरे चचेरे भाइयों को रास नहीं आई। उन्होंने ये कहते हुए विरोध किया कि हमारी दीवार से सटाकर टॉयलेट खड़ा मत करो। मैंने काम बंद नहीं करवाया तो रविवार शाम मगन और दयाराम कुछ अन्य लोगों के साथ आए और लाठी-डंडे से हमला कर दिया।

घायल की पत्नी पूनाबाई ने बताया, इनके चचेरे भाई कह रहे थे कि यहां टॉयलेट मत बनाओ। मैंने कहा कि ये दिव्यांग हैं। बहू-बेटियां भी खुले में जाती हैं। हमें टॉयलेट बना लेने दो। रविवार को ये सरिया काट रहे थे, तभी वो लोग डंडा लेकर आए और पीछे से हमला कर दिया। उन्होंने इतना मारा कि इनका हाथ 3 जगह से टूट गया। पैरों में भी चोट आई है।

आबकारी नीति अनियमितता में नाम आने से नाराज हुए एलजी

केजरीवाल से बात कर जताई नाखुशी

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 में कथित अनियमितता मामले में अपना नाम आने पर दिल्ली के उपराज्यपाल ने सीएम अरविंद केजरीवाल से बात कर अपनी नाखुशी जताई है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उपराज्यपाल के कार्यालय से सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल से बात करते हुए सक्सेना ने आम आदमी पार्टी के दो ट्वीट्स का उल्लेख किया गया है जिनमें 'शरारती, भ्रामक और अपमानजनक' बात कही गई है। ये ट्वीट बाद में डिलीट कर दिए गए थे। इस मुद्दे पर फिलहाल आम आदमी पार्टी की प्रतिक्रिया नहीं आई है। "ट्वीट्स में 'पूर्व एलजी' की जगह 'एलजी' शब्द का प्रयोग करते हुए वर्तमान उपराज्यपाल वीके सक्सेना की तस्वीर जानबूझ कर लगाई गई है, जिससे तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर और लोगों को भ्रमित किया जा सके।" उन्होंने कहा, "उपराज्यपाल ने इस घटिया प्रोपेगेंडा पर आपत्ति जताते हुए ट्वीट्स को डिलीट करने और माफी की मांग की।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे। यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे। इसके बारे में अच्छे से सोच लें।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अब समय आ गया है कि आपको अपनी शारीरिक समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए अपने आपको मानसिक तौर पर मजबूत बनाना होगा। आपको यह भी समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य का शारीरिक स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव पड़ता है और आपमें बेशक किसी भी शारीरिक समस्या से पार पाने की मानसिक शक्ति मोजूद है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं।आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें।अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है।अपना दिमाग खुला रखें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है। आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है। ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा।आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है।आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है।अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी। हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।आजका दिन आपके लिए काफी उलझन भरा रहेगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है।आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे।आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे।अपनों को भी इनमे शामिल करें।आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी।आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे।इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं।ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें।उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी। आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं। कशमकश में न रहें, बदलाव होना अच्छा ही रहेगा। आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं। लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें। आपके पास अच्छी संचार कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें। तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

एलएसी पर निगरानी के लिए बन रहे लंबे समय तक उड़ने वाले ड्रोन

एचएएल कर रहा तैयार

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दुश्मन की गतिविधियों की कड़ी निगरानी के लिए सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) विशेष ड्रोन पर काम कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से युक्त यह आधुनिक मल्टी-रोल ड्रोन लंबे समय तक और चीन से लगती सीमा सहित ऊंचे इलाकों पर उड़ने में सक्षम होंगे।

इनके विकास से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रोटरी विंग वाले इन ड्रोन में 40 किलो वजन साथ ले जाने की क्षमता होगी। इनमें मिसाइल व सेंसर लगाए जा सकेंगे। इन्हें सेना की जरूरतों को समझते हुए विकसित किया जा रहा है। एलएसी के पहाड़ी व ऊंचे क्षेत्रों का खास ध्यान में रखा जा रहा है। इन्हें मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की श्रेणी में रखा जाता है।

इस्राइली ड्रोन हेरन के उत्पादन पर भी नजर

इस्राइली ड्रोन हेरन टीपी के उत्पादन की संभावना एचएएल तलाश रहा है। इनके उत्पादक से समन्वय किया जा रहा है ताकि भारतीय सेना की जरूरतों के अनुसार इन्हें तैयार कर सकें और वैश्विक सप्लाई भी कर पाएं। यह ड्रोन 35 हजार फीट की मध्यम ऊंचाई पर 45 घंटे तक उड़ने में सक्षम है। इन्हें ऑटोमेटिक टैक्सी-टेक ऑफ और लैंडिंग (एटीओएल) और उपग्रह संचार प्रणाली से युक्त रखा जाता है।

जम्मू-कश्मीर में 93 हजार बच्चों ने छोड़ा स्कूल, तलाश सर्वे में खुलासा

जम्मू, 8 अगस्त (एजेंसिया)। जम्मू-कश्मीर सरकार और शिक्षा विभाग साक्षरता के लिए कई अभियान चला रहा है, लेकिन जागरूकता की कमी के चलते प्रदेश के हजारों बच्चे पढ़ाई से अभी भी वंचित हैं। समग्र शिक्षा के प्रदेश भर में करवाए गए 'तलाश' सर्वे में स्कूल न जाने वाले बच्चों के चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं।

सर्वे में खुलासा हुआ है कि प्रदेश भर में 93 हजार 480 बच्चे आज भी स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इनमें 40 हजार के करीब बच्चों ने तो दाखिला तक नहीं लिया है, जबकि 45 हजार के करीब बच्चों ने कक्षा पांचवीं और छठी के बाद स्कूल छोड़ दिया। समग्र शिक्षा ने 20 जिलों के 188 जोन में तलाश सर्वे शुरू किया। सर्वे में कुल 20 लाख 55 हजार 843 बच्चों को शामिल किया। इसमें 93 हजार 480 ऐसे बच्चे मिले जिन्होंने किसी न किसी कारणों के चलते स्कूल छोड़ दिया। प्रदेश में रामबन जिले में सबसे ज्यादा 10492 बच्चे हैं, जबकि सांबा और पुलवामा में सबसे कम क्रमशः 712 और 715 बच्चे हैं। रामबन के बाद राजोरी और उधमपुर में क्रमशः 7443 और 7619 बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का स्कूल छोड़ना चिंता का विषय है।

सांसद रंजीता कोली पर हमले को लेकर भाजपा गहलोत सरकार पर बरसी, राज्यमंत्री के बेटे पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। राजस्थान के भरतपुर से लोकसभा सांसद रंजीता कोली पर खनन माफिया द्वारा किए गए हमले को लेकर भाजपा ने अशोक गहलोत सरकार और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगाया कि पूरे देश के चुनाव के लिए कांग्रेस राजस्थान से पैसा इकट्ठा करने में लगी हुई है।

भाजपा अपने सांसद पर हुए इस हमले के मुद्दे को सोमवार को सदन में भी उठाने जा रही है। केंद्रीय मंत्री एवं राजस्थान से लोक सभा सांसद अर्जुन राम मेघवाल ने भाजपा सांसद पर हमले की निंदा करते हुए यह आरोप लगाया कि राजस्थान में खनन माफिया सक्रिय है और उनका दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वो संसद सत्र के दौरान एक सिटिंग सांसद पर हमला करते हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके सांसद पर पहला नहीं चौथा हमला है। मेघवाल ने कहा कि राजस्थान की सरकार दो गुटों में बंटी हुई है और कानून व्यवस्था के मामले में पूरी तरह से विफल हो गई है।

केंद्रीय मंत्री ने गहलोत सरकार के एक राज्यमंत्री पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यमंत्री का बेटा खनन माफिया और भूमाफिया से मिला हुआ है और उसी को रोकने के लिए हमारी सांसद (रंजीता कोली) वहां गई हुई थीं।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान में सरकार के संरक्षण में पीएफआई की गतिविधियां चल रही हैं और अवैध खनन माफिया भी काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरे देश में चुनाव लड़ने के लिए राजस्थान को बेच कर पैसा इकट्ठा करने में लगी है। भाजपा इस मुद्दे को सदन में भी उठाने जा रही है। राजस्थान से ही लोक सभा सांसद जसकौर मीणा अपने सहयोगी सांसद पर हुए हमले के मसले को सोमवार को शून्यकाल के दौरान लोकसभा में उठाने जा रही है।

जबरन अंग निकालकर अरबों कमा रहा चीन

किडनी, हार्ट या लिवर की डिमांड आते ही जेल से उठा लिए जाते हैं उइगर मुसलमान

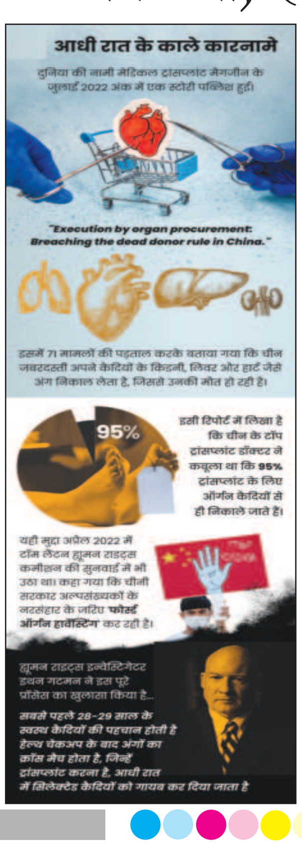

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसिया)। बचपन में आपने अकसर बड़े-बुजुर्गों से सुना होगा कि उधर मत जाना वरना 'झोली बाबा' आ जाएगा। जब हम पूछते झोली बाबा क्या करेगा? तो जवाब मिलता कि वो बच्चों को झोले में भरकर ले जाता है और उनकी आंख, नाक, कान निकालकर बेच देता है। चीन इस वक्त वही झोली बाबा बन चुका है, जो अपने ही देश के कैदियों के किडनी, लिवर और हार्ट जैसे अंगों का धंधा कर रहा है। दुनिया इसे 'फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग' कहती है। इसके सबसे बड़े शिकार बन रहे हैं फालुन गोंग और उइगर मुसलमान जैसे हाशिए पर पड़े समुदाय, जिन्हें चीन सरकार अपने लिए रोड़ा मानती है।

चीन सरकार का दावा है कि देश में हर साल करीब 10,000 ऑर्गन ट्रांसप्लांट किए जाते हैं। ये संख्या सरकारी है। अलग-अलग इंडिपेंडेंट सोर्सेज का दावा है कि चीन में गुप्त तरीके से हर साल 25,000 से 50,000 लोगों का मर्डर करके करीब 60 हजार से 1 लाख ऑर्गन ट्रांसप्लांट किए जाते हैं। अब सवाल उठता है कि चीन ने इतने बड़े पैमाने पर फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग का धंधा कैसे खड़ा किया है?

फालुन गोंग चीन का एक समुदाय है जिसकी शुरुआत 1992 में आध्यात्मिक गुरू ली होंगजी ने की थी। ये लोग मेडिटेशन की एक खास पद्धति की प्रैक्टिस करते हैं, जिससे बड़े-बड़े रोग मिटने के दावे किए जाते हैं। शुरुआत होने के महज 7-8 साल में इसे मानने वाले की संख्या 10 करोड़ तक पहुंच गई थी। यानी चीन का हर 12 में से 1 व्यक्ति फालुन गोंग का अनुयायी था। तभी चीन में उस वक्त के प्रेसिडेंट जिआंग जेमिन ने फालुन गोंग समुदाय को चीन की शांति के लिए खतरा घोषित कर दिया। इसके बाद से ही लगातार इस धर्म के मानने वालों का दमन जारी है। उइगर मुस्लिम चीन का एक अल्पसंख्यक समुदाय है जो शिनजियांग प्रांत में रहता है। चीन इन्हें स्वदेशी समूह मानने से इनकार करता है और इन पर आतंकवाद और अलगाववाद के आरोप लगाता रहा है। इसलिए उइगर मुस्लिमों के साथ भेदभाव होता है और उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। चीन में फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग के लिए जेल में बंद फालुन गोंग और उइगर जैसे कमजोर तबकों को मारना कई पुराने अनैतिक मेडिकल प्रैक्टिसेज की याद दिलाता है।

1. नाजियों के यहूदियों पर मेडिकल एक्सपेरिमेंट्स
हिटलर की सेना में एक एक्सपेरिमेंट डिवीजन था, जिसने नाजी कैंप में करीब 70 रिसर्च प्रोजेक्ट चलाए। इसकी निगहबानी जोसेफ मेंगले नाम के खूंखार आर्मी डॉक्टर के हाथ में थी। ये तस्वीर नाजियों के एक कंसंट्रेशन कैंप जाने वाले रास्ते की है। हिटलर की सेना में एक एक्सपेरिमेंट डिवीजन था, जिसने नाजी कैंप में करीब 70 रिसर्च प्रोजेक्ट चलाए। इसकी निगहबानी जोसेफ मेंगले नाम के खूंखार आर्मी डॉक्टर के हाथ में थी। ये तस्वीर नाजियों के एक कंसंट्रेशन कैंप जाने वाले रास्ते की है।

यूएस होलोकॉस्ट मेमोरियल म्यूजियम के मुताबिक डॉ. मेंगले मरीजों की आंखें निकालकर जमा करता था। यहूदियों पर संक्रामक बीमारियों और रासायनिक हथियारों के टेस्ट किए गए। कम तापमान और कम दवाब वाले चेंबर में डालकर विमानों से जुड़े एक्सपेरिमेंट किए गए।

2. चीनी लोगों पर जापान की यूनिट 731 का कहर
जापानी इंपीरियल सेना ने बायोलॉजिकल हथियारों के टेस्ट के लिए चीन के आम लोगों को चुना। जिम्मेदारी यूनिट 731 के पास थी जिसके चीफ फिजीशियन जनरल शिरो इशी थे। वही इसका नेतृत्व कर रहे थे। इस तस्वीर में जनरल शिरो दिख रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 9 अगस्त, 2022

विपक्ष फिर औंधे मुंह गिरा

जब-जब भी चुनाव हुआ विपक्ष हारता ही चला गया, फिर भी उसके हिम्मत की दाद देनी होगी कि वह अब भी पस्त नहीं हुआ है। राष्ट्रपति चुनाव में मुंह की खाने के बाद एक बार फिर विपक्ष उपराष्ट्रपति चुनाव में भी औंधे मुंह गिर गया है। राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति चुनाव में जहां सत्तापक्ष पूरी मजबूती से चुनाव लड रहा था वहीं विपक्ष काफी बिखरा-बिखरा सा नजर आया। उसकी हताशा को ही देख कर लग रहा था कि उसने परिणाम से पहले ही हार मान ली है। चुनाव सिर्फ एक औपचारिकता भर रह गई है। विपक्ष में तालमेल की कमी नजर आई। बहरहाल, जगदीप धनखड़ बंपर मतों से उपराष्ट्रपति चुने जा चुके हैं और उनके सामने पांच वर्षों का कार्यकाल है। इसमें उन्हें अपनेआप को सिद्ध करना है। राजस्थान के झुंझनु के किठाना गांव की गलियों से निकल कर उप राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचना कोई आसान काम नहीं था। इसके लिए उनका किया गया संघर्ष ही काम आया है। आज झुंझनु के साथ ही पूरा देश उन पर गर्व कर सकता है, खास कर किसान परिवार। देखा जाए तो राष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशी चयन के मोर्चे पर मात खाने के बाद विपक्ष के लिए यह दूसरा मौका था, जब वह खुद को बेहतर तालमेल से युक्त और ज्यादा चुस्त-दुरुस्त दिखा सकता था। लेकिन अदूरदर्शिता की वजह से यह मौका भी उसके हाथ से निकल गया। राष्ट्रपति चुनावों की ही तरह इस बार भी विपक्ष में तालमेल की कमी की वजह से उसके अपने प्रत्याशी के लिए उतने वोट भी नहीं मिल सके, जो उसके खेमे के तय वोट माने जा रहे थे। शिवसेना में तो मान लें कि विभाजन जैसे घटनाक्रम हो गए लेकिन विपक्ष की प्रमुख घटक दल तृणमूल कांग्रेस ने भी इन चुनावों से अलग रहने का फैसला कर लिया। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को अंत समय तक मनाने की कोशिश की गई लेकिन वे टस से मस नहीं हुईं। सबसे आश्चर्य की बात तो यह रही कि बंगाल के राज्यपाल रहते ममता बनर्जी और जगदीप धनखड़ में जमकर ठनी रही। पिछले तीन वर्षों के पश्चिम बंगाल के राज्यपाल कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री ममता से उनके बीच उस तरह के सौहार्दपूर्ण रिश्ते कभी नहीं रहे जैसे झारखंड में द्रौपदी मुर्मू के राज्यपाल रहते उनके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से थे। इसके उलट सीएम ममता बनर्जी और राज्यपाल धनखड़ के रिश्ते कई बार संवैधानिक संकट तक खडा करने के कगार पर पहुंच गए थे। दोनो एक दूसरे को फूटी आंखों भी देखना तक नहीं चाहते थे। इसके अतिरिक्त ममता बनर्जी विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों के बीच भी बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टकराव मोल लेने के मामले में सबसे आगे खडी दिखाई देती थीं। ऐसे में उनका अन्य विपक्षी दलों द्वारा संपर्क न करने का कारण बताते हुए चुनावों से अलग होने का एलान निश्चित रूप से विपक्ष के लिए गहरा धक्का ही कहा जाएगा। उप राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी प्रत्याशी मार्गरेट अल्वा चुनाव नतीजे आने के बाद दिए गए अपने औपचारिक बयान में भी इस पर निराशा जताने से खुद को रोक नहीं पाईं, जिस पर किसी को आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने जगदीप धनखड़ को जीत की बधाई देने के बाद कहा, 'दुर्भाग्य से कुछ विपक्षी दलों ने इन चुनावों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बीजेपी को समर्थन देने का काम किया। मेरा मानना है कि ऐसा करके उन विपक्षी दलों और उनके नेताओं ने अपनी विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुंचाया है।' बहरहाल, चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति चुने जा चुके हैं और संभवतः दस अगस्त को वे उप राष्ट्रपति पद की शपथ भी लेंगे। अब उनके सामने पांच वर्षों का कार्यकाल है। उनके अब तक के कामकाज की पृष्ठभूमि को ध्यान से देखा जाए तो वहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें जगाने वाले कारकों की बडी सामग्री मौजूद है। जहां इतनी खूबियां होती हैं वहां कुछ कमियां भी रहना स्वाभाविक है। जो कुछ हलकों में थोड़ी-बहुत आशंकाएं पैदा करती हैं। खासकर, पश्चिम बंगाल का राज्यपाल रहने के दौरान वह इस संवैधानिक पद को विवादों से दूर नहीं रख पाए। लेकिन अब उम्मीद है कि उपराष्ट्रपति बनने के बाद वे ऐसा नहीं करेंगे। वैसे भी धनखड़ का लंबा सार्वजनिक जीवन और संविधान तथा कानून की उनकी गहरी समझ आश्वस्त करती है कि वह बतौर उपराष्ट्रपति अपने कार्यकाल को बेहतर कारणों से यादगार बनाएंगे।

नैतिक, बुनियादी शिक्षा राष्ट्र के आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर

बुनियादी, नैतिक शिक्षा किसी भी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के नैतिक तथा आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। शिक्षित सुसंस्कृत नागरिक देश की एक बड़ी धरोहर होते हैं।जिस राष्ट्र में शिक्षा,संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित,पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है।हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकें। बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता। वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है।

क्या उन्हें भ्रष्टाचार का अधिकार चाहिए?

निरंकार सिंह

भ्रष्टाचार देश की एक बहुत बड़ी समस्या है। आज यह देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा बन गया है। इससे माफिया गिरोहों और आतंकवादियों की जड़े मजबूत हो रही हैं और हिंसक आंदोलनों को बढ़ावा मिला रहा है। भ्रष्टाचार पर तभी लगाम लगाई जा सकती है जब हमारे जनप्रतिनिधियों का दामन साफ हो। इसलिए इसके खिलाफ हर संभव कार्रवाई की जानी चाहिए। पर विपक्ष के नेता प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी और सीबीआई की कार्रवाई को लेकर सवाल उठाते रहते हैं। उनका कहना है कि भाजपा के नेता क्या दूध के धुले हुए हैं? उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती है? इस सवाल में दम है। लेकिन भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विपक्षी नेताओं को ठोस सबूत के साथ मामले को संसद में उठाना चाहिए। संसद में केवल हंगामा करने से कुछ नहीं होगा। संसद में सच को उजागर कीजिए। देश को बताइए कि आप तथ्यों के आधार पर आरोप लगा रहे हैं। यदि वहां आपकी बात नहीं सुनी जाती है तो इसके लिए आप अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं है जब कांग्रेस के मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कार्यकाल में भाजपा ने कोयला घोटाले, स्पेक्ट्रम घोटाले, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले जैसे कई मामलों को संसद में उठा कर एवं अदालत के जरिए सत्तारूढ़ गठबंधन के कई नेताओं के खिलाफ कार्यवाही करवाई थी। इसलिए, सिर्फ हवा में तीर चलाने से कुछ नहीं होगा। विपक्षी नेताओं को ठोस सबूतों के आधार पर भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार को उजागर करना होगा। आज ईडी और सीबीआई जिन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, उनके भ्रष्टाचार के बारे में सारे सबूतों का ब्यौरा अदालत के सामने रखती है। उसी आधार पर कई नेता और मंत्री आज जेल के सींखचों के पीछे गए हैं। इसलिए शिवसेना, टीएमसी और कांग्रेस के नेताओं को सड़कों पर धरना प्रदर्शन के बजाय अपने नेताओं की बेगुनाही का सबूत अदालत में पेश करना होगा । यदि वे सही हैं तो उन्हें न्याय मिलेगा। श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी का मामला कोर्ट में पहले से ही चल रहा है। वे इस समय जमानत पर हैं। इसलिए सड़कों और संसद में हंगामा करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इससे उनकी पार्टी की छवि एवं साख और अधिक धूमिल हो रही है। गणराज्य के 75 वर्षों में देश ने तरक्की की जिन बुलन्दियों को छुआ, हमारे कुछ नौकरशाहों और राजनेताओं ने उसके बराबर, बल्कि उनसे कहीं ऊंची भ्रष्टाचार की मीनारें खड़ी की हैं। कई राज्यों में मंत्रियों ने जिस तरह से सत्ता के बल जनता को लूटा उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती है। लेकिन दुखद आश्चर्य यह है कि भ्रष्टाचार में संलिप्त लोग अब शर्मसार नहीं होते। ऐसे में, यदि उससे जुड़ी खबरें हमारी संवेदना का महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं बन पाती हैं, तो यकीनन यह समाज के क्षयग्रस्त होने का ही परिचायक है। दरअसल भ्रष्टाचार की विषबेल राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों की छत्रछाया में ही पल्लवित हुई है। दोनों ने इसकी जड़ों में खाद-पानी डाले हैं। यही वजह है कि दोनों एक दूसरे का संरक्षण करते रहे हैं। वरना दागी अधिकारियों के शीर्ष पदों पर पहुँचने की ओर क्या वजह हो सकती है? राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की इस गठजोड़ ने देश की व्यवस्था और उसके आत्मबल को खोखला किया है। आजादी के 75 वर्षों में हमारी संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली पतन की उस पराकाष्ठा पर पहुच गयी है जहां कई राज्यों में राजनीतिक सत्ता का मतलब सिर्फ स्वार्थ की पूर्ति हो गया है। सरकारी कर्मचारियों की तैनाती और तबादले रिश्वत के बल पर किये गयें। इससे पूरी प्रशासनिक व्यवस्था ध्वस्त हो गयी सच को दबाने के लिए पत्रकारों तक जेल में डाल दिया गया। दुनिया के विख्यात संविधान विशेषज्ञ और वकील आयवर जेनिंग के अनुसार किसी मंत्री का सबसे पहला गुण यह होना चाहिए कि वह ईमानदार हो और उसे भ्रष्ट नहीं बनाया जा सकता। यह कम से कम विशेषता है,जो उसमें होनी चाहिए। इतना भी जरूरी नहीं है बल्कि लोग देखें भी, समझे भी कि यह आदमी ईमानदार है । हमारे लोकतंत्र के सामने यही आदर्श होना चाहिए और ऐसी परिस्थिति बनाने के लिए ठोस कदम उठाए ही जानी चाहिए। कुछ राजनीतिक दलों के नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट /ईडी और सेंट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन /सीबीआई की कार्रवाई को राजनीति प्रेरित बता रहे हैं। किंतु भ्रष्टाचार के आरोप किसी पर भी हैं और वे गलत हैं तो उसे डरने की क्या जरूरत है। आरोप बेबुनियाद हैं तो वे अदालत में साबित नहीं हो पाएंगे। फिर निर्दोष साबित होने पर उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के अधिकारी जहां-जहां जांच कर रहे हैं, उन्हें वहां से लाखों-करोड़ों की बेहिसाब धनराशि और संपत्तियां मिल रही हैं। फिर किसी को जेल भेजने का अधिकार तो अदालतों के पास ही होता है। अदालत सबूत के आधार पर ही कार्रवाई करती है। फिर कुछ नेता और उनके समर्थक शोर-शराबा और प्रदर्शन करके किसको मूर्ख बना रहे हैं ? जाहिर है कई नेताओं के चेहरे पर से पर्दा हट गया है और कुछ के उपर से हटने वाला है। इसलिए अब उनकी चोरी जब पकड़ी जा रही है तो वे अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। ऐसा लगता कि इस तरह की अराजकता फैलाना उनके चरित्र का हिस्सा बन गया है। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की जांच को लेकर कांग्रेस नेताओं की चीख-पुकार यही रेखांकित कर रही है कि वह गांधी परिवार को कानून से ऊपर मानती है। स्वयं सोनिया और राहुल गांधी भी ऐसी ही प्रतीति करा रहे हैं। यह एक तरह से खुद को विशिष्ट समझने की सामंती मानसिकता का ही प्रदर्शन है। कांग्रेस इस मानसिकता का परिचय एक लंबे समय से देती चली आ रही है। जैसे कांग्रेस नेशनल हेराल्ड मामले की जांच को लेकर आपत्ति जता रही है, वैसे ही अन्य विपक्षी दल भी। बेहतर होगा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल देश को यह समझाएं कि गांधी परिवार ने नेशनल हेराल्ड की हजारों करोड़ की संपत्ति कैसे हथिया ली? कांग्रेस ने तो इस कानून को लोकतंत्र को क्षति पहुंचाने वाला भी करार दिया। आखिर भ्रष्टाचार निरोधक किसी कानून को लोकतंत्र के विरुद्ध कैसे कहा जा सकता है? देश के तमाम भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों की बड़ी-बड़ी कोठियां, कृषि फार्म, मोटर गाड़ियां एवं बहुत सारी नामी और बेनामी सम्पत्तियों को देखकर यह लगता है कि जैसे कानून उनके लिए बनाये ही नहीं गये हैं। आय से अधिक सम्पत्ति के मामले में कई राजनेताओं और नौकरशाहों की जांच पड़ताल हुई पर उनका कुछ नहीं बिगड़ा। कुछ नौकरशाह तो रिटायरमेंट के बाद जांच से बचने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों में शामिल होकर विधायक और सांसद भी बन गये हैं। अब वह खुद कानून बनायेंगे। अगर कानून बन भी गया तो उसे लागू नहीं होने देंगे। यही कारण है कि कांग्रेस समेत 17 विपक्षी दलों ने एक संयुक्त बयान जारी कर धन शोधन निवारण अधिनियम यानी पीएमएलए की संवैधानिकता बरकरार रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खतरनाक करार देते हुए उसकी समीक्षा की मांग की। इससे ऐसा लगता कि अब वे भ्रष्टाचार के अधिकार के लिए जंग कर रहे हैं। क्या विपक्षी दल यह कहना चाहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में अन्य सबके खिलाफ तो कार्रवाई हो, लेकिन उनके नेताओं को बख्शा दिया जाए? यदि ऐसा नहीं है तो फिर यह सिद्ध करने की चेष्टा क्यों की जा रही है कि नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच प्रतिशोध की राजनीति अथवा ईडी का मनमाना इस्तेमाल है? तमाम उपायों के बाद भी राजनीतिक भ्रष्टाचार जिस तरह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, उसे देखते हुए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि काला धन बटोरने और उसे सफेद करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। कोई राजनेता चुनकर आता है। थोड़े दिनों में उसके सगे-सम्बन्धी मालदार कैसे बन जाते हैं? क्या उनके ऊपर लक्ष्मी रातोंरात प्रसन्न हो जाती है।

बिहार की राजनीतिक पटकथा!

दिन बुधवार और तारीख थी छह जुलाई। यही कोई सुबह 11:00 बजे का वक्त था। पटना के पारस अस्पताल के बाहर अचानक सुरक्षा इंतजाम चाक-चौबंद होने लगे। पुलिस प्रशासन से लेकर सुरक्षा एजेंसियों का पूरा अमला चंद मिनट में अस्पताल को अपने घेरे में ले चुका था। इतनी सतर्कता के बीच अचानक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पारस अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर बने वीवीआइपी वार्ड में लालू यादव से मिलने पहुंचते हैं। वार्ड में ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा जाता है कि क्या लालू यादव को सरकारी खर्चे पर दिल्ली भेजा जाएगा। सवाल सुनते ही नीतीश कुमार ने कहा यह कोई पूछने वाली बात है। लालू जी को तो सिंगापुर लेकर जाना था इलाज के लिए। फिलहाल दिल्ली एम्स में उनकी सभी जांचें होंगी और इलाज होगा। उसके बाद डॉक्टर तय करेंगे कि आगे क्या किया जाना है। नीतीश कुमार की लालू यादव के प्रति आत्मीयता न सिर्फ लालू के पूरे परिवार को भा गई, बल्कि बिहार की राजनीति में अस्पताल के इसी परिसर से सियासी समीकरणों की एक बार फिर से नई इबारत लिखे जाने की संभावना दिखने लगी। फिर पटना से लेकर दिल्ली तक जेडीयू और आरजेडी के नेताओं का जो मिलना-जुलना शुरू हुआ, उसके बाद ही चर्चा होने लगी कि बिहार में जल्द ही कोई बड़ा राजनैतिक घटनाक्रम होने वाला है। सूत्रों के मुताबिक बीते कुछ दिनों में ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह समेत कई बड़े पार्टी के ओहदेदारों से आरजेडी के नेताओं की पटना से लेकर दिल्ली के बड़े दरबारों और एम्स जैसे अस्पताल के परिसरों में मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान बिहार में सरकार के फेरबदल को लेकर के भी चर्चाएं हुईं। हालांकि इसे लेकर नीतीश कुमार और उनकी पार्टी ने कभी खुलकर यह तो नहीं कहा कि वह लालू यादव के साथ मिलकर सरकार बनाएंगे। लेकिन जिस तरीके के संकेत बीमारी के दौरान लालू यादव की देखरेख में जदयू की ओर से दिखे, उससे यह तो स्पष्ट हो गया था कि अब आरजेडी और जेडीयू का झुकाव एक-दूसरे के प्रति बढ़ रहा है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि राजनीति में कुछ भी संभव है। उनका कहना है कि राजनीति में न तो किसी से स्थाई दुश्मनी होती है और न ही किसी से स्थाई दोस्ती। क्योंकि अभी राजनीतिक हालातों पर कुछ भी बोलना उनके लिए मुनासिब नहीं है, लेकिन जो कयास लगाए जा रहे हैं उस में दम तो निश्चित है।

जानकारों का कहना है कि लालू यादव को जिस तरीके से नीतीश कुमार के अपनेपन वाले प्रयासों की वजह से एम्स में दाखिल कराया गया, उससे न सिर्फ जेडीयू के नेता बल्कि आरजेडी के नेताओं की मुलाकातों का सिलसिला भी दिल्ली में शुरू हुआ। बिहार की राजनीति को करीब से समझने वालों का तो यहां तक कहना है कि जिस दौरान लालू यादव एम्स में भर्ती थे, उसी दौरान जदयू के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह भी पटना से दिल्ली इलाज के लिए आए थे। सूत्रों का कहना है कि इसी दौरान वशिष्ठ नारायण सिंह को देखने के लिए पटना से जेडीयू और आरजेडी के बड़े-बड़े रणनीतिकारों का दिल्ली एम्स में आना-जाना लगा हुआ था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अस्पताल के इस परिसर में ही बिहार के बदलते सियासी समीकरणों ने जमकर जोर पकड़ा। क्योंकि यहां पर राजनीतिक दलों के नेताओं का मिलना न सिर्फ आसान था, बल्कि सियासी समीकरणों को साधते हुए बातचीत के सिलसिले को आगे बढ़ाना भी बहुत सरल हो चुका था। लालू यादव के दिल्ली एम्स में दाखिल रहते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भी उनसे मिलने के लिए पहुंचे थे। चर्चाएं तभी तेज होने लगी थीं कि बिहार कि राजनीति में जल्द ही बहुत कुछ बड़ा होने वाला है।

सूत्र के मुताबिक लालू यादव की बीमारी के दौरान जिस तरीके से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और खुद उनके कई मंत्री लालू यादव का हालचाल ले रहे थे, उससे दोनों नेताओं के बीच की दूरियां कम हो रही थीं। जानकारों का कहना है कि जिस दौरान लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के नीतीश कुमार और उनके पार्टी के नेताओं के बीच में बिहार के राजनीतिक समीकरणों पर खुलकर के चर्चा हुई। क्योंकि नीतीश कुमार लगातार भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रमों समेत दिल्ली या अन्य जगहों पर होने वाले बड़े आयोजनों से दूरी बनाए हुए थे। उससे जेडीयू और आरजेडी के बीच में आपसी तालमेल को लेकर मजबूत बल मिलता रहा।

बिहार की राजनीति को करीब से समझने वाले कहते हैं कि यह बात तो सच है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरीके से लालू यादव से मिलकर उन्हें और उनके परिवार समेत पार्टी को आत्मीय बल दिया, उससे राजनैतिक गलियारों में तमाम तरीके की चर्चाओं का बाजार तो गर्म होने लग गया था। उनका कहना है निश्चित तौर पर जेडीयू और आरजेडी के बीच बीते कुछ दिनों में जो नजदीकियां बढ़ी हैं वह बिहार में आज के बदले समीकरण में एक नई कहानी कह रही हैं। बिहार की राजनीति में अगले 48 घंटे बहुत अहम माने जा रहे हैं। क्योंकि जेडीयू और आरजेडी अपने विधायकों व सांसदों की बैठक कर रहा है। निश्चित तौर पर अचानक बुलाई गई इन बैठकों में बिहार को लेकर कोई बड़ा राजनीतिक उठापटक वाला फैसला भी हो सकता है।

कहने को तो नीतीश कुमार और भाजपा नेताओं के बीच में मतभेद लगातार बने हुए थे। कई बड़े मौकों पर यह न सिर्फ खुलकर सामने आए बल्कि इसी वजह से तमाम तरीके की राजनीतिक चर्चाओं को भी बल मिलता रहा। बावजूद इसके दो साल से ज्यादा समय से भाजपा और जेडीयू की सरकार बिहार में बनी हुई है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह तल्खी ज्यादा बढ़ गई है। यह तल्खी सबसे ज्यादा तब बढ़ी जब आरसीपी सिंह को पार्टी से किनारे करना शुरू किया। वह कहते हैं कि जेडीयू, भाजपा से पहले से इस बात से नाराज थी कि चिराग मॉडल से उनका बड़ा नुकसान हुआ था। अब आरसीपी मॉडल से पार्टी को भितरघाती तौर पर बड़ा नुकसान पहुंचाने की तैयारी चल रही थी। बिहार के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2020 के चुनावों में जेडीयू पहले से ही वहां पर राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी की तुलना में बहुत कम सीटों पर विजयी हुई थी। ऐसे में पार्टी को इस बात का अंदाजा था कि अगर आरसीपी मॉडल सक्रिय हो गया, तो आने वाले विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा के चुनावों में पार्टी के नीचे की जमीन खिसक सकती है। यही वजह है कि जेडीयू ने अपना भविष्य देखते हुए बिहार में विकल्प तलाशने शुरू कर दिए।

अभियान बना अमृत महोत्सव

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

भारत अपनी आजादी के पचहत्तर वर्ष पूर्ण कर रहा है। राष्ट्र जीवन का यह महत्वपूर्ण पड़ाव है। देश को स्वतंत्रता कराने में असंख्य लोगों ने योगदान दिया। अनगिनत लोगों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। इसी प्रकरण आजादी के बाद देश को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने में योगदान किया गया। प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस देश के लिए राष्ट्रीय पर्व होता है। पचहत्तर वर्ष की यात्रा पूर्ण करने का अपना महत्त्व है। इसको ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया था। इसी क्रम में हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में दूरदर्शन के मेगा ऐतिहासिक हिंदी धारावाहिक 'स्वराज - भारत के स्वतंत्रता संग्राम की समग्र गाथा' का शुभारंभ किया। यह 75-एपिसोड की श्रृंखला स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास और भारतीय इतिहास से जुड़ी कम ज्ञात कहानियों को प्रस्तुत करेगी। स्वराज श्रृंखला का प्रयास भारतीयों को अपनी संस्कृति, मूल्यों और प्राचीन ग्रंथों पर गर्व महसूस कराने का है।

युवाओं को देश की प्राचीन संस्कृति और इतिहास पर गर्व करना चाहिए।अन्य देशों के लिए, स्वराज सिर्फ स्व-शासन हो सकता है, लेकिन भारत के संदर्भ में यह स्वधर्म,स्वभाषा, स्वप्निल संस्कृति और स्व इतिहास है। दूरदर्शन और आकाशवाणी सही मायने में भारत भाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वराज धारावाहिक हमारे और हमारे अतीत के बारे में सभी प्रकार की हीन भावना को दूर कर देगा। इस श्रृंखला के माध्यम से युवा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में जान सकते हैं। स्वतंत्रता सेनानियों की कम-ज्ञात कहानियां युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाएगी और प्रत्येक भारतीय को अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करेगी।हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से नई पीढ़ी अनेक तथ्यों से परिचित हो रही है। जब देश आजाद हुआ और संसद भवन में मीटिंग हुई थी। उसके बाद क्षेत्रीय गांधी आश्रम मेरठ को पहली बार तिरंगा बनाने का काम सौंपा गया। यहां पर आजाद भारत के पहले राष्ट्रध्वज को बनाने की जिम्मेदारी नत्थे सिंह को ही दी गयी थी। उनके घर में बिजली नहीं थी। पर्याप्त तेल भी नहीं था लालटेन जलाने के लिये। नत्थे सिंह ने पड़ोसियों के घर से तेल मांगकर लालटेन जलायी, जिसकी रोशनी में झंडे बनाने का काम शुरू किया गया। आज पूरे देश में मेरठ के बने तिरंगे की बहुत मांग रहती है।

सरकारी कार्यालय हो या फिर प्राइवेट संस्थान, सभी पर मेरठ का बना तिरंगा ही फहरता है। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से प्रयास किया। प्रदेश में तिरंगा बनाने का काम जोरों पर चल रहा है। इससे झंडा बनाने वाले लोगों के लिये रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। वस्तुतः स्वतंत्रता संग्राम का दायरा बहुत व्यापक था। इसके राजीनीतिक सामाजिक एवं आध्यात्मिक पहलू भी थे। इन सभी पर समग्र चिंतन- मनन की आवश्यकता थी। किंतु अनेक तथ्य उपेक्षित रह गए। इतिहास में इन्हें गौरवपूर्ण एवं उचित स्थान नहीं मिल सका। कई घटनाओं को ब्रिटिश शासन एवं इतिहासकारों ने नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया था।आजादी के बाद भी उन्हें उसी रूप में स्वीकार किया गया। काकोरी की घटना को डकैती का रूप अंग्रेजों ने दिया था। जबकि यह ब्रिटिश सत्ता द्वारा किये जा रहे आर्थिक शोषण को एक प्रकार की चुनौती थी। आजादी के इतने वर्ष बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस घटना को सम्मानजनक नाम दिया। इसे काकोरी ट्रेन एक्शन नाम दिया गया। यह अंग्रेजों के विरुद्ध एक्शन ही था। इसलिए गोविंद वल्लभ पंत जैसे अनेक सेनानियों ने एक्शन में शामिल क्रांतिकारियों के मुकदमे लड़े। उन्होंने इनके बचाव हेतु पंडित मदन मोहन मालवीय के साथ वायसराय को पत्र लिखा था। इसी प्रकार चौरी चौरा घटना को केवल हिंसक रूप में ही प्रस्तुत किया गया। इसके पीछे ब्रिटिश सत्ता द्वारा किसानों के शोषण एवं आंदोलन के संदर्भ को उपेक्षित छोड़ दिया गया। इस पर भी चर्चा नहीं हुई कि ब्रिटिश सरकार द्वारा आरोपी बनाए गए लोगों की पैरवी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी ही कर रहे थे। अमृत महोत्सव के माध्यम से देश की वर्तमान पीढ़ी ऐसे अनेक तथ्यों से परिचित हो रही है। इस प्रकार के अनेक रोचक और प्रेरणादायक प्रसंग अमृत महोत्सव में उजागर हुए हैं।

पसमांदा मुसलमानों का उद्धार

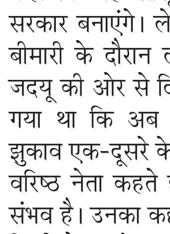
डॉ. वेदप्रताप वैदिक

देश के कुल मुसलमानों में पसमांदा मुसलमानों की संख्या लगभग 90 प्रतिशत है। पसमांदा का मतलब है- पिछड़े हुए। इन पिछड़े हुए मुसलमानों में वे सब शामिल हैं, जो कभी हिंदू थे लेकिन उनमें भी पिछड़े, अछूत, अनुसूचित और निम्न समझी जानेवाली जातियों के थे। इस्लाम तो जातिवाद और ऊंच-नीच के भेद को नहीं मानता है लेकिन हमारे मुसलमानों में ही नहीं, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मुसलमानों में भी जातिवाद जस-का-तस कायम है, जैसा कि वह हिंदुस्तान में फैला हुआ है। पाकिस्तान के जाट, गूजर, अहीर, कायस्थ, खत्री, पठान और यहां तक कि अपने आप को ब्राह्मण कहने वाले मुसलमानों से भी मेरा मिलना हुआ है। अफगानिस्तान में पठान, ताजिक, उजबेक, किरगीज, खत्री और मू-ए-सुर्ख मुसलमानों से भी मेरा कई बार साबका पड़ा है। इन मुस्लिम देशों में भी जातिवाद मौजूद है लेकिन वह वहां दबा-छिपा रहता है। भारत में भी जातिवाद का जबरदस्त बोलबाला है। भारत के 'अशराफ' और 'अजलाफ' मुसलमान 'अरजाल' मुसलमानों से हमेशा कोई न कोई फासला बनाए रखते हैं। पहले दो वर्गों में आनेवाले लोग अपने आप को तुर्कों, मुगलों और पठानों का वंशज समझते हैं और अजलाफ लोग वे हैं, जो ब्राह्मण और राजपूतों से मुसलमान बन गए हैं। भारत के मालदार, उच्च पदस्थ और शिक्षित मुसलमानों में अरजाल मुसलमानों की संख्या लगभग नगण्य है। उनमें ज्यादातर खेती, मजदूरी, साफ-सफाई और छोटी-मोटी नौकरियां करनेवाले गरीब लोग ही होते हैं। इन्हीं मुसलमानों को न्याय दिलाने के लिए तीन-चार पसमांदा नेताओं ने इधर कुछ पहल की है। उनमें से एक नेता अली अनवर अंसारी ने बड़ा सुंदर नारा दिया है, जो मेरे विचारों से बहुत मेल खाता है। वे कहते हैं: दलित-पिछड़ा एक समान। हिंदू हों या मुसलमान। मैं तो इसमें सभी भारतवासियों को जोड़ता हूं, वे चाहे किसी भी धर्म या जाति के हों। जाति और धर्म किसी का न देखा जाए, सिर्फ उसका हाल कैसा है, यह जाना जाए। हर बदहाल का उद्धार करना सरकार का धर्म होना चाहिए। इसीलिए मैं जातीय और मजहबी आरक्षण को अनुचित मानता हूं। आरक्षण जन्म से नहीं, जरूरत से होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पसमांदा मुसलमानों के साथ न्याय की आवाज उठाई है। मेरे ही सुझाव पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिवंगत प्रमुख श्री कुप्प सी. सुदर्शन ने राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की स्थापना की थी।

द्वादशी और प्रदोष व्रत का शुभ योग

मंगलवार को भगवान विष्णु और शिव पूजा का विशेष संयोग बन रहा है। इस दिन सावन महीने की द्वादशी सूर्यास्त के पहले तक रहेगी। इस तिथि के दौरान भगवान विष्णु की पूजा का महत्व ग्रंथों में बताया गया है। वहीं, सूर्यास्त के बाद त्रयोदशी तिथि होने से शिव पूजा के लिए भौम प्रदोष का योग बनने से शिव पूजा का पर्व भी रहेगा। इस तरह दोनों देवताओं की पूजा से दुगना शुभ फल मिलेगा।

सावन में विष्णु पूजा से पंचयज्ञों का फल

सावन महीने में की जाने वाली विष्णु पूजा से मनोकाना पूरी होती है। साथ ही हर तरह की शारीरिक परेशानियां भी दूर होती हैं। इस महीने की द्वादशी तिथि यानी 9 अगस्त को भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इस दिन शहद मिले दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करना चाहिए। इसके लिए महाभारत में आश्वमेधिक पर्व के अध्याय 92 में कहा गया है कि सावन महीने की द्वादशी तिथि को उपवास करके श्रीधर नाम से विष्णुजी की पूजा करने वाले को पंचयज्ञों का फल मिलता है।

भौम प्रदोषः शिव और विष्णु पूजा का पर्व

स्कंद और शिव महापुराण के मुताबिक सावन महीने में प्रदोष व्रत और भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व बताया है। इस महीने मंगलवार को द्वादशी और प्रदोष व्रत करने से हरि-हर कृपा मिलती है। यानी भगवान शिव और विष्णु प्रसन्न होते हैं। शिव पुराण के अनुसार मंगलवार को प्रदोष व्रत से हर तरह के दोष खत्म होते हैं।

इस व्रत से परिवार सुखी और निरोगी रहता है।

इसके साथ ही सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। भौम प्रदोष व्रत से दुश्मनों पर जीत मिलती है। सावन महीने के शुक्ल पक्ष का प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन होने से सौभाग्य और दाम्पत्य जीवन की सुख-शान्ति के लिए के साथ-साथ सभी मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला भी होता है।

शिव चतुर्दशी 10 को सावन महीने की चतुर्दशी 10 अगस्त को है। इस दिन प्रीति, श्रीवत्स और रवियोग बन रहा है।

इन शुभ योगों की गई पूजा का पुण्य और बढ़ जाएगा। साथ ही नए कामों की शुरुआत और हर तरह की खरीदारी करने के लिए ये दिन शुभ रहेगा। इस पर्व पर निर्जल व्रत की परंपरा है। यानी भोजन या फलाहार भी नहीं करते और पानी भी नहीं पिया जाता है। इसके साथ रातभर शिवजी का विशेष अभिषेक होता है और महापूजा भी की जाती है।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए घर में रखें ताजी गुलाब की पंखुड़ियां

कहते हैं जब दिन की शुरुआत अच्छी होती है तो पूरा दिन अच्छा जाता है। सभी काम बिना किसी रुकावट के ठीक से होते हैं। सुबह के समय वैसे भी वातावरण में ताजगी रहती है। लोग अपने घर को महकाने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं, जैसे सुगंधित अगरबत्ती, रूम फ्रेशनर आदि लेकिन प्राकृतिक महक की तो अलग ही बात होती है। प्राकृतिक महक जैसे गुलाब की पंखुड़ियों की खुशबू से न सिर्फ घर महकता है, बल्कि आप स्वयं भी पॉजिटिव महसूस करते हैं।

वास्तु शास्त्र में भी गुलाब की पंखुड़ियों का महत्व बताया गया है। कहा जाता है कि फूलों से घर में वास्तु दोष भी दूर होते हैं। आइये जानते हैं पंडित इंद्रमणि घनस्याल से गुलाब की पंखुड़ियों से जुड़ी कुछ बातें।

गुलाब की पंखुड़ियों से जुड़ा वास्तु

पूर्व दिशा में रखें गुलाब की पंखुड़ियां

वास्तु शास्त्र के अनुसार, गुलाब की पंखुड़ियां को घर पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। परिवार के लोग पॉजिटिव महसूस करते हैं। गुलाब की खुशबू से तन और मन को बेहद सुकून मिलता है।

वास्तु के हिसाब से गुलाब की पंखुड़ियों को कटोरी में डालकर पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इससे मन प्रसन्न रहेगा। आपका काम भी अच्छा रहेगा। आस-पास के लोग भी आपको खुश देखकर खुश होंगे। पूरा घर दिन भर खुशबू से महकता रहता है।

इस तरह रखें गुलाब की पंखुड़ियां

सुबह-सुबह ताजा गुलाब के फूल लेकर आएं। फिर कांच की कटोरी में साफ पानी भर लें। गुलाब की पंखुड़ियों को कांच की कटोरी में डाल दें। फिर उसे ऐसी जगह रखें जहां से ताजी हवा घर में प्रवेश करती हो। वास्तु के हिसाब से पूर्व दिशा में गुलाब की पंखुड़ियों को रखना शुभ माना जाता है। इस तरह आप अपने घर को प्राकृतिक खुशबू से महका सकते हैं। इससे आपका दिमाग खुश और सकारात्मक रहेगा और आप दिन भर तरोताजा महसूस करेंगे। इससे आपका मन भी प्रफुल्लित रहेगा।

शिव पूजा के दौरान शंख बजाने को क्यों है मनाही?

हड्डियों से बना शंख

श्रीकृष्ण कवच की वजह से शिवजी शंखचूड़ का वध करने में सफल नहीं हो पा रहे थे। तब विष्णु जी ने ब्राह्मण रूप धारण कर दैत्यराज से उसका श्रीकृष्ण कवच दान में ले लिया। इसके बाद भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से शंखचूड़ का वध किया। कहा जाता है कि उसकी हड्डियों से शंख का जन्म हुआ। यही वजह है कि भगवान भोलेनाथ की पूजा में शंख का उपयोग नहीं किया जाता।

हिंदू धर्म में प्रत्येक देवता की पूजा करने के लिए कुछ नियम हैं। भगवान विष्णु को शंख बहुत प्रिय है और शंख से जल चढ़ाने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं, लेकिन शिव की पूजा में शंख का उपयोग नहीं किया जाता है। शंख धार्मिक दृष्टि से बहुत ही पवित्र माना जाता है। बहुत से लोग नहीं जानते कि शिव को शंख क्यों नहीं चढ़ाया जाता है या शिव पूजा में शंख क्यों नहीं बजाया जाता है। इसके पीछे की वजह शिव पुराण में है। आइये जानते हैं पंडित इंद्रमणि घनस्याल से शिव पूजा में क्यों वर्जित शंख का उपयोग।

पुत्र प्राप्ति का वरदान

शिव पुराण कथा के अनुसार, दैत्यराज दंभ की कोई संतान नहीं होने पर उन्होंने भगवान विष्णु से कठिन तपस्या करके पुत्र प्राप्ति का वरदान मांगा था। दैत्यराज की कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उनको आशीर्वाद दिया। इसके बाद दंभ के यहां पुत्र की प्राप्ति हुई, जिसका नाम शंखचूड़ रखा गया।

शंखचूड़ का घोर तप

कथा के अनुसार, ब्रह्माजी को प्रसन्न करने के लिए शंखचूड़ ने घोर तप किया। इस पर ब्रह्माजी ने वर मांगने को कहा। तब शंखचुड़ ने मांगा कि वो देवताओं के लिए अजेय हो जाए। इस पर ब्रह्माजी ने तथास्तु कहते हुए श्रीकृष्ण कवच दिया। इसके बाद तुलसी और शंखचूड़ का विवाह हुआ।

देवताओं पर अत्याचार

कहा जाता है इसके बाद शंखचूड़ ने देवताओं पर अत्याचार करना शुरू कर दिया। इस पर भगवान विष्णु से गुहार लगाई गई। लेकिन दंभ को पुत्र का वरदान देने के कारण भगवान विष्णु ने शंकर जी की आराधना की, जिसके बाद शिवजी देवताओं की रक्षा के लिए आगे आए।

सावन का आखिरी मंगला गौरी व्रत

मंगला गौरी व्रत में करें इन मंत्रों का जाप

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार सावन के पावन मास में जिस प्रकार हर सोमवार का दिन भोलेनाथ को समर्पित माना गया है। उसी प्रकार श्रावण माह का हर मंगलवार को गौरी माता की विशेष पूजा और आराधना का विधान है। इस साल सावन का चौथा और अंतिम मंगला गौरी व्रत 9 अगस्त 2022 को पड़ रहा है। मान्यता है कि जो सुहागिन महिलाएं तथा कुंवारी कन्याएं पूरे विधि-विधान से मंगला गौरी व्रत करती हैं उन्हें मां गौरी की कृपा से अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूजन के बाद गौरी माता के इन मंत्रों का जाप करने से जीवन की हर बाधा से मुक्ति महीने की मान्यता है...

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि

व्रत वाले दिन सुबह जल्दी नित्य कर्मों से निपटकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद घर के मंदिर की साफ-सफाई करके गंगाजल छिड़ककर पवित्र करें। फिर वहां एक लकड़ी की चौकी रखकर उस पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और मां गौरी की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें।

तत्पश्चात गौरी माता के सामने आटे से बना हुआ दीपक जलाएं। फिर फल, फूल, कुमकुम, अक्षत, धूप, दीप, नैवेद्य आदि अर्पित करके मां गौरी का पूजन करें। इसके बाद गौरी माता की आरती उतारें और मां गौरी से हाथ जोड़कर अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद देने की प्रार्थना करें। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में एक समय भोजन किया जाता है।

मंगला गौरी मंत्र

हिंदू धर्म शास्त्रों में मां गौरी के रूप को बहुत ही शांत और मनोहरी बताया गया है। मान्यता है कि मां गौरी की पूजा में इन मंत्रों के जाप से प्रसन्न होकर वह अपने भक्तों के सभी कष्टों को हर लेती हैं...

ॐ गौरी शंकराय नमः

ॐ श्री मंगला गौरी नमः

मंगल का वृषभ राशि में गोचर इस गोचर से 3 राशि वालों को मिलेगा विशेष लाभ

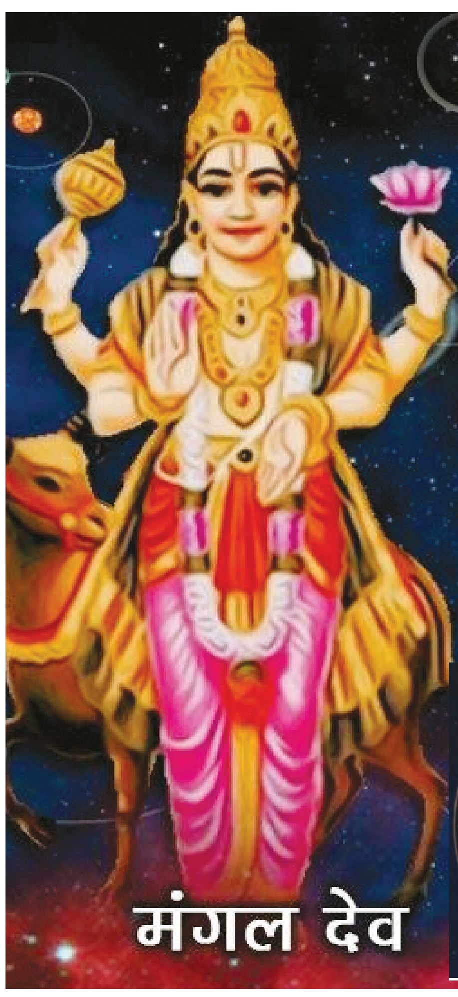

ये गोचर काल विशेष तौर पर संपत्ति और रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

मंगल का वृषभ राशि में गोचर आपके जीवन पर विशेष प्रभाव डालने वाला है। ये गोचर 10 अगस्त बुधवार को रात 09:43 बजे होगा। मंगल के वृषभ राशि में गोचर के दौरान आप अपनी ऊर्जा भौतिक सुखों से जुड़े लाभ प्राप्त करने की ओर लगाएंगे। ये गोचर काल विशेष तौर पर संपत्ति और रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए अनुकूल सिद्ध होगा। जानिए इस गोचर से किन राशि वालों को विशेष लाभ प्राप्त होने के आसार रहेंगे।

कर्क राशिः मंगल का गोचर आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। कार्यस्थल पर आप अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब रहेंगे। जो लोग रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग या डिफेंस आदि क्षेत्रों में कार्यरत हैं उन्हें इस अवधि में प्रमोशन मिल सकता है। इस दौरान आपकी ख़्वाहिश पूरी होने की प्रबल संभावना है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ये अवधि लाभकारी साबित होगी।

सिंह राशिः नौकरी करने वाले लोगों के लिए ये गोचर लाभकारी साबित होगा। आधिकारिक पदों पर नए अवसर मिलने के योग बनेंगे। इस दौरान स्वास्थ्य सेवा, रियल एस्टेट और सशस्त्र बल आदि से जुड़े जातकों को विशेष लाभ प्राप्त होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। आपको अपने प्रियजनों का हर काम में सहयोग प्राप्त होगा। पढ़ाई में आपका खूब मन लगेगा।

मकर राशिः इस दौरान आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर पाने में सफल रहेंगे। भाग्य का हर काम में साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति शानदार रहेगी। एक से अधिक माध्यमों से धन प्राप्त करने में सफल रहेंगे। पदोन्नति की प्रबल संभावना है। आपकी कोई मनोकामना पूरी हो सकती है।

जिन लोगों के पास होती हैं ये 3 चीजें मुंह मोड़ लेती है उनसे सफलता

महाभारत काल में विदुर जी एक महान नीतिज्ञ और विवेकशील महात्मा थे। उनकी बुद्धिमानी और दूरदर्शिता जैसे गुणों के कारण ही उन्हें हस्तिनापुर के महामंत्री का पद प्राप्त हुआ था। महात्मा विदुर की नीतियां आज भी लोगों के जीवन में एक पथप्रदर्शक का काम करती हैं। वहीं विदुर जी ने अपने नीति शास्त्र में ऐसी 3 चीजों का उल्लेख किया है जो किसी व्यक्ति के पास हैं तो सफलता उससे मुंह मोड़ लेती है और व्यक्ति का जीवन बर्बाद कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं कौन सी हैं वे 3 चीजें जिन्हें आज ही अपने आप से कर दें दूर...

गुस्साः

विदुर जी के अनुसार इंसान के भीतर का क्रोध या गुस्सा उसका सबसे बड़ा दुश्मन होता है। जिन लोगों के पास ये होता है उनकी बुद्धि और विवेक काम नहीं करता। इंसान गुस्से में सही फैसले भी नहीं ले पाता जो उसकी तरक्की के रास्ते में रोड़ा बनता है। ऐसे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से खुद भी दुखी रहते हैं और अपने आसपास के लोगों को भी खुश नहीं रख पाते।

कामः

महात्मा विदुर के नीति शास्त्र में बताया गया है कि काम की भावना भी ऐसा दुर्गुण है जिससे ग्रसित मनुष्य अपने आपको आध्यात्मिक रूप से कमजोर कर लेता है। काम की भावना के चलते व्यक्ति के ऊपर हिंसक प्रवृत्ति और क्रोध जैसी बुराइयां हावी होने लगती हैं। जिससे व्यक्ति कोई भी गलत काम करने को तैयार हो जाता है और अपने हाथों अपनी ही ज़िंदगी तबाह कर लेता है।

लालच

लोभ या लालच जैसी बुराई जिस इंसान के भीतर होती है वह मनुष्य कभी जीवन में अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाता। लालची लोगों को कुछ भी मिल जाए उन्हें कभी संतुष्टि नहीं मिलती। लालच के कारण उन्हें हर किसी से ईर्ष्या होने लगती है और यही उनके दुख का कारण बन जात है।

जान्हवी कपूर को आई मां श्रीदेवी की याद : बोलीं- मां के लिए करियर बनाना चाहती हूं, उनका नाम रोशन करना है

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर के साथ-साथ अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के बारे में भी बात की। जान्हवी ने कहा कि उन्हें अपनी मां की बहुत याद आती है और उन्हें ये करियर उनके लिए बनाना है, ताकि श्रीदेवी उन पर प्राउड फील कर सकें। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि मां श्रीदेवी नहीं चाहती थीं कि वो कभी भी एक्टिंग करें।

मैं एक्टिंग नहीं करूंगी तो जिंदगीभर दुखी रहूंगी- जान्हवी

जान्हवी ने कहा, 'मॉम हमेशा मुझसे कहती रहती थीं कि तुम बहुत भोली हो। तुम आसानी से लोगों की बातों में आ जाती है, फिर तुम उतनी ही जल्दी हर्ट भी हो जाती हो। तुम्हें इस इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए अलग तरह से मजबूत बनाना होगा।

मैं नहीं चाहती कि तुम वैसी बनो। लोग मेरी 300 फिल्मों को तुम्हारी पहली फिल्म से कंपेयर करेंगे। तुम उसे कैसे डील करोगी? तब मैंने मां से कहा था कि मुझे पता है कि ये बहुत मुश्किल होने वाला है। पर ये भी पता था कि अगर मैं एक्टिंग नहीं करूंगी तो जिंदगीभर दुखी रहूंगी।'

लोग करते हैं जान्हवी को श्रीदेवी से कंपेयर

जान्हवी से आगे जब ये पूछा गया कि लोग वास्तव में उनकी फिल्मों की तुलना श्रीदेवी से करते हैं? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, बिल्कुल। मेरी पहली फिल्म को उनकी कई फिल्मों से कंपेयर किया गया था। मुझे और किसी चीज के बारे में कुछ नहीं पता। मैं बस उनके लिए यह करियर बनाना चाहती हूं। उनका नाम रोशन करना चाहती हूं।'

'दोस्ताना 2' में नजर आएंगी जान्हवी

डार्लिंग्स की सक्सेस पर विजय वर्मा बोले : घरवालों को इससे फर्क नहीं पड़ता, उन्हें यह यकीन हो गया कि लड़का भूखा नहीं मरेगा

विजय वर्मा इन दिनों अपनी फिल्म डार्लिंग्स में हम्जा के किरदार से सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने सक्सेस पर बात करते हुए कहा कि मेरे घर वालों से इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उनको इस बात का यकीन हो गया है कि ये भूखा नहीं मरेगा। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिल्म डार्लिंग्स पर भी बात की।

पैरेंट्स पर बात करते हुए विजय कहते हैं, उनको इस चीज ज्यादा मतलब नहीं है। मेरी मां होममेकर हैं, वह ज्यादातर अपने काम में ही व्यस्त रहती हैं। हां अब उनको इस बात का यकीन हो गया है कि मेरा बेटा अब मुंबई में भूख से मरेगा नहीं और अपना जीवन थोड़ा आराम से बिता सकता है। जब भी मां का वीडियो कॉल आता है, वह हमेशा मुझे कहती हैं कि तू पतला हो गया है। उनका दूसरा प्रश्न होता है कि मैं खाना ठीक से खा रहे हो?

डार्लिंग्स पर बात करते हुए विजय ने कहा- जब आप पेपर पर पढ़ते हो तो आपको कहानी का अंदाजा हो जाता है। इस पर जब डायरेक्टर की क्या राय है? जब मुझे इस बात का पता तो यह मुझे बहुत ही फैसेनेटिंग लगा। यह रोल बहुत चैलेंजिंग भी था और मैंने उस चैलेंज को एक्सेप्ट किया। जब आपके पास डार्लिंग्स जैसी फ्रेश स्क्रिप्ट हो और इसके साथ आपको शेफाली शाह आलिया भट्ट के साथ काम करने का मौका मिले तो यकीन मानिए आपके पास सोचने के लिए कुछ बचता नहीं हैं। विजय ने 2012 में आई चित्तागोंग फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था।

इसके अलावा रंगरेज, गैंग ऑफ घोस्ट, पिंक, राग देश, गली बॉय जैसी फिल्म में उनके काम से जाना जाता है। विजय को वेब शो शी और मिर्जापुर में काम कर एक अलग पहचान बनाई है। विजय ने एक्टिंग की पढ़ाई पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया से की थी।

दो तलाक की बात पर भड़कीं चाहत खन्ना, पोस्ट शेयर कर उर्फी जावेद को बताया क्लासलेस

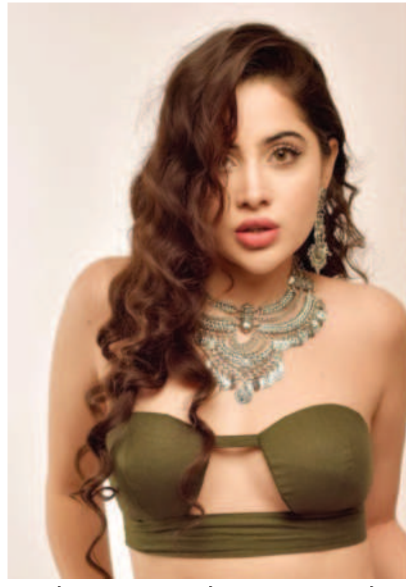

सोशल मीडिया सेंसशन उर्फी जावेद अक्सर किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। अपनी स्टाइलिंग को लेकर आए दिन सुर्खियां बटोरने वाली उर्फी जावेद हर दिन कुछ ना कुछ नया कर लोगों को हैरान कर देती हैं। इसी क्रम में एक्ट्रेस बीते कुछ दिनों से एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते कुछ दिनों से उर्फी और एक्ट्रेस चाहत खन्ना के बीच सोशल मीडिया पर कैटवॉर जारी है। इस साइलेंट वॉर की शुरुआत अभिनेत्री चाहत खन्ना ने एक लंबा- चौड़ा नोट लिख कर की। एक्ट्रेस ने अपनी इस पोस्ट में उर्फी के ड्रेसिंग सेंस पर टिप्पणी की थी। वहीं, उर्फी ने भी पलटवार करते हुए चाहत को करारा जवाब दिया था। उर्फी ने चाहत के पोस्ट पर जवाब देते हुए उनके "दो तलाक' पर तंज कसा था। ऐसे में उर्फी के इस पोस्ट के बाद अब चाहत खन्ना उन पर भड़क उठी हैं। उर्फी पर पलटवार करते हुए चाहत ने एक पोस्ट शेयर किया। इतना ही नहीं अपने इस पोस्ट में उन्होंने उर्फी को क्लासलेस तक बता दिया। इंस्टा स्टोरी पर शेयर किए गए इस पोस्ट में चाहत ने लिखा, "मुझे इस तरह के नाटक में शामिल होने की जरूरत नहीं है, लेकिन मैं अपने फॉलोअर्स को बताना चाहती हूं कि कुछ लोग बातें करते हैं और कुछ भौंकते ज्यादा हैं, लेकिन जो मुझे जानते हैं उन्हें पता है कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की है।"

उन्होंने आगे कहा कि बात करने से पहले रिकॉर्ड्स चेक करो। मैंने किसी से एक पैसा नहीं लिया है। "मैं जानती हूं कि मेरा तलाक काफी आसानी से टारगेट करने वाला टॉपिक है। हर कोई इस बारे में जानता है, लेकिन 'क्लास' वाले लोग कभी ऐसा नहीं करेंगे। मैं 'क्लासलेस' लोगों से या 'पेड मीडिया' से क्लास की उम्मीद कर भी नहीं सकती हूं, बाकि जिसको जो अच्छा लगता है, लिखो।" दरअसल, यह पूरा विवाद से चाहत खन्ना के एक पोस्ट से शुरू हुआ था। बीते दिनों उर्फी जावेद पीले रंग की एक ड्रेस में नजर आई थीं। उर्फी की इस ड्रेस पर कमेंट करते हुए चाहत ने कहा था कि बाहर ऐसे कपड़े पहनकर कौन जाता है। साथ ही मीडिया पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा था कि अगर कोई अपने कपड़े उतार देगा तो मीडिया उसे भी सेलेब्रिटी बना देगा? चाहत के इस पोस्ट का जवाब देते हुए उर्फी ने भी पोस्ट शेयर किया था। अपने इस पोस्ट में उन्होंने अपनी इस ड्रेस को पहनने की वजह बताने के साथ ही चाहत खन्ना के दो तलाक पर भी निशाना साधा था। बता दें कि उर्फी जावेद इन दिनों अस्पताल में हैं। तीन दिन से बुखार की शिकायत के बाद उन्हें बीते दिन भर्ती कराया गया।

'हम दो हमारे बारह' के पोस्टर पर उठे सवाल : पॉपुलेशन एक्सप्लोजन पर बनी फिल्म को बताया इस्लामोफोबिया, डायरेक्टर ने दी सफाई

'हम दो हमारे बारह' का हाल ही में पोस्टर रिलीज किया गया। रिलीज के बाद से ही फिल्म का पोस्टर विवादों में आ गया है। दरअसल फिल्म मुस्लिम कम्युनिटी में पॉपुलेशन एक्सप्लोजन पर आधारित है। इस पर जर्नलिस्ट राणा अय्यूब ने सवाल उठाते हुए ट्विटर पर लिखा कि सेंसर बोर्ड और फिल्म के प्रोड्यूसर्स ने इस फिल्म को किस उद्देश्य से बनाया है। इस पर अब फिल्ममेकर कमल चंद्रा और फिल्म के लीड एक्टर अन्नू कपूर का रिएक्शन सामने आया है।

फिल्म के पोस्टर पर लिखा है, 'जल्द ही चीन को पीछे छोड़ देंगे।' अय्यूब ने पोस्ट में लिखा, सेंसर बोर्ड इस तरह की फिल्म की अनुमति कैसे दे सकता है जो मुसलमानों को जनसंख्या विस्फोट के कारण के रूप में दिखाती है और कम्यूनिटी पर हमला करती है। यह लोगों के बीच नफरत और इस्लामोफोबिया फैला रहे हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्म में वो एक मुस्लिम परिवार की छवि का उपयोग करते हैं और इसे 'हम दो हमारे बारह।'

ईटाइम्स से बातचीत के दौरान फिल्म के डायरेक्टर कमल चंद्रा ने कहा, हमारी फिल्म हम दो हमारे बारह का पोस्टर बिल्कुल भी आपत्तिजनक नहीं है। इसे सही रूप में देखे जाने की जरूरत है। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम अपनी फिल्म के जरिए किसी विशेष समुदाय को टारगेट नहीं कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि जब लोग इस फिल्म को देखेंगे तो वो खुश होंगे, क्योंकि बढ़ती पॉपुलेशन हमारे समय का सबसे बड़ा इश्यू है। हम इस फिल्म को बिना किसी विशेष समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बना रहे हैं।

चंद्रा ने आगे कहा, जब भी मुझे कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है। मैं उसे लेकर बेहद एक्साइटेड हो जाता हूं और उसे बनाने की प्लानिंग करता हूं। मेरे जैसा कोई भी क्रिएटिव व्यक्ति सोशल इश्यू पर आधारित फिल्म को बनाने के लिए एक्साइटेड होगा। अगर हम पोस्टर पर किसी दूसरी कम्यूनिटी को दर्शाते, तो भी वो लोग ऐसा ही कुछ बोलते। आज लोग यह सोच रहे हैं कि उन्हें हमारी फिल्म के जरिए टारगेट किया जा रहा है। मुझे लगता है कि सिनेमा हमारे विचारों और भावनाओं को दर्शाने का सबसे अच्छा जरिया है। मैं आप सबसे अनुरोध करता हूं कि इस पर कोई इश्यू क्रिएट न करें।

फिल्ममेकर ने आगे इस बात पर जोर देते हुए कहा कि फिल्म एक महत्वपूर्ण सब्जेक्ट को दर्शाने वाली है। उन्होंने कहा, पॉपुलेशन एक्सप्लोजन लंबे समय से हमारे देश में सबसे बड़ा इश्यू है। जब तक हम इस बारे में सीरियसली नहीं सोचेंगे, हमारा देश विकास नहीं कर पाएगा। मैं आप सभी से फिल्म और पोस्टर को सही दिशा में देखने का आग्रह करता हूं।

वीकएंड पर कायम रहा 'बिम्बिसार' का जादू, महज तीन दिन में कमा डाले 22 करोड़

पैनडमिक के बाद भारतीय सिनेमा में पैन इंडिया फिल्मों पर चर्चा रही हैं, जो ज्यादातर साउथ सिनेमा की थीं। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था लेकिन अब साउथ सिनेमा की महज एक भाषा में रिलीज हुई फिल्म 'बिम्बिसार' सिनेमाघरों में छाई हुई है। एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बनी 'बिंबिसार' एक फैंटसी एक्शन फिल्म है, जो सिर्फ तेलुगू भाषा में रिलीज हुई है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के भाई नंदमुरी कल्याण राम मगध के राजा की भूमिका में हैं। फिल्म को रिलीज हुए महज तीन दिन हुए हैं और इन तीनों दिनों में ही फिल्म ने अपने बजट की आधी कमाई कर ली है। नंदमुरी कल्याण राम की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धांसू शुरुआत के साथ वीकएंड पर धमाल मचा दिया। इस फिल्म ने पहले दिन धांसू ओपनिंग करते हुए 8.9 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने 6.60 करोड़ रुपये की कमाई की और वीकएंड का 7 करोड़ रुपये की कमाई के साथ इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 22 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। 40 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने अपने पहले वीकएंड ही बजट से आधी कमाई कर ली है। 'बिम्बिसार' ने अपने शानदार कलेक्शन से पैन इंडिया फिल्म 'सीता रामम' को टक्कर दी है। दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'सीता रामम' रिलीज से पहले ही चर्चा में बनी हुई थी। लेकिन कमाई के मामले में 'बिम्बिसार' आगे निकल गई है। इस फिल्म ने जहां 20 करोड़ से ज्यादा का शानदार कलेक्शन किया है तो वहीं, हिंदी, तमिल, तेलुगू में रिलीज हुई 'सीता रामम' तीन दिन में महज 13.79 करोड़ रुपये ही कमा पाई है, जो पैन इंडिया के मुताबिक काफी कम है। एक्शन, ड्रामा, फैंटेसी, पीरियड मूवी 'बिम्बिसार' का निर्देशन मल्लीदी वशिष्ठ ने किया है और इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम के अलावा कैथरीन ट्रेसा, संयुक्ता मेनन और प्रकाश राज भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में 5 वीं शताब्दी ईसा पूर्व से मगध के राजा बिंबिसार की यात्रा को दिखाया गया है। साथ ही टाइम ट्रेवल के साथ फिल्म की कहानी आधुनिक दुनिया में भी आ जाती है।

उर्मिला मातोंडकर ने डीआईडी सुपर मॉम्स के स्टेज पर रंगीला फिल्म के गाने पर किया डांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर डीआईडी सुपर मॉम्स को जज कर रही हैं। इसी बीच जी टीवी ने डीआईडी सुपर मॉम्स का एक प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया हैं। इस वीडियो में उर्मिला रंगीला फिल्म के आइकॉनिक गाने पर डांस करती हुई नजर आईं। प्रोमो वीडियो में कंटेस्टेंट रिद्धि तिवारी का गजब डांस देखने को मिलता है। इसके बाद रेमो डिसूजा और उर्मिला भी कंटेस्टेंट के साथ रंगीला गाने पर डांस करते हैं। उर्मिला के इस डांस की फैंस ने जमकर तारीफ की है। बता दें, जान्हवी कपूर अपनी फिल्म गुड लॉक जीरी के प्रमोशन के लिए DID शो पहुंची जहां उन्होंने जज और कंटेस्टेंट्स के साथ मिलकर जमकर मस्ती की।

डेब्यू फिल्म फ्लॉप होने के बाद एक्टिंग छोड़ बैठे थे फहाद फासिल, फिर ऐसे किया कमबैक

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पाः द राइज' के आईपीएस अधिकारी भंवर सिंह शेखावत तो आपको याद ही होंगे? फिल्म में उनकी एंट्री के बाद कहानी एक नया मोड़ लेती नजर आई है। यही इस किरदार की खूबसूरती है, जिसे दक्षिण के सुपरस्टार फहाद फासिल ने अदा किया है। फहाद फासिल साउथ इंडस्ट्री में निर्माता से लेकर एक्टर तक के रूप में काम कर चुके हैं। वह मलयालम सिनेमा के चर्चित अभिनेता हैं। इसके अलावा वह तेलुगू और तमिल सिनेमा में भी सक्रिय हैं और अब हिंदी सिनेमा में भी अपनी पहचान स्थापित कर चुके हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

फ्लॉप रही डेब्यू फिल्म

फहाद फासिल का जन्म 8 अगस्त 1982 को केरल में आलप्पुषा में हुआ। फहाद फासिल के पिता प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक-निर्माता और स्क्रीनराइटर हैं। इसके बाद भी उनके लिए फिल्मी दुनिया में करियर बनाना उतना आसान नहीं रहा। बता दें कि फहाद फासिल को उनके पिता ने ही लॉन्च किया, मगर शुरुआत में उनकी फिल्में फ्लॉप रहीं। फहाद ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत वर्ष 2002 में फिल्म 'कायथुम दुरथ' से की थी, जिसका निर्देशन उनके पिता ने किया था। फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी

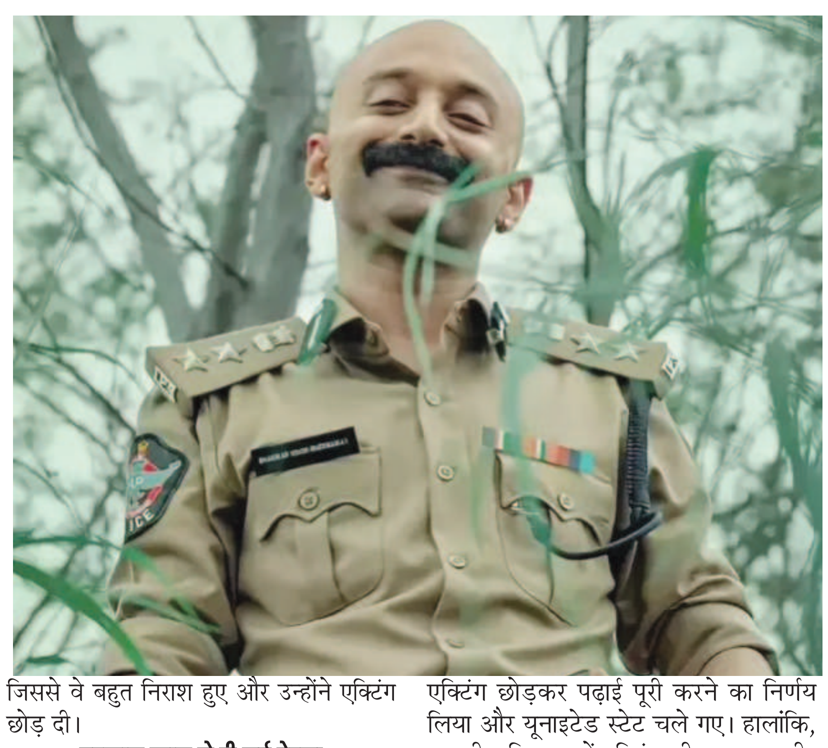

जिससे वे बहुत निराश हुए और उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी।

इरफान खान ने दी नई प्रेरणा

डेब्यू फिल्म फ्लॉप होने के बाद फहाद ने एक्टिंग छोड़कर पढ़ाई पूरी करने का निर्णय लिया और यूनाइटेड स्टेट चले गए। हालांकि, इस बीच फिर उनमें एक्टिंग की ललक जागी। इसका श्रेय जाता है दिवंगत अभिनेता इरफान खान को। दरअसल, एक्टिंग छोड़ने के बाद पढ़ाई के दौरान फहाद ने फिल्म 'यूं होता तो क्या होता' देखी। इससे उन्हें काफी प्रेरणा मिली। इस फिल्म में फहाद को अभिनेता इरफान खान का किरदार काफी पसंद आया। इसके बाद उन्होंने इरफान की कई फिल्में देखीं और फिर से एक्टिंग की दुनिया में कमबैक किया। इंडस्ट्री में दोबारा एंट्री करने के बाद फहाद फासिल ने अपनी शानदार एक्टिंग को साबित किया। यूं तो फहाद अधिकांश फिल्मों में सपोर्टिंग रोल या कैमियो में ही नजर आते हैं, मगर अपने किरदार को वह इस कदर निभाते हैं कि पर्दे पर जीवंत हो उठता है। अपने अब तक के करियर में फहाद फासिल करीब 50 फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। वर्ष 2018 में इन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर कैटेगरी में नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। उनकी फिल्म 'सी यू सून' और फिल्म 'जोजी' और 'मालिक' ने उन्हें हिंदी भाषी लोगों के बीच भी काफी अच्छी पहचान दिलाई। बीते साल आई 'पुष्पा' और इस साल रिलीज हुई कमल हासन की फिल्म 'विक्रम' में फहाद फासिल ने शानदार अभिनय किया है। अगर बात पर्सनल लाइफ की करें तो इन्होंने नजरिया नजीम से साल 2014 में शादी की थी।

इरा खान ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में ब्वॉयफ्रेंड के साथ खिंचवाई फोटो, बैकग्राउंड में लगाया पापा आमिर खान का गाना

आमिर खान की बेटी इरा खान अपने लव लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इरा इन दिनों नुपुर शिखर को डेट कर रही हैं, जिनके साथ वो अपनी फोटो भी शेयर करती रहती हैं। आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसके प्रमोशन में एक्टर की बेटी इरा खान भी खूब मेहनत कर रही हैं। इरा ने हाल ही में नुपुर के साथ एक फोटो शेयर की है, जिसके बैकग्राउंड में उन्होंने 'लाल सिंह चड्ढा' का रोमांटिक गाना 'मैं की करना' लगाया है। इरा की ये पोस्ट उनके फैंस को खूब पसंद आ रही है।

वायरल हो रही फोटो में इरा खान और नुपुर ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। इरा ने जहां ब्लैक ब्रालेट के साथ शीयर टॉप पहना था, वहीं उनके बॉयफ्रेंड ने ब्लैक टी-शर्ट को चुना था। दोनों ने अपने आउटफिट को ब्लैक पैंट के साथ पेयर किया और नुपुर ने फोटो के लिए पोज देते हुए इरा की कमर पर हाथ रखा था। फोटो शेयर करते हुए, इरा ने आमिर की फिल्म का गाना लगाते हुए नुपुर को टैग किया। इरा और नुपुर दो साल से अधिक समय से डेटिंग कर रहे हैं, उन्होंने इस साल जून में अपनी दूसरी सालगिरह मनाई थी। वे सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ अपनी लाइफ की झलकियां शेयर करते रहते हैं। वहीं, इरा खान के पिता आमिर खान साढ़े तीन साल के लंबे ब्रेक के बाद 'लाला सिंह चड्ढा' से बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। फिल्म में करीना कपूर और मोना सिंह भी मुख्य किरदार में हैं। लाल सिंह चड्ढा टॉम हैंक्स की पॉपुलर फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' की हिंदी रीमेक है। इसमें आमिर के कैरेक्टर की जीवन के विभिन्न चरणों में दिखाया गया है। फिल्म में करीना, आमिर की बचपन की दोस्त की भूमिका में हैं, वहीं मोना उनकी मां की भूमिका में हैं। इसमें नागा चैतन्य भी हैं, जो अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे।

तमाम कोशिशों के बाद भी नहीं कंट्रोल हो रहा है ब्लड प्रेशर? कहीं आप भी तो नहीं करते हैं ये गलतियां

बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को गंभीर तरीके से प्रभावित कर सकता है। विशेषकर ऐसी स्थिति हृदय रोगों का कारण बन सकती है। यही कारण कि डॉक्टर्स सभी लोगों को रक्तचाप को कंट्रोल करने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। समय के साथ रक्तचाप की समस्या कम उम्र वाले लोगों में भी बढ़ती देखी जा रही है, ऐसे में वयस्कों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को इस गंभीर स्थिति से बचाव के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रक्तचाप की समस्या ताउम्र बनी रहती है, सिर्फ दवाइयों के माध्यम से रक्तचाप को कंट्रोल रखने का प्रयास किया जाता है। इसमें दवाइयों के साथ-साथ जीवनशैली में विशेष सुधार की भी आवश्यकता होती है। अक्सर जिन लोगों की दिनचर्या ठीक नहीं होती है उन्हें दवाइयों से पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। यदि आपका भी तमाम कोशिशों के बाद ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ रहता है तो ध्यान दीजिए, कहीं आपकी भी तो ऐसी आदतें नहीं हैं?

तनाव की स्थिति बढ़ा देती है ब्लड प्रेशर

डॉक्टर्स कहते हैं, सभी लोगों को तनाव को नियंत्रित करने के प्रयास करते रहने चाहिए। तनाव की स्थिति हाई ब्लड प्रेशर की समस्या का कारण मानी जाती है। यदि आप भी हाई ब्लड प्रेशर की दवाइयों का सेवन कर रहे हैं पर तनाव की स्थिति बनी रहती है तो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करना कठिन हो सकता है। हृदय की समस्याओं में क्रोनिक तनाव को प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल की समस्या

यदि आप भी गतिहीन जीवनशैली जी रहे हैं तो इसके कारण भी ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ रह सकता है। शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण हार्ट रेट बढ़ाने और हृदय पर दबाव बनाने वाली हो सकती है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल में रक्त वाहिकाओं को आराम देने वाले हार्मोन्स में असंतुलन आ सकता है जिसके कारण आपको अक्सर हाई ब्लड प्रेशर की समस्याओं का अनुभव होता रह सकता है।

नमक वाली चीजों के अधिक सेवन से बचें

यदि आप अधिक मात्रा में नमक वाली चीजों का सेवन करते रहते हैं, तो दवाइयों के बाद भी रक्तचाप को कंट्रोल रखना मुश्किल हो सकता है। सोडियम का अधिक सेवन रक्तचाप को बढ़ा देता है। यह रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है जिसके कारण रक्तचाप बढ़ जाता है। जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है उन्हें नमक का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। आहार में अधिक तरल पदार्थों का सेवन भी आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

स्वाइन फ्लू लक्षण, कारण और उपचार

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में इन दिनों स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। मुंबई में स्वाइन फ्लू के अबतक 105 मरीज मिले हैं, तो वहीं छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू से पहली मौत होने का मामला सामने आया है। यहां एक चार साल की बच्ची स्वाइन फ्लू से ग्रसित थी, जिसकी रविवार रात एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पिछले महीने छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के 28 मरीज मिले थे। ऐसे में कोरोना वायरस और मंकीपॉक्स के बाद स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामले जोखिम बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन दिनों अधिकतर मरीज सर्दी बुखार जैसे वायरल इंफेक्शन से पीड़ित हैं। बच्चों में हाथ, पैर और मुंह के रोग के मामले सामने आ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि स्वाइन फ्लू की पहचान तब हो पाती है जब मरीज की तबीयत वायरल से ज्यादा खराब होने लगती है। इन दिनों मौसमी बीमारी के कारण लोगों को सर्दी जुकाम और बुखार की समस्या भी हो रही है। ऐसे में लोग साधारण बुखार और स्वाइन फ्लू में अंतर नहीं कर पा रहे। यहां स्वाइन फ्लू के लक्षण बताए जा रहे हैं, ताकि मरीज स्वाइन फ्लू की शिकायत होने पर उसकी पहचान कर सके और सही समय पर सही इलाज ले सकें। ये रहे स्वाइन फ्लू के लक्षण, कारण और उपचार।

क्या है स्वाइन फ्लू?

स्वाइन फ्लू एक वायरल इंफेक्शन है, जो मूल रूप से सूअरों से मनुष्यों में फैला। स्वाइन फ्लू एच1एन1 इन्फ्लूएंजा एक तरह का वायरस है। यह वायरस एक इंसान से दूसरे इंसान में फैल सकता है। नियमित इन्फ्लूएंजा

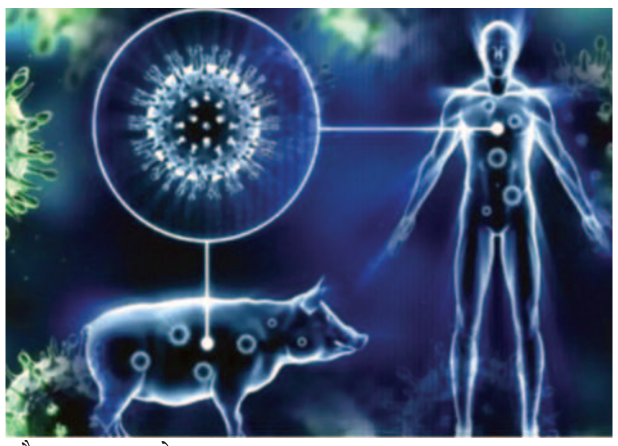

और स्वाइन फ्लू के लक्षण बहुत मिलते-जुलते हैं। गर्मी और मानसून के मौसम में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ जाते हैं। इस बीमारी से बचाव के लिए कई वैक्सीन हैं,

साथ ही इलाज के लिए कई तरह के एंटीवायरल उपचार भी मौजूद हैं। इसके अलावा हाइजीन का ख्याल रखकर और सर्जिकल मास्क पहनकर स्वाइन फ्लू से बचा जा सकता है।

स्वाइन फ्लू के लक्षण?

बुखार आना

सिरदर्द होना

डायरिया होना

खांसी आना

छींक आना

ठंड लगना

गले में खराश होना

थकान

नासिका मार्ग ब्लॉक होना

स्वाइन फ्लू की स्थिति गंभीर होने पर निमोनिया, सांस लेने संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

अस्थमा और डायबिटीज के मरीजों को स्वाइन फ्लू होने पर गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

स्वाइन फ्लू होने के कारण

इन फ्लू की तरह ही स्वाइन फ्लू का भी प्रसार होता है। किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने के बाद हवा में फैले वायरस से लोग स्वाइन फ्लू की चपेट में आ सकते हैं।

संक्रमित मरीज द्वारा छुई चीजों के संपर्क में आने से भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। किसी व्यक्ति में स्वाइन फ्लू के लक्षण दिखने से लेकर बीमारी होने के 7 दिन बाद तक वायरस फैल सकता है।

किन लोगों को स्वाइन फ्लू का खतरा ज्यादा

अध्ययनों के मुताबिक कुछ लोगों में स्वाइन फ्लू का खतरा अन्य की तुलना में ज्यादा होता है। इनमें शामिल हैं,

गर्भवती महिलाएं हृदय रोग के मरीज डायबिटीज के मरीज

रेस्पिरेटरी समस्याएं जैसे निमोनिया से ग्रसित लोग

65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 2 साल से छोटे बच्चे को स्वाइन फ्लू जल्द होने की संभावना रहती है।

स्वाइन फ्लू से बचाव

खांसते और छींकते समय मुंह पर रूमाल रखें। मास्क का इस्तेमाल करें।

भोजन करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से साबुन से धोएं।

भरपूर मात्रा में स्वच्छ पानी पीएं और पौष्टिक आहार का सेवन करें।

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर मास्क पहनें और हाथों को अच्छे से साफ करें।

मरीजों से मिलते समय दूरी का ध्यान रखें। भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

गंदा पानी पीने से कौन-सी बीमारियां होती हैं?

लोगों को कहा जाता है कि उन्हें दिन में कम से कम 10 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। लेकिन आपको बता दें कि पानी एकदम स्वच्छ और साफ होना चाहिए। गंदा पानी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। जी हां, लोगों को पता ही नहीं है कि वह जिस पानी का सेवन कर रहे हैं वह साफ है या गंदा। ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि गंदा पानी पीने से सेहत को क्या क्या नुकसान हो सकते हैं। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपनी इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि गंदा पानी पीने से सेहत को क्या क्या नुकसान हो सकते हैं।

गंदा पानी पीने के नुकसान

यदि व्यक्ति गंदे पानी का सेवन करता है तो इसी व्यक्ति को पेट से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। गंदा पानी ना केवल पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकता है बल्कि इससे व्यक्ति को उल्टी, दस्त, पेट दर्द आदि समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है।

गंदे पानी के सेवन से व्यक्ति के दिमाग पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। गंदे पानी के सेवन से व्यक्ति को मानसिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है।

गंदे पानी के सेवन से व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती। लेकिन यदि व्यक्ति गंदे पानी का सेवन करता है तो ऐसे में व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है, जिसके कारण बेहोशी, चक्कर आना आदि समस्याएं नजर आ सकती हैं।

यदि व्यक्ति गंदे पानी का सेवन करता है तो इसके कारण से किडनी से संबंधित समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। पानी में कैडमियम की मात्रा पाई जाती है ऐसे में इसके सेवन से व्यक्ति को किडनी स्टोन आदि समस्याएं हो सकती हैं।

स्किन का कलर बदलना आपके अंदर पनप रही किस बीमारी की ओर इशारा करता है?

हमारी त्वचा हमारे शरीर का सबसे बड़ा अंग है। शरीर के हर अंग को बाहर से त्वचा ने ढका हुआ है। शरीर के अंदरूनी हिस्सों में किसी तरह की परेशानी या बीमारी का असर हमारी त्वचा पर सबसे पहले दिखता है। कई बार हमारी त्वचा का रंग अचानक बदलने लगता है। त्वचा के रंग में यह बदलाव पूरे शरीर पर और शरीर के किसी एक हिस्से पर भी नजर आ सकता है। त्वचा के रंग में इस तरह अचानक बदलाव आना किसी अंदरूनी समस्या का लक्षण होता है। उदाहरण के लिए अगर त्वचा पीली पड़ रही है तो लिवर से जुड़ी समस्या की ओर इशारा करती है, जबकि त्वचा के नीला पड़ने का मतलब व्यक्ति को सांस संबंधी समस्या है। त्वचा पर नील पड़ना किसी तरह का ब्लड डिसऑर्डर हो सकता है, जबकि किसी अन्य त्वचा संबंधी समस्या के चलते या धूप के प्रति संवेदनशीलता के कारण त्वचा का रंग लाल या गुलाबी हो सकता है।

कैंसर के मरीजों में इसके इलाज के साइड इफेक्ट, ट्यूमर ग्रोथ या धूप के कारण त्वचा का रंग बदल सकता है। त्वचा के रंग में यह बदलाव समय के साथ ठीक हो सकता है, लेकिन कई बार यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है। कई मरीज हैंड-फुट सिंड्रोम से ग्रसित होते हैं। इस बीमारी में कभी-कभी हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों में लालिमा, सूजन, दर्द और कभी-कभी झुनझुनी होती है। अगर आप या आपका कोई परिचित कैंसर का इलाज करवा रहा है और इस दौरान आपकी त्वचा के रंग में किसी तरह का बदलाव नजर आता है तो अपनी कैंसर केयर टीम को इसके बारे में बता दें।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

त्वचा का पीला पड़ना और आंखों

के सफेद हिस्से का भी पीला पड़ना।

गहरी गुलाबी या भुरे रंग की पेशाब। सफेद, मिट्टी जैसे रंग की, भुरी या ग्रे रंग की मल। त्वचा पर नील पड़ना या त्वचा का नीला या बैंगनी हो जाना और इसका कोई कारण स्पष्ट न होना। त्वचा का नीला या पीला पड़ने के साथ ही होंठ और नाखूनों का रंग भी बदलना। साथ ही सांस लेने में तकलीफ होना। त्वचा पर लाली या छोटे-छोटे दाने (रैशेस) होना। त्वचा के जिस हिस्से का रंग बदला है वहां पर सूजन आना।खुजली होना।

मरीज को क्या करना चाहिए

गर्म पानी और सौम्य साबुन से त्वचा को धोकर मुलायम कपड़े से साफ कर सकते हैं। प्रभावित हिस्से को सावधानीपूर्वक धोएं और अच्छे से सुखा लें। कैंसर डॉक्टर से बात करें और पूछें कि आकी त्वचा के लिए सबसे अच्छे स्किन केयर प्रोडक्ट क्या हो सकते हैं। अपनी त्वचा में नमी बनाए रखें।

प्रभावित हिस्से को गर्मी और ठंड से बचाएं।ढीले-ढाले और मुलायम कपड़े पहनें। स्किन रिएक्शन के लिए निर्धारित दवाएं लगाएं। धूप में जाने से बचें। बाहर जाना जरूरी हो तो चौड़ी हैट, सनग्लास और पूरे बाजू की शर्ट पहनें। धूप के संपर्क में आने वाली त्वचा पर एसपीएफ 30 या इससे अधिक एसपीएफ की सनस्क्रीम लगाएं। धूप में हैं तो हर दो घंटे में क्रीम लगाते रहें। नहाने और पसीना

आने के बाद भी क्रीम लगाएं।

घर के लोग क्या मदद कर सकते हैं

अगर रोगी के हाथ भी प्रभावित हैं तो उन्हें गर्म पानी से जुड़े कार्य न करने दें।

मॉइस्चराइजिंग लोशन या क्रीम से हल्की मालिश करें।

ये लक्षण दिखें तो कैंसर केयर टीम से संपर्क करें

अगर त्वचा या आंख का सफेद हिस्सा पीला पड़ गया है या दिनभर ऑरेंज या गहरे रंग की पेशाब हो या दो या दो से ज्यादा बार जाने पर मल सफेद या मिट्टी जैसे रंग का हो।

बहुत ज्यादा खुजली हो रही हो

शरीर पर घाव या नीले धब्बे, जो हफ्तेभर तक बने रहें और नए नील भी 3 दिनों तक दिख रहे हों।

त्वचा पर गुलाबी या लाल धब्बे या दाने नजर आना।

त्वचा का रंग बदलता ही नहीं है, कई बार त्वचा का रंग उड़ जाता है। यानी त्वचा सफेद होने लगती है। इस बीमारी को विटिलिगो कहते हैं। नीचे इस बीमारी के बारे में भी जानते हैं और पता करते हैं कि इसके कारण और जोखिम कारक क्या हैं?

विटिलिगो क्या है ?

विटिलिगो एक ऐसी स्थिति है, जिसमें त्वचा पर सफेद धब्बे बन जाते हैं। इससे शरीर का कोई भी हिस्सा प्रभावित हो सकता है और जिन लोगों को यह समस्या होती है, उनमें से अधिकांश लोगों के शरीर के कई हिस्सों में सफेद धब्बे हो जाते हैं।

विटिलिगो के कारण और जोखिम कारक

त्वचा का अपना कोई विशेष रंग नहीं होता, क्योंकि यह अपने मेलेनिन खो देती है। पिग्मेंट बनाने वाले सेल, जिन्हें मेलानोसाइट्स कहा जाता है वह किसी कारण से नष्ट हो जाते हैं, जिसके कारण विटिलिगो होता है। अभी तक इसका स्पष्ट कारण पता नहीं चला है। यह एक तरह का ऑटोइम्यून रोग भी हो सकता है, जिसमें हमारे शरीर का सुरक्षा चक्र, हमारे ही शरीर पर हमला कर देता है, जबकि यह किसी भी बाहरी नुकसानदायक वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने के लिए बना है। हालांकि, विटिलिगो किसी भी जाति, धर्म, लिंग या क्षेत्र के लोगों को हो सकता है, लेकिन गहरे रंग के लोगों में यह ज्यादा देखने को मिला है।

मीठा होने के बाद भी इन फलों का सेवन कर सकते हैं डायबिटीज रोगी

वैश्विक स्तर पर मधुमेह रोग का खतरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ता हुआ रिपोर्ट किया गया है। डायबिटीज, खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ने के कारण होने वाली समस्या है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्लड शुगर का बढ़ना और कम होना दोनों ही स्थितियां गंभीर समस्या का कारण बन सकती हैं, इसलिए इसे कंट्रोल में रखने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। आहार में गड़बड़ी के कारण शुगर के लेवल में बढ़ोतरी आने का खतरा अधिक होता है, ऐसे में सभी लोगों को इस तरह के जोखिमों को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है।

विशेषतौर पर जिन लोगों में डायबिटीज का निदान किया गया है उन्हें आहार का चयन बहुत सावधानी के साथ करना चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज रोगियों के लिए किसी भी आहार का चयन करते समय उसके ग्लाइसेमिक इंडेक्स पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इसी के आधार पर जाना जाता है कि कोई भोजन हमारे ब्लड शुगर लेवल को कितनी जल्दी बढ़ाता है? आमतौर पर शुगर से पीड़ित रोगी मीठे फलों का सेवन करना चाहिए या नहीं, इसको लेकर काफी भ्रम की स्थिति में रहते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि कई फल मीठे होने के बावजूद ग्लाइसेमिक इंडेक्स में कम होते हैं। ऐसे में इनका संयमित मात्रा में सेवन किया जा सकता है। आइए ऐसे ही कुछ फलों के बारे में जानते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

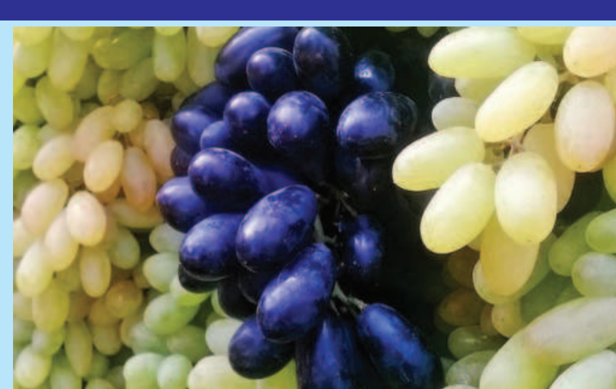

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर मीठा फल शुगर के लेवल को तेजी से बढ़ाता हो यह आवश्यक नहीं है। फलों के ग्लाइसेमिक इंडेक्स पर बहुत कुछ निर्भर

करता है। सामान्यतौर पर माना जाता है कि 55 से कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स रैंक वाले किसी भी चीज का सेवन मधुमेह रोगियों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। हालांकि मधुमेह की स्थिति सभी लोगों में अलग-अलग हो सकती है, इसलिए सही आहार और फलों का चयन करने के लिए किसी विशेषज्ञ की सहायता जरूर ले लेनी चाहिए।

अंगूर के फायदे

अंगूर को कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर फल के रूप में जाना जाता है। पक जाने पर अंगूर स्वाद में मीठे हो जाते हैं ऐसे में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज में अंगूर खाया जा सकता है? अध्ययनों से पता चलता है कि अंगूर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 25-30 के बीच माना जाता है, ऐसे में इसके सेवन से डायबिटीज बढ़ने का जोखिम कम होता है। अंगूर विटामिन-सी का अच्छा स्रोत हैं जो इसे शरीर के लिए कई प्रकार से फायदेमंद बनाते हैं।

डायबिटीज में सेब का सेवन

सेब, दुनियाभर में पसंदीदा फलों में से एक है। छिलके सहित सेब का सेवन करके दैनिक फाइबर की जरूरतों का लगभग 20 प्रतिशत प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा सेब में कई प्रकार के विटामिन्स और खनिजों की मात्रा पाई जाती है जो इसे शरीर के लिए काफी फायदेमंद फलों में से एक बनाती है। सेब का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 40 के करीब होता है ऐसे में इससे भी ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा कम होता है। डायबिटीज रोगी सेब का सेवन कर सकते हैं।

क्या डायबिटीज में खा सकते हैं आम?

डायबिटीज में आम खा सकते हैं या नहीं, यह सवाल सभी के मन में रहता है। आम स्वाद में मीठे होते हैं ऐसे में माना जाता है कि इनसे शुगर लेवल बढ़ने का खतरा अधिक होता है। पर ग्लाइसेमिक इडेक्स की बात करें तो आम की रैंकिंग 51 होती है जो इसे डायबिटीज रोगियों के लिए उपयुक्त बनाती है। हालांकि मधुमेह में आम खाने को लेकर विशेषज्ञों के अलग-अलग मत हैं इसलिए डॉक्टर के सलाह के आधार पर ही इस फल का सेवन किया जाना चाहिए।

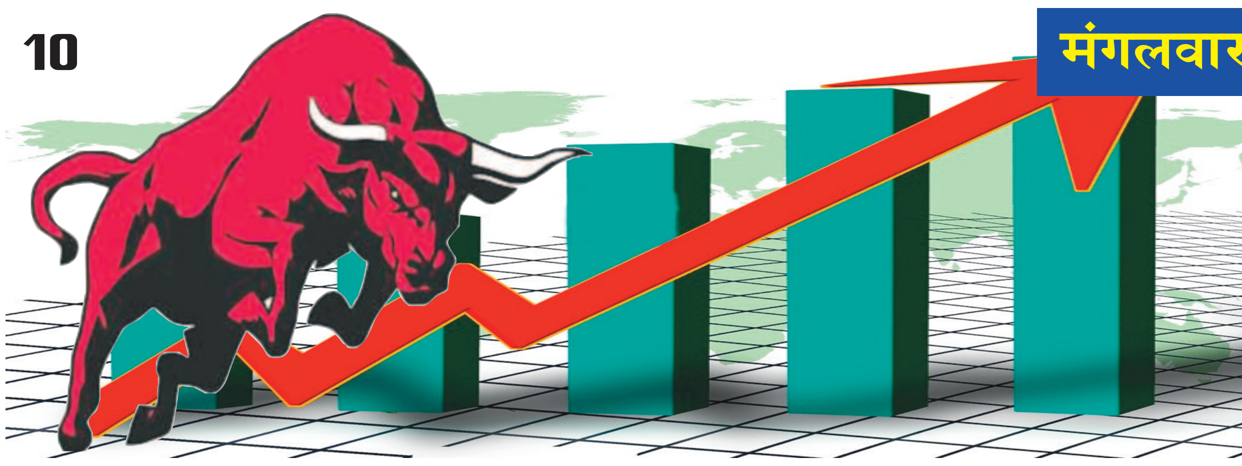

सोने की चमक हुई फीकी, चांदी चमकी, 30401 से 51968 तक है 10 ग्राम गोल्ड का भाव

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी के भाव में आज मामूली बदलाव देखने को मिल रहा है। अब आपको 24 कैरेट 10 ग्राम के लिए 58880 रुपये ही चुकाने पड़ेंगे। वहीं 22 कैरेट गोल्ड के लिए करीब 53934 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। इंडिया बुलियंस एसोसिएशन द्वारा जारी हाजिर रेट के मुताबिक सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट शुद्ध सोना शुक्रवार के बंद भाव 52019 के मुकाबले आज यानी सोमवार को केवल 51 रुपये सस्ता होकर 51968 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी 18 रुपये मजबूत होकर 57380 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी जोड़ लें तो इसका रेट 53527 रुपये हो जा रहा है, वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 58879 रुपये प्रति 10 ग्राम

पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 59101 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 65011 रुपये में देगा। अगर 23 कैरेट गोल्ड की बात करें तो आज यह 51760 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से खुला। इस पर भी 3 फीसद जीएसटी, मेंकिंग चार्ज और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 58644 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव 47603 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 49031 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी मेकिंग चार्ज और ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 53934 रुपये का पड़ेगा। वहीं, 18 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 38976 रुपये प्रति 10 ग्राम है। यह 3 फीसद जीएसटी के साथ 40145 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 44159 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव 30401 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। जीएसटी के साथ यह 31313 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 3444 रुपये का पड़ेगा।

राखी का कारोबार 6000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान, 25 फीसदी तक महंगी हुई राखियां

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे देश के प्रमुख बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। कोरोना काल के दो साल बाद इस बार लोगों में रक्षाबंधन को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आ है। पिछले दो साल से लड़खड़या राखी का कारोबार अब इस महामारी से पूरी तरह से उबर चुका है। इस साल व्यापार कोरोना के पहले के मुकाबले बढ़ा हुआ दिख रहा है। हालांकि कच्चा माल महंगा होने से इस साल बाजारों में राखियां महंगी जरूर हैं, लेकिन बिक्री पिछले साल से ज्यादा है। राखी के व्यापार से जुड़े कारोबारियों के मुताबिक, पिछले साल 3,500 से 4,500 करोड़ रुपये की राखियों का करोबार हुआ था। इस वर्ष ये आंकड़ा बढ़कर 5,000 से 6,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। राखी बनाने वालों का कहना है कि कुल लागत करीब 30 फीसदी बढ़ी है, मगर दाम 20 से 25 फीसदी ही बढ़ाए गए हैं। इससे मुनाफा घट गया है। देश में

दिल्ली का सदर बाजार राखी कारोबार का प्रमुख केंद्र है। यहां राखी के व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि कोरोना की वजह से पिछले दो साल राखी कारोबार के लिए ठीक नहीं रहे, लेकिन इस साल कोरोना का डर खत्म होने पर खुदरा कारोबारियों ने खूब राखियां खरीदी हैं। दाम बढ़ने के बावजूद इस बार 30 से 50 फीसदी से ज्यादा राखियां बिकने की उम्मीद है। व्यापारी अनिल जैन ने अमर उजाला को बताया कि शुरुआत में खुदरा कारोबारियों ने इस साल काफी ज्यादा माल खरीदा है। अब खरीद सुस्त पड़ती दिखाई दे रही है। अगर खुदरा कारोबारियों का पूरा माल नहीं बिका तो भुगतान फंसने का डर है। इस साल बाजार में किस्म-किस्म की राखियां नजर आ रही हैं। ईविल आई यानी नजरबट्टू राखी की खूब मांग है। ये राखियां 10 से 50 रुपये में मिल रही हैं। व्यापारियों का कहना है कि भले ही लागत बढ़ने से राखियां महंगी हों, लेकिन कारोबार पिछले साल की तुलना में 20 से 25 फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि इस इस साल राखी निर्माताओं पर बढ़ती लागत का भी बोझ पड़ा है। मोती, धागे, मनके से लेकर पैकेजिंग मैटेरियल तक के दाम काफी बढ़ गए हैं। पैकेजिंग वाले बॉक्स के दाम 50 रुपये से बढ़कर 70 रुपये हो गए हैं। राखी की प्रिंटिंग भी 25 फीसदी महंगी हुई है। राखी बनाने में इस्तेमाल होने वाली पन्नी 300 से 400 रुपये से बढ़कर 400 से 450 रुपये में मिल रही है। जिससे राखी की लागत भी 3 से 5 रुपये बढ़ गई है। मोती गुणवत्ता के हिसाब से 300 से 2,500 रुपए किलो मिल रहे हैं। इसकी वजह से राखी के दाम भी बढ़ाने पड़े हैं। पहले एक दर्जन राखियों का जो पैकेट 180 रुपए में बिक रहा था, आज उसकी कीमत 240 रुपये है। राखी बनाने वालों का कहना है कि कुल लागत करीब 30 फीसदी बढ़ी है, लेकिन दाम 20 से 25 फीसदी ही बढ़ाए गए हैं। इससे मुनाफा घट गया है। देश में दिल्ली के अलावा पश्चिम बंगाल भी राखी निर्माण का सबसे बड़ा केंद्र है। देश में कुल कारोबार में 50 से 60 फीसदी हिस्सा बंगाल का है। इसके बाद गुजरात, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान में बड़े पैमाने पर राखियां बनती हैं। चीन से सीधे राखी का आयात नहीं होती हैं, लेकिन इसे बनाने में लगने वाला सामान जैसे फैंसी पार्ट, पन्नी, फोम, सजावटी सामान, स्टोन आदि वहीं से आते हैं। राखी बनाने में उपयोग होने वाला 1,000 से 1,200 करोड़ रुपये मूल्य का कच्चा माल चीन से आयात किया जाता है।

सड़क बनाने वाली कंपनी बांटने जा रही है मुनाफा, पिछले एक महीने में दिया ताबड़तोड़ रिटर्न

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में इंटीग्रेटेड रोड और हाईवे बनाने वाली कंपनी आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड कंपनी ने इस साल तगड़ा रिटर्न देने के बाद अब मुनाफा बांटने का ऐलान किया है। 15,142.79 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली मिड कैप कंपनी ने अपने निवेशकों 1.25 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने की बात कही है। शेयर बाजार में कंपनी के स्टॉक की प्रदर्शन की बात करें तो इस कंपनी निवेशकों को निराश नहीं किया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है, 'बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 10 रुपये के फेस वैल्यू पर 1.25 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का अप्रूवल दिया है। यानी करीब 12.5% डिविडेंड निवेशकों को दिया जाएगा। कंपनी ने 17 अगस्त 2022 को रिकॉर्ड तय की है।' कंपनी के तिमाही नतीजे भी शानदार रहे हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 71.91 करोड़ रुपये की तुलना में 363 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यानी करीब 404% की उछाल देखने को मिली है। पिछले तीन साल के दौरान इस स्टॉक ने निवेशकों को 187.89% का रिटर्न दिया है। जबकि बीते एक साल की बात करें तो कंपनी के शेयर का भाव 48.85% बढ़ गया है। हालांकि, पिछले 6 महीने के प्रदर्शन की बात करें तो स्टॉक की कीमतों में 13.13% की गिरावट देखने को मिली है। अच्छी बात यह है कि बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इस दौरान कंपनी के शेयर का भाव 19.19% तक बढ़ गया है।

12,000 रुपये से सस्ते चाइनीज फोन भारत में होंगे बैन

सरकार जल्द कर सकती है एलान

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में चाइनीज मोबाइल कंपनियों पर बड़ी कार्रवाई की खबर है। रिपोर्ट आ रही है कि 12,000 रुपये से कम कीमत वाले चाइनीज फोन को भारत में बैन किया जाएगा। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि सरकार ने यह फैसला लावा, माइक्रोमैक्स जैसी घरेलू कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए लिया है। सरकार के इस फैसले से श्याओमी,विवो,ओप्पो,पोको,रेडमी,रियलमी जैसी कंपनियों को बड़ा झटका लगा है, हालांकि इस मामले पर सरकार की ओर से या किसी चाइनीज कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। सरकार के इस फैसले का मकसद एंट्री लेवल सेगमेंट में घरेलू कंपनियों के दबदबे को कायम करना है। बता दें कि भारत इस वक्त दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है, लेकिन कब्जा चाइनीज कंपनियों का है। घरेलू कंपनियां इन चाइनीज कंपनियों के आगे टिक नहीं पा रही है। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरप्वाइंट के अनुसार 150 डॉलर से कम के स्मार्टफोन ने जून 2022 तक तिमाही के लिए भारत की बिक्री की में एक तिहाई का योगदान दिया और इसमें चाइनीज कंपनियों का शिपमेंट 80% तक रहा है। सरकार के इस फैसले का फायदा सैमसंग और एपल को काफी होगा। सैमसंग मिडरेंज और एंट्री लेवल में अपने स्मार्टफोन लगातार पेश कर सकती है, वहीं मिडरेंज में एपल भी तेजी से आगे बढ़ सकता है। बता दें कि वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी कंपनियां पहले से ही इनकम टैक्स विभाग के निशाने पर हैं। इन कंपनियों पर टैक्स चोरी का भी आरोप लग चुका है। हाल ही में इन कंपनियों के ईडी के छापे भी पड़े हैं। बता दें कि इससे पहले 2020 में सरकार ने एक बार में करीब 60 चाइनीज एप्स पर बैन लगाए थे और उसके बाद कई बार चाइनीज एप्स पर बैन लगाए गए। अभी तक करीब 349 चाइनीज एप्स पर बैन लगा दिया गया है। हाल ही में पबजी के नए अवतार बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया को सरकार के आदेश के बाद गूगल प्ले-स्टोर और एपल के एप से हटाया गया है। बैटलग्राउंड मोबाइल इंडिया के स्टोर से हटाए जाने को लेकर कंपनी ने कहा है कि एप को स्थायी तौर पर बैन नहीं किया गया है, बल्कि इसे अस्थायी तौर पर ब्लॉक किया गया है।

कीमत बढ़ाने के लिए तेल कंपनियों का दबाव, घाटा 18,480 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अप्रैल-जून तिमाही में भारी घाटे के बाद तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां कीमतों को बढ़ाने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दी हैं। इनको 18,480 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। किसी भी एक तिमाही में यह अब तक का सबसे बड़ा घाटा है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती लागत और 6 अप्रैल के बाद से पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों को स्थिर रखने से उन्हें घाटा हुआ है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के कारण कंपनियों ने

137 दिन तक कीमतों में बदलाव नहीं किया था। हालांकि मार्च के अंत में 10 रुपये हर लीटर पर बढ़ा दिया था। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कहा, उसे अब तक का सबसे ज्यादा घाटा हुआ है जो 10,197 करोड़ रुपये रहा। जबकि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) को 6,290 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इंडियन ऑयल को 1,993 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। अप्रैल-जून में तीनों पेट्रोलियम कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। तिमाही के दौरान आयात कच्चे तेल की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल रही। लेकिन खुदरा बाजार में यह 85-86 डॉलर प्रति बैरल के आधार पर बेचा गया। हालांकि तेल कंपनियां कीमतों को बढ़ाने और घटाने के लिए स्वतंत्र हैं। बावजूद इसके वे कीमतों में कोई बदलाव नहीं कर पाईं।

मुकेश अंबानी का बड़ा फैसला, लगातार दूसरे साल नहीं ली कोई सैलरी

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अरबपति कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने लगातार दूसरे साल अपनी कंपनी से कोई वेतन नहीं लिया। अंबानी ने कोरोना वायरस महामारी के चलते व्यापार और अर्थव्यवस्था प्रभावित होने के कारण कंपनी से सैलरी नहीं लेने का फैसला किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी ताजा एनुअल रिपोर्ट में कहा कि फाइनेंशियल ईयर 2020-21 के लिए मुकेश अंबानी की सैलरी 'शून्य' थी। यानी बतौर एमडी और चेयरमैन के रूप में काम करने पर कंपनी ने उन्हें कोई सैलरी का भुगतान नहीं किया है। मुकेश अंबानी ने जून 2020 में स्वेच्छा से 2020-21 के लिए अपने वेतन को छोड़ने का

फैसला किया। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के चलते यह फैसला किया था। बता दें, अंबानी ने 2021-22 में भी अपना वेतन नहीं लिया। उन्होंने इन दोनों वर्षों में चेयरमैन और एमडी के रूप में अपनी भूमिका के लिए रिलायंस से किसी भी भत्ते, अनुलाभ, रिटायरल बेनिफिट, कमीशन या स्टॉक विकल्प का लाभ नहीं उठाया। इससे पहले उन्होंने एक व्यक्तिगत उदाहरण पेश करते हुए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के वेतन को 2008-09 से 15 करोड़ रुपये तक सीमित कर दिया था। उनके चचेरे भाई निखिल और हीतल मेसवानी की सैलरी 24 करोड़ रुपये इस दौरान थी। लेकिन इस बार इसमें 17.28 करोड़ रुपये का कमीशन शामिल था। कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद और पवन कुमार कपिल की सैलेरी में मामूली गिरावट हुई।मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी जो कंपनी के बोर्ड में नॉन एक्जक्यूटिव डायरेक्टर हैं उन्हें इस साल सिटिंग फीस के रूप में 5 लाख रुपये और मुआवजा के रूप में 2 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ है। पिछले साल उन्हें 8 लाख रुपये सिटिंग फीस और 1.65 करोड़ रुपये मुआवजा के तौर पर भुगतान किया गया था।

एलन मस्क ने दी ट्विटर के सीईओ को चुनौती

पराग अग्रवाल कर दें ये काम तो हो जाएगी डील

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क और मोइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के जारी विवाद के बीच मस्क ने ट्विटर सीईओ को नई पेशकश की है। एलन मस्क ने एक बार फिर ट्विटर खरीदने की इच्छा जताई है पर इसके लिए उन्होंने एक शर्त रख दी है। मस्क ने ट्विटर पर ही खुलेआम ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल को चुनौती देते हुए कहा है कि वह अपने सिर्फ 100 अकाउंट की सैंपलिंग करते हुए यह जांचने का तरीका बता दें कि यह फर्जी है या नहीं ऐसा करने पर वह ट्विटर को खरीद लेंगे। एलन मस्क ने माइक्रोब्लागिंग साइट ट्विटर पर एंड्रिया स्ट्रोप्पा नामक एक डेटा एनालिस्ट का जवाब देते हुए ट्विटर के सीईओ

पराग अग्रवाल को यह चुनौती दी है। एलन मस्क ने ट्वीट किया है कि अगर 100 अकाउंट की सैंपलिंग और ये अकाउंट फर्जी हैं या नहीं, ये जांचने का तरीका बता दें वे ट्विटर को दोबारा खरीदना चाहेंगे। मस्क ने इस दौरान यह भी कहा कि अगर ट्विटर की ओर से अमेरिकी नियामक को उपलब्ध कराई गई जानकारी गलत पायी गई तो ट्विटर डील कतई नहीं होगी। उससे पहले एंड्रिया स्ट्रोप्पा ने अपने एक ट्वीट में बताया था कि जब मस्क ने ट्विटर से फर्जी खातों से जुड़ी जानकारी मांगी तो ट्विटर की ओर से साफ-साफ कोई जवाब नहीं दिया गया। एंड्रिया स्ट्रोप्पा के ट्वीट के जवाब में ही मस्क ने पराग अग्रवाल को चुनौती देने वाला ट्वीट किया है। मस्क ने अपने ट्वीट में यह भी लिखा कि पराग अग्रवाल यह साबित कर दें कि ट्विटर में पांच फीसदी से कम फर्जी या स्पैम डेली यूजर्स हैं। अगर वे ऐसा कर देते हैं तो वे ट्विटर के साथ डील को फाइनल कर देंगे। दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी और टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने बीते दिनों 44 अरब डॉलर की ट्विटर डील को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि जब तक ट्विटर उन्हें फर्जी खातों की सही-सही जानकारी नहीं देगा वे इस डील को पूरा नहीं करेंगे।

इनकम टैक्स रिफंड जल्द पाने का यह है तरीका

ऐसे चेक करें स्टेटस

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट को लगभग 5.83 करोड़ टैक्स रिटर्न मिले हैं, जिसमें से 72 लाख से अधिक अंतिम दिन जमा किए गए। आईटीआर के वेरिफिकेशन के अभाव में आपका रिफंड नहीं मिलेगा। अगर आपका आईटीआर वेरिफाई हो भी गया है तो यह भी संभव हो सकता है कि आप भी रिटर्न अबतक ना पाएं हों। आइए जानते हैं सीए अजय बगड़िया से जानते हैं कि इसकी क्या वजह हो सकती है - रिफंड मिलने में देरी होने की एक बड़ी वजह अतिरिक्त डॉक्यूमेंट भी हो सकता है। ऐसे में इस समस्या को सुलझाने के लिए संबंधित अधिकारी से टेलीफोन या पोस्ट के जरिए संपर्क कर जरूरी डॉक्यूमेंट जमा करें। रिफंड ना मिलने की एक वजह वेरिफिकेशन भी होता है। अगर आपका भी आईटीआर तय समय-सीमा के अंदर वेरिफाई नहीं है तो वह इनवैलिड माना जाएगा। इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तहत ऐसे आइटीआर जो वेरिफाई नहीं है वो इनवैलिड करार दिए जाते हैं। अगर बैंक डिटेल्स में भी बदलाव आया है तब भी आपको रिफंड मिलने में देरी हो सकती है। अगर आपके प्राइमरी अकाउंट का ही मोबाइल नंबर और ई-मेल जैसी जानकारी नए अकाउंट से मिलती रहेगी तब भी अकाउंट वैलिड हो जाएगा। वहीं, अगर जानकारी बदली गई है तो पोर्टल पर वार्निंग पोर्टल दिखेगा।

कितना होता है राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति का वेतन, दोनों के पास कौन सी शक्तियां?

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को राज्यसभा से सोमवार को विदाई दी गई। नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है। नव निर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 11 अगस्त को नए उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले 25 जुलाई को ही द्रौपदी मुर्मू के रूप में देश को नई राष्ट्रपति मिली हैं। एक महीने के अंदर देश के दो सर्वोच्च पदों पर हुए बदलाव के साथ दोनों की शक्तियों को लेकर लोग चर्चा कर रहे हैं। दोनों को वेतना कितना मिलता है? इन पदों पर आसीन शख्स को सुविधाएं क्या दी जाती हैं? आइये जानते हैं... संविधान के अनुच्छेद 53 के मुताबिक, संघ की कार्यकारी शक्ति राष्ट्रपति में निहित है। इनका प्रयोग वह या तो सीधे या मंत्रिपरिषद के जरिए करता है। वह किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर सकता है और उसके पास अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में शक्तियां हैं। वह केंद्र-राज्य और अंतर-राज्य सहयोग के लिए एक अंतर-राज्य

परिषद की नियुक्ति करता है। प्रधानमंत्री, उसकी कैबिनेट, मुख्य न्यायाधीश व सुप्रीम कोर्ट ने अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। इसके साथ ही राज्यों के राज्यपाल, मुख्य निर्वाचन आयुक्त, अटॉर्नी जनरल जैसी संवैधानिक नियुक्तियां भी राष्ट्रपति ही करते हैं। संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किसी भी विधेयक को कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की सहमति जरूरी है। बिना राष्ट्रपति की सहमति के ये अधिनियम नहीं बन सकता है। संविधान के अनुच्छेद 11 के में राष्ट्रपति की वीटो पावर का जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक उसके पास तीन तरह की वीटो शक्तियां हैं...पूर्व वीटोः इसका उपयोग केवल दो मामलो में किया जा सकता है। पहला अगर संसद द्वारा पारित कोई विधेयक निजी विधेयक है। दूसरा- अगर किसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने से पहले मंत्रिमंडल का इस्तीफा हो जाता है। निलंबित वीटोः इस वीटो का इस्तेमाल करके राष्ट्रपति धन विधेयक को छोड़कर किसी भी विधेयक को राष्ट्रपति पुनर्विचार के लिए लौटा सकता है। हालांकि, संसद विधेयक को संशोधन के साथ या बिना संसोधन के फिर से पारित करके राष्ट्रपति को भेज सकती है। ऐसा होने पर राष्ट्रपति को उस विधेयक को मंजूरी देना अनिवार्य होता है। पॉकेट वीटोः इस स्थिति में किसी विधेयक की न तो की पुष्टि करता है और न ही अस्वीकार करता है और न ही वापस करता है, बल्कि अनिश्चित काल के लिए अपने पास रखे रहता है। दरअसल, राष्ट्रपति को किसी विधेयक के संबंध में निर्णय लेने की समयासीमा का उल्लेख संविधान में नहीं है। इसी का इस्तेमाल करके राष्ट्रपति किसी विधेयक को अधिनियम बनने से रोकता है। हालांकि, यह संविधान में उल्लेखित प्रावधान नहीं है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के अध्यक्ष होते हैं। राज्यसभा के संचालन की जिम्मेदारी उन्हीं की होती है। यह अमेरिकी उपराष्ट्रपति के समान है, जो सीनेट के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करते हैं। राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति ही उनके सारे कामकाज संभालते हैं। उपराष्ट्रपति अधिकतम छह महीने तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर सकते हैं। इस बीच नए राष्ट्रपति का निर्वाचन कराना अनिवार्य होता है।

राष्ट्रपति को हर महीने पांच लाख रुपये तनख्वाह के रूप में मिलते हैं। 2017 तक राष्ट्रपति को 1.5 लाख रुपये महीने तनख्वाह मिलती थी। 2018 में इसे बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया। तनख्वाह के साथ ही राष्ट्रपति को कई अतिरक्त अलाउंस मिलते हैं। इनमें जिंदगी भर के लिए मुफ्त चिकित्सा, आवास और उपचार सुविधा आदि शामिल है। राष्ट्रपति के आवास, स्टाफ, भोजन और मेहमानों की मेजबानी आदि पर सरकार हर साल करीब 2.25 करोड़ रुपये खर्च करती है।

फोर्ड के प्लांट में बनेंगी टाटा की कारें

फोर्ड मोटर्स के गुजरात प्लांट का टेकओवर करेगी टाटा, 725.7 करोड़ रु. का एग्रीमेंट साइन

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गुजरात के साणंद में मौजूद मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का टेकओवर टाटा मोटर्स लिमिटेड करने जा रही है। इसके लिए टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ 725.7 करोड़ रुपए के एग्रीमेंट पर साइन किए है। सरकारी अथॉरिटी के अप्रूवल्स के अनुसार ये डील क्लोज होगी। रिलीज में कहा गया है कि इस यूनिट ट्रांसफर एग्रीमेंट में पूरी लैंड और बिल्डिंग, मशीनरी और उपकरण के साथ व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और साणंद में एफआईपीएल के व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के सभी एलिजिबल एम्पलॉई का ट्रांसफर शामिल है। एग्रीमेंट के मुताबिक, एफआईपीएल अपने पावरट्रेन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के ऑपरेशन जारी रखेगी। इसके लिए वह टीपीईएमएल से पावरट्रेन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की बिल्डिंग्स और जमीन दोबारा लीज पर लेगी। प्लांट को रिकॉन्फिगर करने के लिए टीपीईएमएल इसमें इन्वेस्टमेंट करेगा। टाटा

मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर शैलेश चंद्रा ने कहा, 'एफआईपीएल के साथ आज साइन्ड एग्रीमेंट सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए फायदेमंद है और टाटा मोटर्स की पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में अपनी मार्केट पोजीशन को और मजबूत करने और इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में अपनी लीडरशिप पोजीशन को कंटिन्यू रखने की मजबूत आकांक्षा को दर्शाता है।' चंद्रा ने कहा, 'यह इंडियन ऑटो इंडस्ट्री के के ग्रोथ और डेवलपमेंट को गति देगा।'फोर्ड मोटर कंपनी के ट्रांसफॉर्मेशन ऑफिसर स्टीव आर्मस्ट्रांग ने कहाः 'आज की घोषणा भारत में फोर्ड के ऑनगोइंग बिजनेस की रिस्ट्रक्चरिंग में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्ट्रैटेजिक ट्रांसफॉर्मेशन के लिए हमारे फोर्ड + प्लान का हिस्सा है। एग्रीमेंट में एम्पलॉई ट्रांसफर भी शामिल है। ये बताता है कि इस रिस्ट्रक्चरिंग में जो भी लोग प्रभावित हुए है उनके लिए कंपनी के प्रयासों को दिखाता है। '

गहलोत के रेपिस्ट वाले बयान पर लोकसभा में हंगामा

कार्यवाही 1 घंटे तक स्थगित करनी पड़ी, भरतपुर सांसद पर हमले का मामला संसद में उठा

जयपुर/ नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर सांसद रंजीता कोली पर हुए हमले और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाबालिगों से रेप और फांसी पर दिए बयान को लेकर सोमवार को लोकसभा में महिला सांसदों ने हंगामा किया। शून्यकाल के दौरान लोकसभा में दोनों मामले उठे। बीजेपी की महिला सांसदों ने हंगामा किया। इसके बाद सभापति ने एक घंटे के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी।

लोकसभा में बीजेपी की महिला सांसद रंजना बेन भट्ट ने कहा- भरतपुर की महिला सांसद रंजीता कोली पर रविवार रात हमला हुआ है। हमलावरों पर कार्रवाई नहीं होना गंभीर बात है। चौथी बार हमला हुआ है। उन्होंने कहा- राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। राजस्थान के सीएम बेटियों से रेप करने वालों को फांसी की सजा देने के कानून को नहीं अमल कर रहे हैं। नाबालिगों से रेप करने वालों को फांसी देने का कानून है। रेपिस्ट को फांसी दी जानी चाहिए।

गहलोत ने कहा था- रेपिस्ट को फांसी के प्रावधान के बाद हत्याएं बढ़ीं

गहलोत ने कहा था- रेपिस्ट को फांसी के प्रावधान के बाद रेप बाद हत्याएं बढीं

सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को दिल्ली में कहा था कि निर्भया कांड के बाद जब से यह किया गया कि रेपिस्ट को फांसी की सजा मिलेगी। उसके बाद बच्चियों की रेप के बाद हत्याएं बहुत बढ़ रही हैं। रेप करने वाला देखता है कि कल यह मेरे खिलाफ गवाह बन जाएगी तो हत्या कर देता है।

देश में बहुत बड़ा चैलेंज है। पूरे देश से जो रिपोर्ट आ रही है, वह बहुत चिंताजनक है। वैसे भी आप देख रहे हैं कि बेरोजगारी बहुत भयंकर है। महंगाई का जमाना है। असामाजिक तत्व बहुत बढ़ रहे हैं। देश-प्रदेश में क्राइम बढ़ रहा है। हिंसा बढ़ रही है। छोटी-छोटी बातों पर झगड़े हो रहे हैं। तनाव और हिंसा बढ़ रही है। कहीं, बच्चियों से रेप हो रहे हैं। क्राइम लगातार बढ़ रहा है। जो बहुत चिंता की बात है।

सचिन पायलट ने जेपी नड्डा के गृह राज्य साधने के लिए शिमला में किया मंथन

सीएम भूपेश बघेल संग बनाई रणनीति

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने शिमला में वरिष्ठ नेताओं संग हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन किया। सचिन पायलट संग छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा भी मौजूद रहे। सचिन पायलट ने ट्वीट कर लिखा- हिमाचल कांग्रेस द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर शिमला में आयोजित आमसभा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद प्रताप सिंह बाजवा, राजीव शुक्ला और हिमाचल कांग्रेस के पदाकारियों व नेताओं के साथ चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट को हिमाचल विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जबकि छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जबकि सीएम अशोक गहलोत को गुजरात का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

जेपी नड्डा का गृह राज्य है हिमाचल प्रदेश

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के गृह राज्य को फतेह करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने पायलट को जिम्मेदारी सौंपी है। हिमाचल की हर विधानसभा क्षेत्र में गुर्जर वोटर है। कांग्रेस पायलट के जरिए गुर्जर वोटरों को साधना चाहती है। हिमाचल में विधासनभा चुनाव होने है। ऐसे में कांग्रेस ने चुनाव से पहले ही जातीय समीकरण साधने के लिए सचिन पायलट को हिमाचल भेजा है। हालांकि, पायलट को कभी हिमाचल से सीधा संपर्क नहीं रहा लेकिन, जानकार इनकी तैनाती को सोची-समझी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। प्रदेश में कोई करीबी नेता न होने के कारण इनके निर्णय और रिपोर्ट निष्पक्ष रहेगी। जेपी नड्डा के गृह राज्य होने के कारण सभी की नजरें हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों पर है। कांग्रेस हिमचाल के चुनाव जीत जाती है तो सचिन पायलच का कद निश्चित तौर पर बढ़ेगा।

प्रदेश पदाधिकारी रहे मौजूद

बैठक में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्षों सहित सभी समितियों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।। बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। सचिन पायलट ने सीएम बघेस संघ पार्टी पदाधिकारियों के साथ अलग बैठक कर फीडबैक लिया। प्रदेश कांग्रेस सगंठन महामंत्री रजनीश किमटा के अनुसार आठ अगस्त को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में आम सभा भी होगी।

ब्यूरोक्रेसी नियम और कायदे से कर रही है काम

ब्यूरोक्रेसी हावी होने के सवाल पर चिकित्सा मंत्री का बयान, यूडीएच मंत्री ने कहा था केंद्र के दबाव में काम करते हैं अधिकारी

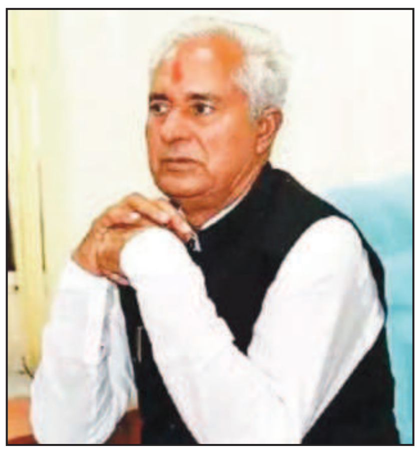

कोटा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। ब्यूरोक्रेसी के हावी होने के सवाल पर प्रदेश के चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा है कि ब्यूरोक्रेसी अपने नियम और कायदे से काम कर रही। दरअसल चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा सोमवार को कोटा दौरे पर रहे। यहां मीडिया से बातचीत के दौरान किए गए सवाल पर उन्होंने यह जवाब दिया। कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा था कि अधिकारी केंद्र के दबाव में काम कर रहे हैं। धारीवाल के इस बयान को लेकर जब चिकित्सा मंत्री से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। उन्होंने कहा कि वे तीन बार मंत्री रहे हैं आज तक उन्हें कभी नहीं लगा कि कोई भी अधिकारी या ब्यूरोक्रेसी उनके काम में अड़ंगा लगा रही है। सब अधिकारी सहयोग करते हैं। उन्हें नहीं लगता कि कोई अधिकारी केंद्र के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियम कायदे से काम कर रहे हैं।

जनसुनवाई की, अधिकारियों को निर्देश

मंत्री परसादीलाल मीणा ने सर्किट हाउस में रविवार को जनसुनवाई की। जनसुनवाई में लोग ट्रांसफर से लेकर सड़कों तक कि समस्या लेकर पहुंचे। कैथून में सड़क की शिकायत पर उन्होंने अधिकारियों को सीसी रोड निर्माण के निर्देश दिए।

गर्भवती महिला की संदिग्ध हालत में मौत

15 महीने पहले शादी हुई थी, पति पर मारपीट व प्रताड़ित करने का आरोप

दौसा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। दौसा जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतका सिकंदरा थाना क्षेत्र की रहने वाली है, जिसे गीजगढ़ अस्पताल से रैफर करने के बाद परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों ने मृतका के पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए पुलिस को रिपोर्ट दी है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

परिजनों ने बताया कि गीजगढ़ क्षेत्र के बूजोट गांव रहने वाली सपना मीणा (20) की शादी 25 अप्रैल 2021 को गंडरावा गांव के रमेशचंद मीणा के साथ हुई थी। मृतका सपना करीब 9 महीने की प्रेग्नेंट थी। आरोप है कि पति रमेश ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट करते हुए बूजोट गांव के बाहर पटक गया व उसे वापस ले जाने के लिए 2 लाख रुपए की डिमांड की। तबीयत बिगड़ने पर गीजगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो जांच के बाद डॉक्टर ने गर्भवती सपना को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने सपना की मौत की सूचना उसके पति रमेश को देने के बावजूद वह अस्पताल नहीं पहुंचा, इस पर उन्होंने पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी है। परिजनों ने न्याय की गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

रिपोर्ट मिलने पर कार्रवाई करेंगे - एसएचओ

सिकंदरा थाना इंचार्ज कमलेश कुमार ने बताया कि जिला अस्पताल में गंडरावा इलाके की गर्भवती महिला की मौत की सूचना पर जिला अस्पताल पहुंचे हैं। परिजनों से घटनाक्रम की जानकारी लेकर तथ्य जुटा रहे हैं। अभी पोस्टमार्टम कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट मिलने पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में बारिश से हवा में झूली पटरियां

जोधपुर-जैसलमेर रेल मार्ग पर ट्रेनों को रोका
10-11अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में तेज बारिश का दौर लगातार बना हुआ है। जोधपुर के लोहावट में सुबह तेज बारिश से पटरियों के नीचे से मिट्टी खिसक गई और ट्रैक हवा में झूल गया। ऐसे में जैसलमेर-जोधपुर रेल मार्ग पर ट्रेनों का संचालन रोक दिया। इधर, पिछले 24 घंटे के दौरान बीकानेर, जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और भरतपुर संभाग के 11 जिलों में अच्छी बरसात हुई। सबसे ज्यादा बारिश धौलपुर और श्रीगंगानगर जिले में हुई। सड़कों, मकानों में पानी भर गया।

सोमवार सुबह करीब सवा घंटे हुए तेज बारिश से लोहावट के पास 3 जगह से ट्रैक के नीचे से मिट्टी बह गई। ऐसे में एक जगह 10 मीटर तक पटरियां हवा में झूल गईं। रेलवे प्रशासन ने साबरमती एक्सप्रेस को लोहावट में रोक दिया। पैसेंजरों को रेलवे ने लोहावट से जैसलमेर, पोकरण व रामदेवरा के लिए बसों से रवाना किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

कैप्टन शशि किरण ने बताया कि एक ट्रेन को पूरी तरह से रद्द किया गया है। वहीं 5 ट्रेन को आंशिक रूप से रद्द किया गया है।

मौसम केन्द्र जयपुर ने उदयपुर, कोटा संभाग के झालावाड़, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, जैसलमेर, बूंदी, कोटा, बारां, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद में अच्छी बारिश होने का अनुमान जताया है। वहीं 10 और 11 अगस्त को 23 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

जल संसाधन विभाग और मौसम केन्द्र के मुताबिक सबसे ज्यादा 112मिमी (4 इंच से ज्यादा) बरसात धौलपुर जिले में हुई। यहां मुख्य बाजार में आधा फीट तक पानी भरने के बाद लोगों को वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ी।

गंगानगर जिले में भी 91मिमी (3.5 इंच) बारिश के बाद हालात खराब हो गए। यहा सड़कों से पानी की लेवल को कम करने के लिए यूआईटी और नगर परिषद को एक दर्जन पंप सेट लगाने पड़े। एक महीने के अंदर ये दूसरी बार है जब गंगानगर में तेज बारिश से हालात खराब हो गए।

इन 11 जिलों में हुई तेज बारिश श्रीगंगानगर, धौलपुर के अलावा राज्य के अलवर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, चूरू, जयपुर, जोधपुर, सिरोही और उदयपुर में कई जगहों पर अच्छी बरसात हुई। उदयपुर के गोगुंदा में 70, सिरोही के पिंडवाड़ा में 49, जोधपुर के भोपालगढ़ में 55, जयपुर शहर में 51, चूरू के रतनगढ़ व सरदारशहर में 47, बीकानेर के लूनकरणसर में 67, भरतपुर के बयाना में 52 और अलवर के किशनगढ़बास में 66मिमी बरसात हुई।

खाटूश्याम में भगदड़, 3 महिलाओं की मौत

मरने वालों में एक महिला जयपुर की; भीड़ कंट्रोल करने तैनात नहीं थी पुलिस, एसएचओ सस्पेंड

सीकर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर में सुबह खाटूश्याम मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 3 महिलाओं की मौत हो गई, इनमें एक जयपुर की थीं। 4 लोग घायल हुए हैं। इस घटना में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक एकादशी में भारी भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस अमला तैनात नहीं किया गया था। इस लापरवाही पर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने खाटू एसएचओ रिया चौधरी को सस्पेंड कर दिया है।

हादसा सुबह 5 बजे तब हुआ, जब एकादशी के मौके पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ काफी बढ़ गई थी। बताया जा रहा है कि उस वक्त गेट से बाहर करीब एक लाख लोग मौजूद थे। देर रात से ही श्रद्धालु लाइन में लगे थे। जैसे ही सुबह मंदिर के पट खुले, भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई।

सीएम ने दिए जांच के आदेश

राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। संभागायुक्त विकास सीताराम भाले पूरे मामले की जांच करेंगे। जांच से पहले ही जिला प्रशासन ने हादसे को भगदड़ मानने से इनकार कर दिया है। सीकर कलेक्टर अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि प्रवेश दर्शन मार्ग का गेट खोलते समय भीड़ के दबाव के चलते यह हादसा हुआ है।

हादसे में महिला शांति देवी, कृपा देवी और माया देवी मारी गई हैं। कृपा देवी जयपुर के मानसरोवर इलाके की रहने वाली थीं, वहीं माया देवी यूपी के हाथरस से थीं।

लंपी को लेकर केंद्र और राज्य में टकराव

केंद्र ने राष्ट्रीय आपदा मानने से किया इनकार, कहा-एसडीआरएफ फंड इस्तेमाल करे राजस्थान

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। लंपी को लेकर केंद्र और राज्य में टकराव के हालत बन गए हैं। गहलोत सरकार ने लंपी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और फंड जारी करने की मांग उठाई, तो केन्द्र ने स्टेट फंड से ही तुरंत पैदा खर्च कर लंपी वायरस से प्रभावित पशुओं और गायों का ईलाज करने के लिए कहा है। केन्द्र ने गायों में फैल रही लंपी बीमारी को राष्ट्रीय आपदा मानने से इनकार कर दिया है। रूपाला ने कहा देश में 5 राज्यों- पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड और अंडमान निकोबार में लंपी डिजीज का ज्यादा असर है। इनमें से राजस्थान अग्रणी है। उन्होंने कहा लोगों को संक्रमित गायों का दूध पीने से बचना चाहिए। प्रदेश के पशुपालन मंत्री लालचन्द कटारिया ने केंद्रीय मंत्री रूपाला से सेंट्रल स्पेशलिस्ट टीम भिजवाने की मांग करते हुए जितना पॉसिबल हो सके, मदद करने की उम्मीद जताई है। राजस्थान में अब तक 9329 गौवंश की लंपी वायरस स्किन डिजीज से अब तक मौत हो चुकी है। जबकि 1 लाख 93 हजार 824 पशु सरकारी रिकॉर्ड में संक्रमित बताए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रभावित पशुओं का आंकड़ा 2 लाख से ज्यादा है। केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने राजस्थान सरकार को इससे निपटने के लिए तुरंत एसडीआरएफ का पैसा इस्तेमाल करने की नसीहत भी दी है। केंद्र का तर्क है कि लंपी कुछ ही राज्यों और जिलों तक फैला है। जबकि गहलोत सरकार ने लंपी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग उठाई थी, यह भी तर्क दिया कि अगर इंसानों में कोरोना वायरस की तरह पशुओं में लंपी फैल गया, तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। राजस्थान ने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित कराने की मांग इसलिए रखी थी,ताकि केंद्र से प्रभावित राज्यों को फंड जारी हो सके। फ्री वैक्सीनेशन ड्राइव और दवाईयों का इंतजाम किया जा सके। जिन पशुपालकों की गायों की मौत हुई है,उन्हें आर्थिक मुआवजा दिलवाया जा सके। केंद्रीय मंत्री रूपाला ने वैक्सीन और दवाओं के लिए फंड की मांग पर आश्वासन देते हुए इतना जरूर कहा है कि केन्द्र सरकार की परमिशन की जरूरत हो, तो जल्द प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेजें। राज्य की मांगों पर गम्भीरता से आकलन (असेसमेंट) कर सम्भव होगा,उतना मदद की जाएगी। केंद्रीय पशुपालन कमिश्नर डॉ प्रवीण मलिक ने कहा है कि लंपी स्किन वायरस की कोविड वायरस से कोई तुलना नहीं की जा सकती है। कोविड आरएनए वायरस है, जो अपनी फॉर्म बदलता रहता है।

जयपुर में आयकर छापे में 150 करोड़ की ब्लैकमनी मिली

पांच दिन की जांच में 4 करोड़ नकद, 7 करोड़ के गहने जब्त

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर और कोटा में रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, ज्वेलरी, होटल-हॉस्पिटैलिटी और हॉर्टिकल्चर कारोबारियों के यहां इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी में अब तक 150 करोड़ की काली कमाई मिली है। कारोबारियों ने 70 करोड़ की अघोषित इनकम स्वीकार की है और टैक्स चुकाने की सहमति दी है।

छापों में मिलीं अकाउंट बुक्स से हिसाब मैच नहीं होने पर बरामद 6 करोड़ कैश में से 4 करोड़ रुपए और 7 करोड़ रुपए कीमत की ज्वेलरी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने जब्त कर ली है। सभी 24 लॉकर्स की तलाशी भी ले ली गई है। 3 अगस्त को शुरू हुई छापेमारी 7 अगस्त तक चली।

छापेमारी के पहले दिन 40 करोड़ की इनकम टैक्स चोरी पकड़ी

गई। आंकड़ा बढ़ते-बढ़ते तीसरे दिन 70 करोड़, चौथे दिन 100 करोड़ और अब 5 दिन में 150 करोड़ को पार कर गया। IT अफसरों को काफी डॉक्युमेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, हार्ड ड्राइव, मोबाइल, क्लाउड डाटा, डेस्कटॉप, लैपटॉप भी मिले हैं। टेक्निकल एक्सपर्ट्स की मदद से उनका अब एनालिसिस कराया जा रहा है। फ्लैट्स सेल पर होने वाले ऑन मनी लेनदेन संबंधी कागजात, ऑनलाइन मनी ट्रांसफर, बड़े पैमाने पर इनवेस्टमेंट और जमीनों की खरीद-फरोख्त के कागजात भी हाथ लगे हैं। कई जमीनों की पावर ऑफ अटॉर्नी रखवाकर कर्मचारियों के नाम पर उनकी खरीद हुई है। ऐसे तमाम हथकंडों की भी लीगल राय लेकर पड़ताल की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, आलोक कोटावाला, प्रमोद कोटावाला, आशीष अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, कमलेश जैन, भीमाराम पन्नालाल, चंद्रकांत ठक्कर, अक्षत ठक्कर और इनके करीबियों के कुल 37 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई अब खत्म हो गई है। अब डॉक्युमेंट्स, अकाउंट बुक्स, लेजर बुक्स और गैजेट्स का एनालिसिस किया जा रहा है। रियल एस्टेट से जुड़ा हुआ आशीष ग्रुप इसमें बड़ा नाम है। 200 से ज्यादा इमकम टैक्स और पुलिस कर्मचारी-अधिकारी रेड में शामिल रहे हैं। इनका अब जोधपुर और जयपुर ऑफिस लौटना शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई में 39 टीमें शामिल हुई थीं। जयपुर के अलावा काफी स्टाफ जोधपुर से शामिल किया गया था। मुम्बई और दिल्ली में भी कुछ ठिकानों की पड़ताल की जा रही है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले पकड़े

जैसलमेर-जोधपुर से 5 लोगों से पूछताछ, नेटवर्क का लगाया जा रहा पता

जैसलमेर/जोधपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। स्टेट इंटेलिजेंस की टीम ने जोधपुर संभाग में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के मामले में पांच लोगों को डिटेन किया है। इनमें से तीन जोधपुर व दो जैसलमेर के रहने वाले हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन लोगों ने किस तरह की सूचनाएं पाकिस्तान भेजी है। इनके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। जोधपुर में इंटेलिजेंस के आला अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि पांच लोगों से पूछताछ की जा रही है। स्टेट इंटेलिजेंस की टीम कुछ दिन से कई लोगों पर निगाह रखे हुए थी। बताया जा रहा है कि रविवार को एक साथ की गई बड़ी कार्रवाई में करीब 22 लोगों को पकड़ा था। इनमें से पांच के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के शक में डिटेन किया गया। जयपुर से एक टीम भी पूछताछ करने के लिए जोधपुर पहुंच चुकी है। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि इन लोगों का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से कैसे संपर्क हुआ। साथ ही इन लोगों ने अब तक क्या-क्या जानकारी पाकिस्तान भेजी। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये लोग हनीट्रैप का शिकार हुए या फिर आईएसआई के इस क्षेत्र में सक्रिय स्लीपर सेल के जरिए इन लोगों को साधा गया। देश की सबसे बड़ी फायरिंग रेंज पोकरण में होने के कारण इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां चलती रहती हैं। ऐसे में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी यहां होने वाली सैन्य गतिविधि की जानकारी लेने के लिए समय-समय पर लोगों को अपने जाल में फंसा लेती है।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की सैर संपन्न

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की सावन की सैर यादगिरीगुट्टा के समीप स्थित सौभाग्य रिसॉर्ट में संपन्न हुई। दोमलगुड़ा स्थित साधुराम नेत्र अस्पताल के समीप से शाखा द्वारा की गई एक बस और अन्य निजी वाहनों से प्रस्थान कर लगभग 70 लोगों ने सैर कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए रिसोर्ट द्वारा प्रदान किए गए खेलकूद, तैराकी, झूले, अन्य मनोरंजक कार्यक्रम के साथ ही सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात्रि के भोजन का आनंद उठाया। रश्मि अग्रवाल के संयोजन में आयोजित उक्त कार्यक्रम में के एस सदस्य सीमा अग्रवाल, महिला समिति की संयोजिका सरला अग्रवाल, और उप संयोजिका पूजा गुप्ता तथा अन्य के सहयोग से आयोजित विभिन्न खेलकूद की विजेता रितिका अग्रवाल, यशी अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, प्रतीक और सोनल अग्रवाल दंपत्ति, प्रीति अग्रवाल, दिव्याश्री अग्रवाल सपना और ज्योति, मनीष और सीमा अग्रवाल, तथा तंबोला के विजेता दर्शनी अग्रवाल, जानवी अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, ज्योति, गिरधारी लाल अग्रवाल और माया गुप्ता रहे। उपस्थित लोगों में से भाग्यशाली विजेताओं का पुरुषकार मेघना अग्रवाल, मीता पंसारी और अशोक अग्रवाल को प्राप्त हुआ। सैर में उपस्थित वरिष्ठ सदस्य गिरधारी लाल, कैलाश प्रसाद अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल के साथ ही रिसोर्ट की स्वामी वी वेंकटेश्वरलू, प्रबंधक मधु अग्रवाल समाज, तेलंगना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी और कार्यक्रम की संयोजिका रश्मि अग्रवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद प्रस्ताव शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक के संयोजक अक्षय अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम को सफल रूप प्रदान करने में शाखा उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल और अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

सीपी सीवी आनंद ने बीबी का अलम का दौरा किया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने सोमवार को दबीरपुरा में बीबी के अलम का दौरा किया। मीडिया से बात करते हुए सीपी आनंद ने कहा कि मंगलवार को बीबी का अलम से जुलूस निकाला जाएगा और जुलूस के सुचारू संचालन के लिए सभी इंतजाम किए गए है। उन्होंने कहा कि जुलूस के लिए ट्रैफिक डायवर्जन को अधिसूचित कर दिया गया है और पर्याप्त बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी जुलूस की निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा, "मैं जुलूस में भाग लेने वालों से अनुरोध करता हूं कि वे पुलिस अधिकारियों की बात मानें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सब कुछ शांति से हो।" अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डीएस चौहान ने भी बीबी का अलम का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने जुलूस के आयोजकों से बातचीत की और उन्हें पुलिस का सहयोग करने को कहा है। इस दौरान डीसीपी (दक्षिण) पी साई चैतन्य, अतिरिक्त डीसीपी (दक्षिण) बी आनंद और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जातिगत भेदभाव के खिलाफ केवीपीएस का संघर्ष सराहनीय : जेबी राजू

आसिफाबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध अंबेडकर अधिवक्ता जेबी राजू ने कहा कि दलितों के खिलाफ प्रमुख जातियों द्वारा दिखाए गए हमलों, सामाजिक बहिष्कार और भेदभाव के खिलाफ पीड़ितों की ओर से लड़ने वाली लड़ाई जाति-विरोधी भेदभाव सोसायटी (केवीपीएस) की बड़े पैमाने पर जारी है। स्वाभिमान, समानता, जाति उन्मूलन, ध्वज का अनावरण एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जॉन वेस्ले ने किया। सदस्यों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। जेबी राजू ने कहा कि जातिगत असमानताएं, शोषण और गलतियां सामाजिक मुक्ति में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। अम्बेडकर द्वारा दिखाई गई श्रम मुक्ति और अम्बेडकर केवीपीएस कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाए गए मार्क्स सामाजिक मुक्ति संघर्ष अग्रिम पंक्ति में हैं और लड़ते रहेंगे। डीएसएमएम के राज्य सचिव बीवी राघवुलु ने कहा कि केंद्र सरकार आजादी अमृत महोत्सव आयोजित कर रही है और 75 साल पुराने देश में दलितों को सुरक्षा प्रदान नहीं करने के लिए मोदी की आलोचना की। भाजपा ने उपयोजना को उठा लिया है। इन सम्मेलनों में केवीपीएस राज्य सचिव स्काईलैब बाबू, केवीपीएस कुमरंभीम जिला महासचिव दुर्गम दिनाकर, जिला अध्यक्षों जदी, मल्लैया नागेश, राजकुमार, श्रवण श्याम राव और अन्य ने भाग लिया।

'एक शाम वीर तेजाजी महाराज के नाम' तेजा गायन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भोनगिरी वीर तेजाजी महाराज के मंदिर प्रांगण में श्रावण मास के पावन अवसर पर वीर तेजाजी महाराज का भव्य तेजा गायन वीर तेजा गायक मित्र मंडली व भक्तों के सान्निध्य मे राजस्थान के सुप्रसिद्ध तेजा गायक 2 पार्टी की मधुर आवाज मे आयोजित किया गया। मित्र मंडली के सतपाल ढाडिया व गोविन्द सागुंण ने संयुक्तरुप से बताया कि मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर वीर तेजाजी महाराज का विशेष श्रृंगार कर रविवार 7 अगस्त पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर आरती के पश्चात् पधारे भक्तों एवं समाज बन्धुओं के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से तेजा गायन का भव्य आयोजन किया गया। तेजाजी महाराज के भजन तो बहुत कलाकारों द्वारा गाये जाते है, लेकिन तेलंगाना की पावन धरा पर भक्तों व समाज बन्धुओं को तेजा गायन राजस्थान के सुप्रसिद्ध तेजा गायक 2 पार्टी व डांसर द्वारा शानदार रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। तेजा गायन कार्यक्रम मे पधारे सम्मानित अतिथि आरएलपी पाली जिलाध्यक्ष मादुराम कुड़िया, सोहनसिंह राजपुरोहित बिरावास, जाट समाज एकता मंच प्रदेशाध्यक्ष धर्माराम ढाका, जाट समाज ट्रस्ट सचिव बाबुलाल पूनिया, कुमावत समाज चंगीचेरला अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश मोटावत, उद्यमी पन्नालाल बाबल, भरखादेवी आईस्क्रीम प्रबंधक प्रकाश जाट, पत्रकार परबत सोलंकी, देवासी समाज अध्यक्ष खींवाराम देवासी, भीकाराम गुर्जर मेडचल व अतिथियों का राजस्थानी पगड़ी व पुष्प-माला से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे वीर तेजा गायक मित्र मंडली भोनगिरी के सतपाल ढाढिया, गोविन्द सागुंण, बाबुलाल करेसिया, बाबुलाल पुनिया, ओमप्रकाश छाबा, तेजाराम थारोल, हनुमान ढाडिया, प्रकाश नेहरा, दुर्गाराम खोड़, दिनेश भडीयार, भानाराम ठिगला, महेन्द्र ढाडिया व सभी सदस्य उपस्थित रहे। मंच का संचालन सतपाल ढाडिया ने किया। वीर तेजाजी महाराज कीआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

अग्रवाल समाज हिमायतनागर शाखा की सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज हिमायतनागर शाखा की सावन की सैर बीबी नगर स्थित प्राइड रिसोर्ट में सम्पन्न हुई। उक्त जानकारी देते हुए शाखा कि महिला संयोजिका श्रीमती सुमन भुवानिया ने कहा सर्वप्रथम बशीरबाग़ स्तिथ कनक दुर्गा माता मंदिर के पास डॉ. मोहन गुप्ता द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर बस रवाना किया गया। बस एवं सुबह का नाश्ता शाखा अध्यक्ष पवन भुवानिया द्वारा प्रबंध किया गया। सावन की सैर में 70 से अधिक लोगों ने खूब मनोरंजन किया।

रिसोर्ट में लोगों ने स्विमिंग, रेन डांस, दूसरे एक्टिविटी का फायदा उठाया। दोपहर के खाने के बाद शाखा महिला संयोजिका सुमन भुवानिया एवं निर्मला संघी द्वारा मनोरंजक गेम्स में जैसे म्यूजिकल बेलून में मोनिका अग्रवाल प्रथम, ममता गुप्ता द्वितीय विजेता रही। मनीष गुप्ता को कांप्लिमेंट प्राइज दिया गया। दूसरे गेम्स में रिदिमा, सरला मित्तल, राधिका, विजेता रही। कपल गेम में अशोक केजरीवाल मंजु केजरीवाल, रत्नेश, शीतल, लक्ष्मी नारायण विजेता रहे।बस में गेम में शाखा संस्थापक डीपी अग्रवाल विजेता रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, मिठ्ठन लाल मित्तल, विकास अग्रवाल का योगदान रहा।

जैन विद्या परीक्षा के प्रमाण पत्र वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वीश्री त्रिशलाकुमारी जी के सान्निध्य में जैन विद्या परीक्षा के प्रमाण पत्र वितरण का आयोजन तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में किया गया। हैदराबाद से केंद्र व्यवस्थापक संगीता गोलछा ने बताया आज इस कार्यक्रम में लगभग 260 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित गए। हैदराबाद के 5 परीक्षार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। केंद्र से हैदराबाद को इस वर्ष 2022 के लिए 750 फार्म परीक्षार्थियों के फार्म भरने का टारगेट दिया गया है। लेकिन साध्वीश्री ने विशेष प्रेरणा देते हुए लोगों से अपील की हैदराबाद से कम से कम 1100 फार्म विद्यार्थियों को भरने चाहिए। केंद्र व्यवस्थापक श्रीमती संगीता गोलछा ने समाज से अनुरोध किया कि साध्वीश्री जी के इंगित को पूरा करने का पुरजोर प्रयास करें। आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित समण संस्कृति संकाय के अधिवेशन में हैदराबाद निवासी श्री पदम दुगड़ को केंद्र द्वारा श्रेष्ठ प्रभारी तथा श्रीमती संगीता गोलछा को श्रेष्ठ केंद्र व्यवस्थापक के रूप में चयनित किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत छावनी परिषद में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए सीईओ अजीत रेड्डी, नामित सदस्य रामकृष्णा, कार्यालय अधिकारी गोपाल दास, बालकिशन, नरसिंह, वेंकटरमणा व अन्य।

एनडीए के प्रत्याशी जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति चुने जाने पर जामबाग संभाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने राममंदिर रोड, गौलीगुडा के पास मिठाई बांटी। कार्यक्रम में राजू यादव, रामकृष्ण, रेणुका, नरसिंह शामिल हुए।

इंडियन कौंसिल ऑफ़ एस्ट्रोलॉजिकल साइंसेज को अपने चैप्टर चेयरमैन डॉ मधु मंगल ठाकुर के नेतृत्व में हिंदी महाविद्यालय, विद्यानगर, हैदराबाद में गुरु पूर्णिमा मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुरु सोमनाथ शर्मा को सम्मानित कर उनका पूजन किया गया। इसके बाद उपरांत डॉ मधु मंगल ठाकुर , डॉ एम यादय, प्रशांत शर्मा, श्रीनिवासन, सुभाष चंद्र पांडेय और विशाल तिवारी को सम्मानित किया।

हैदराबाद में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का सम्मान

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं नागौर सांसद हनुमानजी बेनीवाल का कोलसावाडी, बेगम बाजार में 36 कोम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। अभिनंदन सभा को संबोधित करते उन्होंने कहा कि सभी समाज की सेवा ही मेरा काम है। तेलंगाना में बसे सभी प्रवासी राजस्थानी अपनी मेहनत व सेवा के लिए जाने जाते हैं। इसका हमें गर्व है। रेलवे की समस्या का समाधान निकालने की भी बात उन्होंने कही। मंच प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका ने तथा समाज के प्रतिनिधियों ने उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। अवसर पर मंच प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, रामपाल देवडा, भंवरलाल गोदारा, बाबूलाल भादु, बजरंग दल तेलंगाना सचिव रुपाराम रोपडिया, नारणा राम डउकीया, आरके शर्मा तथा अन्य समाज के गनमान्य उपस्थित थे।

संजय अग्रवाल बने इक्रिसेट के नए एडीजी

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भारत सरकार की समिति के अध्यक्ष, संजय अग्रवाल आईसीआरआईएसएटी में सहायक महानिदेशक (एडीजी) बनाए गए है। आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक (डीजी) डॉ जैकलीन ह्यूजेस ने संजय अग्रवाल का स्वागत किया। भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण विभाग में सचिव के रूप में कार्य करते हुए, संजय अग्रवाल 2018 से 2022 तक इक्रिसैट गवर्निंग बोर्ड के पदेन सदस्य भी थे। इस अवसर पर डॉ ह्यूजेस ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि संजय अग्रवाल सहायक महानिदेशक के रूप में आईसीआरआईएसएटी में शामिल हो गए हैं। इस अवसर पर, संजय अग्रवाल ने कहा, "मैं एक स्वायत्त गैर-लाभकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में आईसीआरआईएसएटी के दृष्टिकोण और मिशन में योगदान देने और शुष्क भूमि कृषि में वैश्विक नेता के रूप में अपनी पहचान को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।"

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को सीतारामपुरम वीरंजनेय शिव पंचायतन में आयोजित विशेष पूजा में भाग लेते हुए छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, गोपाल गौड़, साईबाबा यादव व अन्य।

दुइनबाग, आसिफनगर स्थित श्री हनुमान बालाजी मंदिर के 14वें वार्षिक ब्रह्मोत्सव में भाग लेते हुए मुचुकुंदानदि स्वामी, श्रीश्रीश्री राहुलदास बाबा व अन्य भक्त।

दमरे के उप मुख्य अभियंता एसके शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता

राज्य स्तरीय 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी चैंपियनशिप में

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे उप मुख्य अभियंता एस. के शर्मा ने तेलंगाना राज्य के खेल प्राधिकरण, गच्चीबोवली में शूटिंग रेंज में हैदराबाद 5 से 7 अगस्त, 2022 तक आयोजित लेवल 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में छोटे बोर और शॉर्ट गन इवेंट- 2022 में आठवीं तेलंगाना राज्य शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस वर्ष दो नई श्रेणियां अर्थात् मास्टर्स चैंपियनशिप और सीनियर्स मास्टर चैंपियनशिप शुरू की गई हैं। यह तेलंगाना राज्य में शूटिंग खेलों के इतिहास में पहली बार है। 144 निशानेबाजी स्पर्धाओं में विभिन्न जिलों के 850 खिलाड़ियों ने भाग लिया। तेलंगाना राज्य से 45-50 वर्ष की आयु के कुल 20 प्रतिभागियों ने 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप के मास्टर वर्ग में भाग लिया। श्री एस के शर्मा ने 400 में से 355 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। वह अब आगामी 65वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में भाग लेने के योग्य हो गए हैं। महाप्रबंधक (प्रभारी) अरुण कुमार जैन ने एस. के. शर्मा को उनके प्रदर्शन और खेल भावना की उत्कृष्ट भावना दिखाने के लिए बधाई दी।

आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में बीडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने आज बीडीएल कॉर्पोरेट कार्यालय में कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। इस इवसर पर निदेशक (वित्त), बीडीएल एन. श्रीनिवासुलु, सीवीओ, बीडीएल डॉ. उपेंद्र वेन्नम, आईपीओएस, कार्यकारी निदेशक (विपणन), बीडीएल कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ऑनर होम्स की प्रतिष्ठात्मक प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते हुए ऑनर होम्स के को-फाउंडर एवं निदेशक एम. बालु चौधरी, पी. वेंकटेश्वरुलु, वाई. स्वप्न कुमार, फिल्म निदेशक एमएस राजमौली, ऑनर होम्स के ब्रांड एंबेस्डर फिल्मी स्टार अलु अर्जुन।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

तानाशाही सरकार के ...

उस अगस्त की शाम को लोग बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान में इकट्ठा होने लगे और गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया, जिसके साथ भारत में ब्रिटिश शासन का अंतिम अध्याय शुरू हुआ। राहुल गांधी ने कहा कि अपनी जान की परवाह किए बगैर देश के लाखों लोग इस आंदोलन का हिस्सा बने। इसमें करीब 940 लोग शहीद हुए और हजारों लोगों को अंग्रेजी सरकार द्वारा गिरफ्तार किया गया।

राहुल गांधी ने कहा, आज, भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत की वर्षगांठ पर, मैं उन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि आज तानाशाही सरकार के खिलाफ एक और 'करो या मरो' आंदोलन की जरूरत है।

देश की रक्षा के लिए अब समय आ गया है जब अन्याय के खिलाफ बोलना जरूरी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी को भारत छोड़ देना चाहिए।

इतना ही नहीं भाजपा सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत लोकतंत्र की मृत्यु देख रहा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में जो कोई भी लोगों के मुद्दों को उठाता है और तानाशाही की शुरूआत के खिलाफ खड़ा होता है, उस पर शातिर तरीके से हमला किया जाता है और उसे जेल में डाल दिया जाता है।

कथावाचक देवकीनंदन की ...

याचिका में कहा गया है कि लद्दाख में सिर्फ 1 प्रतिशत, मिजोरम में 2.75 प्रतिशत, लक्षद्वीप में 2.77 प्रतिशत, कश्मीर में 4 प्रतिशत हिंदू हैं।

इसके अलावा नगालैंड में 8.74 प्रतिशत, मेघालय में 11.52 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 29 प्रतिशत, पंजाब में 38.49 प्रतिशत और मणिपुर में 41.29 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके बावजूद सरकार ने उन्हें अल्पसंख्यक घोषित नहीं किया है।

देवकीनंदन ने याचिका में कई धर्मों के अनुयायियों की संख्या के आंकड़े पेश करते हुए इस पर चिंता जताई है। याचिका में कहा गया है कि 9 राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं, लेकिन वे फिर भी अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान नहीं खोल सकते, जबकि संविधान अल्पसंख्यकों को यह अधिकार देता है।

टीम इंडिया ने 4-1 से जीती सीरीज

5वें टी -20 में भारत ने वेस्टइंडीज को 88 रन से हराया, सभी 10 विकेट स्पिनर्स ने लिए

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने पांचवें टी -20 मैच में वेस्टइंडीज को एकतरफा अंदाज में 88 रन से हरा दिया। इसके साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज को 4-1 से जीत लिया है।

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 188 रन बनाए। ओपनिंग करने आए श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा 64 रनों की पारी खेली। दीपक हुड्डा ने 38 और कप्तान हार्दिक पंड्या ने 28 रन बनाए।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 15.4 ओवर में 100 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। शिमरन हेटमायर ने सबसे ज्यादा 56 रन बनाए। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने तीन-तीन विकेट।

वेस्टइंडीज की पारी में किसने किसे आउट किया

जेसन होल्डर खाता खोले बिना अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए।

अक्षर ने फिर शामराह ब्रूक्स और डेवॉन थॉमस को भी आउट किया।

कुलदीप यादव ने निकोलस पूरन का विकेट लिया।1

रोवमान पॉवेल को रवि बिश्नोई ने आउट किया।

बिश्नोई ने इसके बाद कीमो पॉल को भी पवेलियन चलता कर दिया।

कुलदीप यादव ने ड्रेक्स और ओडियन स्मिथ के विकेट लिए।

हेटमायर और ओबेड मकॉय का विकेट रवि बिश्नोई ने लिया।

अय्यर ने जमाई करियर की सातवीं फिफ्टी

ईशान किशन और श्रेयस अय्यर ने इस मैच में भारत की ओर से पारी की शुरुआत की। इन दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 4.3 ओवर में 38 रन जोड़े। ईशान ने अपनी पारी में 13 गेंदों का सामना किया और 1 चौका जमाया। वे खुल कर नहीं खेल पा रहे थे और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुए। श्रेयस अय्यर करियर की सातवीं फिफ्टी जमाकर आउट हुए। उन्होंने 40 गेंदों पर 64 रन बनाए।

अय्यर ने अपनी पारी में 8 चौके और 2 छक्के जमाए।

दीपक हुड्डा ने 25 गेंदों पर 38 रन बनाए। उनका विकेट हेडेन वॉल्श को मिला। संजू सैमसन 15 रन बनाकर बोल्ड हुए। दिनेश कार्तिक एक बार फिर फेल रहे। वे 9 गेंद पर 12 रन बनाकर आउट हुए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत:

हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, दीपक हुड्डा, दिनेश कार्तिक, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह।

वेस्टइंडीज:

एस. ब्रूक्स, निकोलस पूरन (कप्तान और विकेटकीपर), रोवमन पॉवेल, शिमरन हेटमायर, डेवोन थॉमस, ओडियन स्मिथ, जेसन होल्डर, कीमो पॉल, हेडेन वॉल्श, डोमिनिक ड्रेक्स और ओबेड मैकॉय।

किस टीम ने जीता कौन सा मैच

वेस्टइंडीज के सेंट किट्स में भारत ने पहला मैच जीतकर सीरीज की शुरुआत की थी। दूसरे मैच को अपने नाम कर मेजबान विंडीज ने सीरीज बराबर की। तीसरा मैच भारत ने जीता था और 2-1 की बढ़त बनाई। अमेरिका में खेले गए चौथे टी-20 मैच में भारत ने 59 रन से और पांचवें में 88 रन से जीत हासिल की।

पाकिस्तान के अरशद ने नीरज चोपड़ा से दूर भाला फेंका

कॉमनवेल्थ गेम्स में 90.18 मीटर थ्रो कर गोल्ड जीता, नीरज से 0.24 मीटर आगे निकले

बर्मिंघम, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जेवलिन थ्रोअर अरशद नदीम ने बर्मिंघम में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया है। उन्होंने रविवार रात 90.18 मीटर जेवलिन फेंककर गोल्ड मेडल जीता है। इस थ्रो के साथ अरशद नीरज चोपड़ा के ऑलटाइम बेस्ट थ्रो 89.94 मीटर से 0.24 मीटर आगे निकल गए हैं।

नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। वो वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान चोटिल हो गए थे। उस चैंपियनशिप के दौरान अरशद ने 86.16 मीटर का भाला फेंका था और 5वें नंबर पर रहे थे, जबकि नीरज ने 88.13 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता था।

पिछले साल टोक्यो ओलिंपिक के दौरान अरशद ने नीरज चोपड़ा का भाला उठा लिया था। उसके बाद भारतीय फैंस सोशल मीडिया में उन्हें ट्रोल करने लगे थे। ऐसे में नीरज चोपड़ा ने खुद एक पोस्ट कर अरशद का बचाव किया था। नीरज ने वीडियो पोस्ट में कहा था कि मैंने पहला थ्रो जल्दबाजी में किया था। फाइनल शुरू होने वाला था और मुझे अपना जेवलिन नहीं मिल रहा था। तभी मैंने देखा कि मेरा जेवलिन पाकिस्तानी थ्रोअर अरशद नदीम के हाथों में है। फिर मैंने उनसे जेवलिन लिया और जल्दीबाजी में थ्रो किया।

अरशद ने कहा था- पाकिस्तान में ऐसा भाला ही नहीं, जो नीरज को हरा सके

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से पहले अरशद नदीम ने कहा था कि पाकिस्तान में ऐसा भाला ही नहीं है, जो इंटरनेशनल लेवल पर फिट बैठता हो। उन्होंने बताया था कि नीरज चोपड़ा 4 लाख रुपए के भाले से प्रैक्टिस करते हैं, जो हमारे पास नहीं है। अरशद ने कहा था कि मैं किसी के साथ अपनी तुलना नहीं करता। मैं अपनी कोशिश करता हूं और सर्वश्रेष्ठ देने पर फोकस रखता हूं। अरशद नीरज चोपड़ा को आदर्श मानते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने यह बात कही थी।

कॉमनवेल्थ गेम्स का 11वां दिन

बैडमिंटन स्टार सिंधु और लक्ष्य सिंगल्स में जीते
सात्विक-चिराग ने डबल्स में जीता सोना
शरत कमल टीटी में चैंपियन

बर्मिंघम, 8 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स के 11वें दिन भारत को बैडमिंटन में तीन गोल्ड मिले। एक गोल्ड टेबल टेनिस में मिला है। इसके साथ ही भारत के अब 22 गोल्ड सहित कुल 60 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर है।

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने विमेंस सिंगल्स में और लक्ष्य सेन ने मेंस सिंगल्स में सुनहरी कामयाबी हासिल की। इसके बाद मेंस डबल्स में सात्विक साइराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी फाइनल मुकाबला जीत लिया। गोल्ड मेडल मैच में भारतीय जोड़ी ने सीन वेंडी और वेन लेन की इंग्लैंड की जोड़ी को 21-15, 21-13 से हराया।

मेंस सिंगल्स में कमल को 16 साल बाद गोल्ड

दूसरी ओर टेबल टेनिस के मेंस सिंगल्स फाइनल में 40 साल के भारतीय धुरंधर अचंता शरत कमल ने इंग्लैंड के लियाम पिचफोर्ड के 4-1 से हराकर गोल्ड जीता। शरत कमल ने 16 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में मेंस सिंगल्स का गोल्ड जीता है। इससे पहले उन्होंने 2006 में इस इवेंट में सोना हासिल किया था। 2022 में उन्होंने तीन गोल्ड जीते हैं। सिंगल्स से पहले उन्होंने मिक्स्ड डबल्स और मेंस टीम इवेंट में भी सुनहरी कामयाबी हासिल की थी।

ओवरऑल कॉमनवेल्थ गेम्स में कमल के नाम कुल 7 गोल्ड हो गए हैं।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी

20 साल के लक्ष्य ने फाइनल में मलेशिया के जेई यंग को तीन गेम तक चले मुकाबले में 19-21, 21-9, 21-16 से हराया। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम 19-21 से गंवा दिया। लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने जोरदार वापसी की और इसे 21-9 से जीतकर मैच में बराबरी हासिल कर ली है। तीसरे गेम में लक्ष्य ने 21-16 से जीत हासिल की।

लक्ष्य सेन से पहले बैडमिंटन के मेंस सिंगल्स में पी कश्यप ने 2014 में गोल्ड मेडल जीता था।

बैडमिंटन में भारतीय जोड़ी ने इंग्लैंड की जोड़ी को हराकर गोल्ड अपने नाम किया है। भारत के सात्विक-चिराग की जोड़ी ने यह मुकाबला 21-15, 21-13 के अंतर से जीता।

टेबल टेनिस में भारत को एक ब्रॉन्ज भी मिला

टेबल टेनिस के मेंस सिंगल्स मुकाबले में साथियान गणानाशेखरन ने इंग्लैंड के ड्रॉन्कहेल को 11-9, 11-3, 11-5, 8-11, 9-11, 10-12, 11-9 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है।

इससे पहले पीवी सिंधु ने फाइनल में कनाडा की मिशेल ली को 21-15, 21-13 से हराया। कॉमनवेल्थ में विमंस सिंगल्स मुकाबलों में सिंधु का यह पहला गोल्ड है। इससे पहले 2018 में सायना नेहवाल ने कॉमनवेल्थ में विमेंस सिंगल्स का गोल्ड जीता था। फाइनल में उन्होने सिंधु को ही हराया था।

टीम इंडिया का गोल्ड का सपना टूटा

महिला टीम कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में 9 रन से हारी, ऑस्ट्रेलिया को मिला सोना

बर्मिंघम, 8 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को 9 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। टीम इंडिया को सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में फाइनल मुकाबला मैच आखिरी ओवर तक गया, लेकिन भारत 162 रनों के टारगेट को हासिल नहीं कर सका। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए 161 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारतीय टीम आखिरी तक लड़ी लेकिन 152 रन ही बना पाई। टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा रन हरमनप्रीत कौर ने बनाए। उन्होंने 43 गेंद में 65 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट एश्ली गार्डनर ने लिए।

भारतीय महिला टीम की दोनों सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। मंधाना 7 गेंद में सिर्फ 6 रन बना पाईं और बोल्ड हो गईं। वहीं, शेफाली का कैच छूटा फिर भी वह इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाईं और 7 गेंद में 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

मैच में राधा यादव ने 2 खिलाड़ियों को अपनी शानदार फील्डिंग के दम पर पवेलियन भेजा। पहले उन्होंने कप्तान मेग लैनिंग को खुद गेंदबाजी करते हुए रन आउट किया तो वहीं, ताहलिया मैक्ग्रा का उन्होंने ऐसा कैच लपका कि कॉमेंटेटर उनको जोंटी रोड्स कहने पर मजबूर हो गए।

इसके बाद दीप्ति शर्मा ने भी एक लाजवाब कैच लपकते हुए कपिल देव की याद दिला दी। उन्होंने पीछे दौड़ते हुए बेथ मूनी का कैच लिया। 1983 के वर्ल्ड कप फाइनल में भी कुछ ऐसा ही कैच कपिल देव ने विव रिचड्र्स का लिया था।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारतीय टीम:

शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), तानिया भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, राधा यादव, स्नेह राणा, मेघना सिंह, रेणुका सिंह

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग XI :

मेग लैनिंग (कप्तान), एलिसा हीली, बेथ मूनी, रचेल हेंस, ग्रेस हैरिस, ताहलिया मैक्ग्रा, एश्ली गार्डनर, जेस जोनासन, मेगन शूट, डार्सी ब्राउन, एलाना किंग

मार्शल आर्ट्स चैंपियन के सिर में गोली मारी

5 बार के वर्ल्ड चैंपियन को ऑफ ड्युटी पुलिस अधिकारी ने स्पोर्ट्स क्लब में शूट किया

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील के लीजेंडरी मार्शल आर्ट्स चैंपियन लियांड्रो डो की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। उन्हें सिर पर गोली मारी गई है। हॉस्पिटल में उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 33 साल के लियांड्रो रविवार को अपने दोस्त के साथ साओ पाउलो स्पोर्ट्स क्लब सीरिया में थे। तो उन्हें एक ऑफ ड्युटी पुलिस ऑफिसर ने गोली मार दी। जो अब फरार है। लियांड्रो जियू-जित्सू फाइटर थे।

लो ने 2012 से 2020 से बीच 5 अलग-अलग वेट कैटेगरी में इंटरनेशनल ब्राजीलियन जिउ-जित्सु फेडरेशन (IBJJF) के वर्ल्ड टाइटल जीते हैं। यह ऑल टाइम रिकॉर्ड है। IBJJF ने घटना पर शोक व्यक्त किया। फिर सोशल मीडिया में यह मामला ट्रेल करने लग गया।

दोस्तों के साथ बाहर गए थे लियांड्रो

उनके वकील ने बताया कि वे एक कार्यक्रम के लिए दोस्तों के साथ बाहर गए थे। जब ऑफ-ड्यूटी पुलिस अधिकारी उनकी मेज पर पहुंचे और बोतल से धमकी देने वाले इशारे करने लगे। लो के दोस्तों ने दोनों से शांत होकर और जाने को कहा। तभी उस व्यक्ति ने कथित तौर पर पलट कर एक बंदूक निकाली और लिएंड्रो के सिर में गोली मार दी। शूटर की पहचान कर ली है और उसकी तलाश की जा रही है।

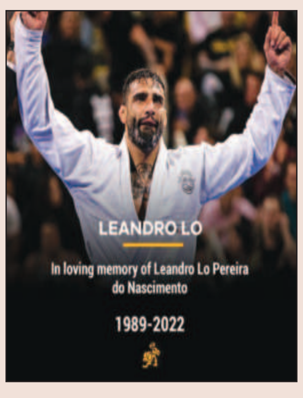

इस घटना ने मैक्सिको के युवा फुटबॉलर अलेक्जेंडर मार्टिनेज की याद दिला दी। जिसे दो साल पहले मैक्सिको पुलिस ने गोली मार दी थी। अलेक्जेंडर के दोस्तों आखिरी विदाई के दौरान भी उसके साथ फुटबॉल खेला। अलेक्जेंडर मार्टिनेज के दोस्त उसकी बॉडी को वहां लेकर गए जहां वह फुटबॉल खेला करता था।

कॉमनवेल्थ हॉकी फाइनल में भारत की करारी हार

ऑस्ट्रेलिया ने 7-0 से हराया, इंडियन मेंस टीम को सिल्वर मेडल से करना पड़ा संतोष

बर्मिंघम, 8 अगस्त (एजेंसियां)। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में मेंस हॉकी के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को करारी शिकस्त दी है। भारतीय टीम 7-0 से मुकाबला हार गई है। इसी के साथ इस मेगा टूर्नामेंट में भारत का गोल्ड जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया। इससे पहले 2010 और 2014 में भी ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत फाइनल में हार गया था। टीम इंडिया 2014 के बाद कॉमनवेल्थ में कोई मेडल अपने नाम कर पाई है। दिलचस्प है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों कॉमनवेल्थ फाइनल में भारतीय टीम एक भी गोल नहीं कर सकी।

इसी जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने कॉमनवेल्थ खेलों में लगातार 7वां गोल्ड मेडल जीत लिया। 1998 से कोई भी टीम ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में पस्त नहीं कर सकी है। कॉमनवेल्थ गेम्स में यह आखिरी इवेंट था। भारत को 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज मिले हैं। इस तरह भारत ने कुल 61 मेडल अपने नाम किए। अंक तालिका में भारत चौथे नंबर पर रहा।

भारतीय डिफेंडर्स ने ऑस्ट्रेलिया के दो पेनल्टी कॉर्नर नाकाम करने में सफलता हासिल की, लेकिन तीसरे प्रयास में ऑस्ट्रेलिया ने गोल कर दिया। ब्लैक गोवर्स ने 9वें मिनट में अपनी टीम का खाता खोला। नेथन एफहार्मस ने 14वें मिनट में फील्ड गोल कर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को दोगुना कर दिया।

22वें मिनट में जैकब एंडर्सन ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से आगे कर दिया। चौथा गोल टॉम विकहैम ने 26वें मिनट में किया। एंडरसन ने 27वें मिनट में एक और गोल कर दिया।

डीप डिफेंडिंग में भारतीय खिलाड़ी गलतियां कर रहे हैं। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया को अब तक पांच पेनल्टी कॉर्नर मिल चुके हैं। तीन पेनल्टी कॉर्नर तो पहले 10 मिनट में ही मिल गए थे।

2010 और 2014 में फाइनल में पहुंचा था भारत

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स और 2014 ग्लास्गो कॉमनवेल्थ के फाइनल में पहुंची थी। तब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को गोल्ड मेडल के मैच में हराया था। मनप्रीत सिंह की अगुआई में फाइनल से पहले भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया था। टीम टूर्नामेंट में अजेय रही थी।

गरीबी मिटने पर ही देश का वास्तविक विकास संभव : केसीआर

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में वर्तमान पीढ़ी को जागरूक करने का किया आह्वान

सीएम ने किया स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु समारोह का शुभारंभ

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को यहां हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में पखवाड़े तक चलने वाले "स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु" (स्वतंत्रता का हीरक जयंती समारोह) का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, केसीआर ने समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का वास्तविक विकास तभी संभव है जब मौजूदा गरीबी को मिटा दिया जाए। भले ही देश ने पिछले 75 वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति देखी हो, फिर भी कुछ क्षेत्रों में और अधिक प्रगति हासिल करने की आवश्यकता है। देश में गरीबी का प्रचलन जारी है और दलितों और कुछ अन्य हाशिए के वर्गों के लोगों को अभी भी लगता है कि समाज में विभिन्न चरणों में उनके साथ अन्याय हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक देश में गरीबी है, लोगों का संघर्ष और उनका आक्रोश जारी रहेगा। केसीआर ने कहा कि हम इसे विकास तभी कह सकते हैं जब देश के सभी हितधारकों के लोग खुश हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में वर्तमान पीढ़ी को जागरूक करने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि भारत को आजादी आसानी से नहीं मिली। उसने लगभग 150 वर्षों के संघर्ष और हजारों लोगों के बलिदान के बाद आजादी हासिल की थी। वर्तमान पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम के दर्द और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में नहीं जानती है। हमारे पास एक है वर्तमान पीढ़ी को स्वतंत्र आंदोलन के बारे में समझाने और उनमें देशभक्ति की भावना पैदा करने की जिम्मेदारी। यह कहते हुए कि उनमें से कुछ इस तरह से व्यवहार कर रहे हैं जो गांधी का अपमान करते हैं, केसीआर ने कहा कि महात्मा हमेशा महात्मा के रूप में रहते हैं। वे भारत के ही नहीं, विश्व के भी सपूत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में रिचर्ड एटनबरो की "गांधी" फिल्म 552 सिनेमाघरों को तेलुगु और हिंदी दोनों संस्करणों में प्रदर्शित करने का फैसला किया है और फिल्म को 9 से 22 अगस्त तक मुफ्त में दिखाया जाएगा, जिसका उद्देश्य लगभग 22 लाख स्कूली बच्चों को इसे दिखाना है। केसीआर ने सभी विभागों के मंत्रियों, विधायकों, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों से भी समारोह में बड़े पैमाने पर भाग लेने और इसे एक शानदार सफलता बनाने की अपील की।

इंटर के छात्र ने की आत्महत्या

कोत्तागुडेम, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के येलंदु कस्बे में सोमवार को इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के छात्र सिरिल प्रीथम (18) ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसने कस्बे के सोलहवें वार्ड में अपने आवास पर पंखे से लटक कर फांसी लगा ली। उनका परिवार रविवार को स्थानीय कोटा मैसम्मा मंदिर से पूजा-अर्चना कर लौटा था, जिसके बाद से उन्हें मूडी बताया जा रहा था। सुबह के समय छात्र ने अपनी मां हेमलता को कॉलेज जाने के लिए नहाने के लिए गर्म पानी लाने को कहा और अपने कमरे में चला गया। काफी समय बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा तो प्रीतम के पिता श्रीधर ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि बालक पंखे से लटका हुआ है।

परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से छात्र को येलंदू सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। छात्र के इस कदम के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

आसिफाबाद, मंचेरियल, आदिलाबाद के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश

आदिलाबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और आदिलाबाद जिलों के कई हिस्सों में सोमवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप नदियों में बाढ़ आ गई और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में औसतन 49.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। बेजुर मंडल में सबसे अधिक 96 मिमी बारिश हुई। जैनूर मंडल में सबसे कम 24 मिमी बारिश हुई। 1 जून से 8 अगस्त तक 587 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले जिले की वास्तविक वर्षा 1,232 मिमी मापी गई, जो 110 प्रतिशत की अधिकता को दर्शाती है।

मंचेरियल जिले की औसत वर्षा 27.9 मिमी वर्षा थी। हाजीपुर मंडल में सबसे अधिक 44.9 मिमी वर्षा देखी गई, इसके बाद जयपुर मंडल में 38.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 598 मिमी की सामान्य वर्षा की तुलना में जिले की वास्तविक वर्षा 1,123 मिमी थी, जो विचलन को 88 प्रतिशत दर्शाती है। इस बीच, आदिलाबाद जिले में औसतन 25.7 मिमी और निर्मल जिले में औसतन 19.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। पहाड़ी नाले उफान पर थे, जिससे निचले स्तर के पुल और सड़कें जलमग्न हो गईं। कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और आदिलाबाद जिलों के दूरदराज के हिस्से मुख्यधारा से कटे हुए हैं। बेजजुर, दहेगांव, पेंचिकलपेट मंडलों के अंदरूनी गांवों में रहने वाले लोग अलग-थलग पड़ गए।

कुमराम भीम परियोजना में 13,173 क्यूसेक पानी का प्रवाह हुआ। 243 मीटर के पूर्ण जलाशय स्तर के मुकाबले जल स्तर 238.9 मीटर तक पहुंच गया। 1.50 मीटर की ऊंचाई तक तीन फाटकों को उठाकर अधिशेष पानी को नीचे की ओर छोड़ा गया। कई अन्य सिंचाई परियोजनाओं में ऊपरी क्षेत्रों में बारिश के कारण अंतर्वाह हुआ। किसानों का कहना है कि खड़ी कपास, धान, सोया और लाल चने को बारिश से नुकसान हुआ है. वे चाहते थे कि कृषि विभाग के अधिकारी फसल के नुकसान का आकलन करें। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि इस कृषि मौसम में जुलाई और अगस्त में दर्ज की गई भारी बारिश के कारण उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

केसीआर ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने पर निखत जरीन को बधाई दी

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना की मुक्केबाज निखत जरीन को बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में महिला मुक्केबाजी फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी।

उन्होंने उसकी जीत पर खुशी जाहिर की और कामना की कि वह अपनी जीत का सिलसिला जारी रखे। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि निखत जरीन की जीत ने एक बार फिर तेलंगाना के साथ-साथ भारत को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित किया है।

उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार तेलंगाना में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना जारी रखेगी। केसीआर ने व्यक्तिगत रूप से निखत जरीन से फोन पर बात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने स्वर्ण पदक जीता है और पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

दमरे ने धर्मावरम–पकाला खंड का विद्युतीकरण पूरा किया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने आंध्र प्रदेश के धर्मावरम-पकाला खंड के पूरे खंड के बीच विद्युतीकरण कार्यों को पूरा करके अपने नेटवर्क में रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण के मार्ग में एक और मील का पत्थर हासिल किया है। धर्मावरम-पकाला खंड में 50 किलोमीटर की दूरी के लिए कलिकिरी-तुम्मानमगुट्टा के अंतिम खंड को अब मिशन विद्युतीकरण को बढ़ावा देने के लिए विद्युतीकृत किया गया है। इससे विशेष रूप से आंध्र प्रदेश राज्य में रायलसीमा क्षेत्र में प्रमुख बुनियादी ढांचे में वृद्धि हुई है, जिससे रायलसीमा क्षेत्र के अनंतपुर, कुर्नूल और चित्तूर जिलों के आंतरिक वर्गों में विद्युत कर्षण की शुरूआत की सुविधा हुई है। ट्रेनों को अब बिजली के कर्षण के साथ तिरुपति, काटपाडी, चेन्नई और धर्मावरम, कादिरी, पकाला के रास्ते से अंत तक संचालित किया जा सकता है।

पूरे गुंतकल मंडल की रेलवे लाइनों का अब विद्युतीकरण कर दिया गया है। धर्मावरम-पकाला विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में 50 किलोमीटर की दूरी के लिए कलिकिरी-तुम्मानमगुट्टा के बीच के खंड का विद्युतीकरण किया गया है।

यह परियोजना वर्ष 2017-18 में 253 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 228 किलोमीटर की दूरी के लिए स्वीकृत की गई है। 68 रूट किलोमीटर की दूरी के लिए धर्मावरम-कादिरी के बीच के खंड को मार्च 2021 में पूरा किया गया था और कादिरी-तुम्मानमगुट्टा के बीच 54 किलोमीटर और पकाला-कलिकिरी के बीच 56 किलोमीटर के खंड को मार्च 2022 में विद्युतीकृत किया गया है। तुम्मानमगुट्टा के बीच खंड में अंतिम खंड-धर्मावरम-पकाला विद्युतीकरण परियोजना के पूरा होने के साथ-साथ पूरे गुंतकल मंडल के विद्युतीकरण को चिह्नित करते हुए 50 किलोमीटर के लिए कलिकिरी को अब पूरा कर लिया गया है। रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण के अल्पकालिक और दीर्घकालिक कई लाभ है। कर्षण शक्ति में परिवर्तन से बचकर ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करना कोचिंग और मालगाड़ियों, दोनों के रास्ते में ठहराव में कमी, ट्रेनों की औसत गति में सुधार एक ही समय में ईंधन लागत की बचत करते हुए, ट्रेनों को बिजली देने का एक पर्यावरण के अनुकूल साधन प्रदान करता है। दक्षिण मध्य रेलवे प्रभारी महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने विद्युतीकरण परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने के लिए समर्पित प्रयासों के लिए जोनल और मंडल दोनों स्तरों पर गुंतकल मंडल और इलेक्ट्रिक विंग के रेलवे अधिकारियों की सराहना की। महाप्रबंधक ने पूरे जोन में विद्युतीकरण कार्यों में तेजी लाने की सलाह दी है ताकि वर्ष 2023 के अंत तक सभी कार्यों को पूरा किया जा सके।

देश हित में आंध्र के सथुपल्ली और देवरापल्ली के बीच लंबित रेल लाइन का वित्तपोषण करे केन्द्र : माधवी

नई दिल्ली, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वाई एस आर कांग्रेस पार्टी ने केन्द्र सरकार से सथुपल्ली और देवरापल्ली के बीच लंबित रेल लाइन के हिस्से का वित्तपोषण करके जल्द से जल्द पूरा करके आंध्र प्रदेश की मदद करने का अनुरोध किया है।

पार्टी की अराकू से लोकसभा सदस्य श्रीमती गोड्डेटी माधवी ने शून्य काल के दौरान सदन में इस मामले को उठाते हुये कहा कि वास्तव में दक्षिण-मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र के तहत भद्राचलम और कोव्वूर के बीच लंबित रेल लाईन को 2012 में मंजूरी दी गई थी और उसका कुछ हिस्सा ही पूरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद नये राज्य को इस परियोजना में 50 प्रतिशत हिस्से का भुगतान करना था, लेकिन विभाजन के कारण आंध्र प्रदेश के राजस्व में कमी का सामना करना पड़ा। सथुपल्ली और देवरापल्ली के बीच बकाया हिस्से के पूरा होने से विजाग-हैदराबाद और भुवनेश्वर-बंगलुरू जैसे प्रमुख शहरों के बीच यात्रा की दूरी कम हो जायेगी। इससे कई राज्यों और रेलवे को भी आर्थिक रूप से फायदा होगा।

श्रीमती माधवी ने बताया कि रेल लाईन 4 एससी और 2 एसटी खंड़ों वाले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र से होकर गुजरती है, इसलिए केन्द्र सरकार के लिए उपयुक्त होगा कि वह पूरे देश के हित में इस परियोजना का वित्तपोषण करे।

महिला के साथ मारपीट करने वाले को जेल

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी में 2015 में एक महिला को गाली देने और मारपीट करने के मामले में एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को एक व्यक्ति को दो साल कैद की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। मौला अली निवासी टी. प्रेम कुमार (43) ने पीड़िता से 15 लाख रुपये का कर्ज लिया था। महिला ने जब उसे चुकाने के लिए कहा तो उसने महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। मलकाजगिरी पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सत्तारूढ़ टीआरएस में बहुत जल्द आएगा भूकंप : मुरलीधर राव

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय महासचिव और भाजपा मुरलीधर राव ने आज कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी में बहुत जल्द भूकंप आएगा। उन्होंने कहा कि वे अर्थव्यवस्था पर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ सार्वजनिक बहस करने के लिए तैयार हैं, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विनिमय बाजार में गिरते रुपये पर एक बहस भी शामिल है।

आर्थिक मंदी के बारे में बात करते हुए मुरलीधर राव ने कहा कि मंदी कई कारणों से दुनिया भर में हो रही है। उन्होंने कहा कि डॉलर के संबंध में रुपये की गिरावट अन्य देशों की मुद्राओं की तुलना में बहुत कम है। केसीआर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक को गैर-निष्पादित संगठन बताते हुए उसका बहिष्कार किया और कहा कि भाजपा शासित राज्यों के किसी भी मुख्यमंत्री ने बैठक का बहिष्कार नहीं किया। बैठक में देश में फसल के डायवर्जन पर चर्चा की गई और कहा गया कि कुछ उत्पादों से जीएसटी हटाने का सुझाव दिया गया था और कहा कि उन्होंने नीति आयोग की बैठक में मुद्रास्फीति के बारे में भी चर्चा की। भाजपा नेता ने दावा किया कि विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट के बावजूद देश आर्थिक संकट की ओर नहीं जा रहा है। उन्होंने मजाक उड़ाया कि न तो केसीआर और न ही उनके बेटे केटीआर को अर्थशास्त्र की जानकारी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर और केटीआर अपनी पार्टी के खिलाफ यह कहकर निराधार अभियान चला रहे हैं कि केंद्र सरकार ने बीएसएनएल और एलआईसी जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बेच दिया है। मुफ्त कल्याण योजनाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि टिप्पणियां देश के किसी विशेष राज्य के लिए नहीं थीं और उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी भी कंपनी के कॉर्पोरेट ऋण को माफ नहीं किया है।

मुरलीधर राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव केंद्र सरकार के खिलाफ झूठा अभियान चला रहे हैं क्योंकि वह ईडी के मामलों का सामना करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी में जल्द ही असंतोष का बम फूटेगा। उन्होंने कहा कि वे सिद्दीपेट चौराहे पर टीआरएस पार्टी के नेताओं के साथ एक सार्वजनिक बहस करने के लिए तैयार थे और दावा किया कि सिद्दीपेट के निवासी सत्तारूढ़ दल को सबक सिखाने के लिए तैयार थे, जबकि भविष्यवाणी करते हुए कि टीआरएस पार्टी सिद्दीपेट में अगला चुनाव हार जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

तेलंगाना के स्कूलों पर ध्यान देगी कांग्रेस : रेवंत

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों, खासकर उनकी खराब स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है।

टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में राज्य सरकार की विफलता पर सवाल उठाया।

अपने औपचारिक ट्विटर हैंडल पर रेवंत रेड्डी ने कहा कि स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और किताबें नहीं हैं।

अपने ट्वीट में, उन्होंने वीडियो प्रारूप में अचमपेट विधानसभा क्षेत्र के तगापुर सरकारी हाई स्कूल की खराब स्थिति पर प्रकाश डाला। स्कूल के कमरे जीर्ण-शीर्ण और प्रदूषित पानी में हैं।

उन्होंने लोगों को राज्य के स्कूलों के विकास पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और शिक्षा मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी द्वारा किए गए वादों के बारे में याद दिलाया।

डाक कर्मचारियों ने करीमनगर में हर घर तिरंगा रैली निकाली

करीमनगर, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर संभाग के डाक विभाग के कर्मचारियों ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रत्येक घर के ऊपर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के महत्व के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए सोमवार को शहर में एक रैली निकाली।

प्रधान डाकघर से शुरू हुई रैली शहर के सभी महत्वपूर्ण इलाकों से होकर गुजरी। रैली में भाग लेने वाले डाक विभाग के कर्मचारियों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराकर ''भारत माता की जय'' और ''हर घर तिरंगा'' के नारे लगाए।

रैली को संबोधित करते हुए संभाग के डाक अधीक्षक वाई. वेंकटेश्वरलू ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री के लिए डाक विभाग की ओर से ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से भारी प्रतिक्रिया मिली है। यह बताते हुए कि उन्होंने अब तक 10,000 राष्ट्रीय झंडे बेचे हैं, उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले और 10,000 झंडे बेचने की उम्मीद है। झंडे सभी डाकघरों में उपलब्ध कराए गए हैं और वे छुट्टियों पर भी काम करेंगे, उन्होंने कहा और कहा कि लोग डाक विभाग से ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से झंडे खरीद सकते हैं। उन्होंने लोगों से हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। डाक एएसपी सुनील, आईपीओ श्रीनाथ रेड्डी और राजू, पोस्ट मैनेजर फजुल रहमान और अन्य भी उपस्थित थे।

घर गिरने से वृद्धा की मौत

मुलुगु, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मनागपेट मंडल के कोठा मल्लूर गांव में सोमवार तड़के 60 साल से अधिक उम्र की एक महिला का घर गिरने से मौत हो गई। मृतक सोयम मंगम्मा थी और जब यह घटना हुई तब वह एक खपरैल की छत वाले घर में अकेली थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पास के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। पता चला है कि लगातार बारिश के कारण मिट्टी की दीवारें भीग गई और घर ढह गया।

इस बीच, एनएच-163 पर तड़वई मंडल के जलालंचा वागु में रेत से लदी एक लॉरी पलट गई और धारा में गिर गई। उल्लेखनीय है कि दो सप्ताह पूर्व भारी बारिश के कारण घटनास्थल पर सड़क बह गई थी, लेकिन इसे अस्थायी रूप से ठीक कर दिया गया था। एनएच-163 पर जीडी वागू में एक बड़ा पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया और कुछ घंटों के लिए वाहनों का आवागमन बाधित हो गया। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से सोमवार सुबह पांच बजे तक जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है. कन्नैगुडेम मंडल केंद्र में जहां 8.43 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, वहीं मंगापेट मंडल के मल्लूर में 8.33 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। वेंकटपुर मंडल में 8 सेमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि वज़ीडु में 7.30 सेमी बारिश दर्ज की गई है। पूर्ववर्ती वारनागल जिले के कई हिस्सों में सोमवार को भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.